धनबाद
शुक्रवार 05.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-280 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-1
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑबजर्वर

# बीएलओ की मौत पर राज्य सरकारों को फटकार, जहां 10 हजार वहां 30 हजार स्टाफ भी तैनात हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

## काम में असमर्थ बीएलओ की जगह दूसरे अधिकारी नियुक्त करें

**नई दिल्ली (ईएमएस):** सुप्रीम कोर्ट ने अलग-अलग राज्यों में चल रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) के तौर पर काम कर रहे कई पुरुषों और महिलाओं की मौत और आत्महत्या पर गंभीर चिंता जाहिर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान बीएलओ की दिक्कतों को कम करने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने संबंधित राज्यों को एसआईआर ड्यूटी के लिए अतिरिक्त स्टाफ तैनात करने का आदेश दे दिया है। ताकि एसआईआर में लगे लोगों के काम के घंटे कम हो सकें और उन पर मानसिक बोझ खत्म कर सके। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने साफ किया कि अगर बूथ लेवल ऑफिसर्स किसी खास वजहों का हवाला देकर छुट्टी मांगते हैं, तब उस पर केस-टू-केस बेसिस पर विचार होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बीएलओ के काम करने के हालात और मेंटल हेल्थ के लिए राज्य सरकारों को ज़िम्मेदार ठहराया, और कहा कि जहां १०,००० स्टाफ तैनात हैं, वहां ३०,००० स्टाफ भी तैनात हो सकते हैं? शीर्ष अदालत ने राज्यों को फटकार लगाकर पूछा कि ऐसा क्यों नहीं किया गया?

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा कि जो बीएलओ ड्यूटी से छूट मांग रहे हैं, खासकर अगर वे बीमार हैं या किसी और वजह से असमर्थ हैं, तब उन्हें छुट्टी दें और उनकी जगह किसी और को रखा जाए। शीर्ष अदालत ने बीएलओ को बड़ी राहत देकर कहा कि अगर राज्य की तरफ से ऐसी राहत नहीं मिलती है, तब संबंधित बीएलओ कोर्ट से सीधे संपर्क कर सकता है। शीर्ष अदालत के ये निर्देश अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कझगम की याचिका के बाद आए हैं, जिसके अगले साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

टीवीके ने कई बीएलओ की मौत पर हुए विवाद के बीच कोर्ट का रुख किया था। तमिल पार्टी ने अपनी याचिका में कहा है कि ३५ से ४० के करीब बीएलओ की मौत हो चुकी है और चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट के सेक्शन ३२ के तहत बीएलओ को जेल भेजने की धमकी देकर उन्हें काम करने के लिए मजबूर कर रहा है।

वहीं टीवीके ने अपनी याचिका में तर्क दिया, हर राज्य में इसतरह के परिवार हैं, जिनके बच्चे अनाथ हो गए हैं या माता-पिता अलग हो गए हैं क्योंकि आयोग सेक्शन ३२ के नोटिस भेज रहा है। याचिका में मौत या आत्महत्या करने वाले बीएलओ के परिजनों के लिए मुआवज़े की भी मांग की गई है। पार्टी ने कहा, अभी बस यही अनुरोध है कि आयोग ऐसी सख्त कार्रवाई न करे। पार्टी ने दावा किया कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में बीएलओ के खिलाफ ५० से ज़्यादा पुलिस केस दर्ज किए गए हैं।

# झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से

## स्पीकर ने की सर्वदलीय बैठक, मुख्यमंत्री और विपक्ष ने एक-दूसरे से मांगा सहयोग

**रांची (एजेंसी):** झारखंड विधानसभा के पांच दिसंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र को सुचारु, सकारात्मक और जनहितकारी बनाने के लिए गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत सभी प्रमुख दलों के नेता मौजूद रहे।

बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार चाहती है कि शीतकालीन सत्र पूरी तरह परिणामदायी हो। जनकल्याणकारी योजनाओं और महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा हो, इसके लिए सभी दलों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि सदन में सकारात्मक माहौल बनाए रखते हुए रचनात्मक बहस हो।

जवाब में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा, विपक्ष जनता की आवाज है। जनहित के मुद्दों पर हमें बोलने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिलना चाहिए। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब हर पक्ष को सुना जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि विपक्ष सदन की गरिमा बनाए रखते हुए अपनी बात रखेगा।

संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार का पूरा प्रयास रहेगा कि सत्र के दौरान अनावश्यक व्यवधान न हों और सभी दलों के बीच बेहतर समन्वय बना रहे।लोजपा के एकमात्र विधायक जनार्दन पासवान, राजद के सुरेश पासवान, जेडीयू के सरयू राय सहित अन्य विधायकों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे। सभी ने एक स्वर में कहा कि सत्र को हंगामे से बचाकर जनता के हित में काम करना चाहिए। ▸▸ 8

# बाबरी बनाने का ऐलान करने वाले टीएमसी विधायक सस्पेंड

## हुमायूं कबीर ने कहा- मस्जिद जरूर बनेगी; तृणमूल और भाजपा के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ूंगा

**कोलकाता (ईएमएस):** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान करने वाले विधायक हुमायूं कबीर को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को पार्टी से निलंबित कर दिया।

कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इसकी जानकारी दी। मेयर ने कहा कि पार्टी सांप्रदायिक राजनीति में विश्वास नहीं करती। टीएमसी से निकाले जाने के बाद हुमायूं ने कहा कि मैं अपने बयान पर कायम हूं। मैं २२ दिसंबर को अपनी नई पार्टी की घोषणा करूंगा। विधानसभा चुनाव में १३५ सीटों पर उम्मीदवार उतारूंगा। मैं उन दोनों (टीएमसी और भाजपा) के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा। मुर्शिदाबाद जिले में २८ नवंबर को कई जगहों पर बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए थे। इन पर लिखा था कि ६ दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा। पोस्टर पर हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया था। इसके बाद विवाद बढ़ गया था।

**हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर**

विधायक हुमायूं कबीर की ओर से बाबरी मस्जिद निर्माण के प्रस्ताव के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में गुरुवार को एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें कहा गया कि हुमायूं कबीर का प्रस्ताव संविधान का उल्लंघन करता है।हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच इस मामले की सुनवाई कर सकती है।

# भारतीय रिजर्व बैंक ने हटाया बैन

## अब नेपाल ले जा सकेंगे 200-500 के भारतीय नोट

**नई दिल्ली (ईएमएस):** भारतीय रिजर्व बैंक ने नेपाली रुपया और भारतीय रुपया के प्रचलन से संबंधित पुराने नियमों में बड़ा बदलाव (संशोधन) किया है. अब नेपाल में भारतीय रुपये के २०० और ५०० मूल्य के नोट भी ले जाने और इस्तेमाल करने की अनुमति मिल गई है. इससे पहले नेपाल में बड़े मूल्य के भारतीय नोटों पर प्रतिबंध था, जिससे यात्री और व्यापारियों को काफी परेशानी होती थी.

भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमों में संशोधन करते हुए यह फैसला लिया है कि भारत से नेपाल या भूटान यात्रा करने वाले यात्री अब २५,००० रुपये तक की भारतीय मुद्रा, जिसमें २०० और ५०० के नोट भी शामिल हैं, अपने साथ ले जा सकेंगे. इसके साथ ही नेपाल या भूटान से भारत लौटते वक्त भी इसी सीमा तक भारतीय नोट लाना संभव होगा. ये कदम दोनों देशों के बीच आर्थिक और सामाजिक संपर्कों को और मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा है. रिजर्व बैंक ने स्पष्ट किया कि ये सुविधा सिर्फ नेपाल और भूटान के नागरिकों के लिए है. पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को ये छूट नहीं दी गई है.

**नेपाल के बैंक ने भी दी मंजूरी-** उधर, नेपाल राष्ट्र बैंक ने भी इसे स्वीकार करते हुए आवश्यक व्यवस्था कर ली है, ताकि दोनों देशों के नागरिकों के लिए मुद्रा विनिमय में आसानी हो. इससे नेपाल में भारतीय नोटों के पुराने प्रतिबंध हट जाएंगे और पर्यटन, व्यापार तथा श्रमिक वर्ग को राहत मिलेगी. बता दें कि भारत-नेपाल सीमा पर रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं, जिसमें ▸▸ 8

# भारतीय नौसेना दिवस पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं

## कहा- नौसेना हैं अनुशासन, करुणा और जिम्मेदारी का प्रतीक

**नई दिल्ली (ईएमएस):** भारतीय नौसेना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने देश के नौसैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने भारतीय नौसेना की अदम्य प्रतिबद्धता, मानवीय सेवा और समुद्री सुरक्षा में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, नौसेना अनुशासन, करुणा और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, नौसेना दिवस पर भारतीय नौसेना के कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं! देश उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं को सलाम करता है जो साहस, सतर्कता और अटूट प्रतिबद्धता के साथ हमारी समुद्री सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं। व्यापार मार्गों को सुरक्षित करने और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने से लेकर मानवीय मिशनों का नेतृत्व करने तक, भारतीय नौसेना अनुशासन, करुणा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसी के साथ ही राष्ट्रपति ने नौसेना की विभिन्न भूमिकाओं-समुद्री सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय मिशन, मानवीय सहायता और वैश्विक स्थिरता-में उसके बढ़ते योगदान को रेखांकित किया। ▸▸ 8

# नियम 267 पर टकराव, राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस

**नई दिल्ली (ईएमएस):** संसद का उच्च सदन राज्यसभा में गुरुवार को नियम २६७ के तहत चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गहरी बहस देखने को मिली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर तुरंत चर्चा न होने पर गहरी आपत्ति जाहिर है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार संवेदनशील विषयों को टाल रही है।

कांग्रेस खड़गे ने तर्क दिया कि सदस्य नियम २६७ का सहारा इसलिए लेते हैं क्योंकि उन्हें: न प्रश्न मिलते हैं। न शॉर्ट नोटिस (सवाल)। न शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में तत्काल चर्चा की व्यवस्था है, लेकिन राज्यसभा में नहीं, इसलिए हमारे पास सिर्फ नियम २६७ एक हथियार है।उन्होंने सभापति से अपील की कि महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए २६७ के सब नोटिसों को खारिज न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति चाहें तो नियम को निलंबित कर चर्चा का रास्ता खोल सकते हैं। राज्यसभा के सभापति ने नियम २६७ के अंतर्गत दिए गए नोटिस को अस्वीकार किया। उन्होंने खड़गे की आपत्तियों पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि यह कार्य उनके द्वारा व केवल अभी नहीं किया गया है, बल्कि यह व्यवस्था पहले से सदन द्वारा अपनाई जा चुकी ▸▸ 8

# झारखंड कैबिनेट की बैठक 8 को लिए जाएंगे महत्वपूर्ण निर्णय

**रांची (एजेंसी):** झारखंड कैबिनेट की बैठक ८ दिसंबर को होगी, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस बैठक में राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगने की संभावना है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) के अनुसार कैबिनेट बैठक सोमवार, ८ दिसंबर २०२५ को दोपहर २ बजे या विधानसभा की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद, जो भी समय बाद में हो, आयोजित की जाएगी। यह बैठक झारखंड प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

# रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के लिए भारत पहुंचे, पीएम मोदी ने किया स्वागत

**नई दिल्ली (ईएमएस):** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के लिए भारत पहुंच गए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर पुतिन का गले मिलकर स्वागत किया। यूक्रेन के साथ युद्ध होने के बाद उनका यह पहला भारत दौरा है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच कई समझौते होने की उम्मीद है।

भारत सरकार के सूत्र के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह दौरा आर्थिक सहयोग को मजबूत करने में बहुत मददगार होगा। राष्ट्रपति पुतिन के साथ बिजनेसमैन का एक बड़ा ग्रुप भी भारत आ रहा है। भारत को रूस के साथ व्यापार को बेहतर बनाने की उम्मीद है। रूस के साथ भारतीय एक्सपोर्ट बढ़ने की भी संभावना है, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स और मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं। भारतीय बिजनेस और प्रोडक्ट्स को एक बड़ा बाजार ▸▸ 8

# भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और हथियार खरीदने के आरोप में 5 को आजीवन कारावास

**कोलकाता (ईएमएस):** कोलकाता की एक कोर्ट ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के पांच सदस्यों को जिनमें से दो बांग्लादेशी नागरिक हैं, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और इस उद्देश्य के लिए हथियार खरीदने का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कार्यकर्ता भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट जैसी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने सितंबर २०१६ में पश्चिम बंगाल और असम से छह आरोपियों को विस्फोटक, आईईडी, भारत में विस्फोट करने की उनकी योजना के दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया था। सिटी सत्र अदालत के विशेष न्यायाधीश रोहन सिन्हा ने छह आरोपियों में से पांच को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिकों अनवर हुसैन फारुक और मोहम्मद रुबेल, पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी मौलाना यूसुफ एस के और असम निवासियों मोहम्मद साहिदुल इस्लाम और जबीरुल इस्लाम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। छठे आरोपी बर्धमान निवासी अब्दुल कलाम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

# कफ सिरप मामले में आरोपी जी. रंगनाथन की 2.04 करोड़ रुपये की संपति कुर्क

## संसद में सरकार ने बताया, मामले में जांच जारी

**चेन्नई (ईएमएस):** श्रीसन फार्मास्युटिकल्स कंपनी और उसके मालिक जी. रंगनाथन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई जारी है। दरअसल चेन्नई स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स कंपनी द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप के इस्तेमाल से मध्य प्रदेश में कथित तौर पर २६ बच्चों की मौत हो गई थी (इनमें ज़्यादातर पाँच साल से कम उम्र के थे। बच्चों की मौत का कारण कथित तौर पर किडनी फेल होना था।

ईडी की जांच में सामने आया हैं कि कंपनी ने दवा बनाने के लिए फार्मा-ग्रेड (दवा बनाने के स्तर की गुणवत्ता) के बजाय इंडस्ट्रियल-ग्रेड रॉ मटेरियल का इस्तेमाल किया, जिसकी क्वालिटी चेक नहीं हुई थी। ईडी का आरोप है कि कंपनी ने निर्माण लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए अनुचित व्यापार प्रथाओं का सहारा लिया। यह सामग्री बिना बिल के नकद में खरीदी जा रही थी। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़े चेन्नई में दो फ्लैट (कोडम्बक्कम में स्थित) कुर्क (अटैच) किए हैं। इन संपत्तियों की कीमत लगभग २.०४ करोड़ रुपये है। ईडी ने जांच में दावा किया कि तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के अधिकारी रंगनाथन के साथ लगातार संपर्क में थे। इसके बावजूद, फर्म का ▸▸ 8

# संसद में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की घोषणा

## सालभर में खत्म होंगे टोल बूथ, बैरियर लैस सिस्टम लागू होगा, 10 जगह पायलट प्रोजेक्ट शुरू

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को बताया कि अगले एक साल में हाईवे पर मौजूदा टोल वसूली सिस्टम खत्म हो जाएगा। उसकी जगह पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक, बैरियर लैस टोल सिस्टम लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नए सिस्टम की शुरुआत फिलहाल १० जगह की जा चुकी है और इसे एक साल के भीतर पूरे देश में लागू करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इस समय देशभर में करीब ४,५०० हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनकी कुल लागत लगभग १० लाख करोड़ रुपए है।

पहले टोल प्लाजा पर गाड़ियों को रुककर नकद या कार्ड से भुगतान करना पड़ता था। फास्टैग आया तो गाड़ियों का टोल पर रुकने का समय कम हुआ। अब अगला कदम बिना बैरियर वाले हाईटेक टोल की तरफ है।

**अब टोल पर रुकने की जरूरत नहीं**

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन प्रोग्राम बनाया है। ये पूरे देश के लिए एक जैसा और आपस में जुड़ा इलेक्ट्रॉनिक टोल प्लेटफॉर्म है। इसका मकसद अलग-अलग हाईवे पर अलग सिस्टम की परेशानी खत्म करना और एक ही तकनीक से आसानी से टोल वसूली करना है। इस नेशनल

इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम का मुख्य हिस्सा फास्टैग है, जो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक वाला टैग होता है और गाड़ी के सामने वाले शीशे (विंडस्क्रीन) पर चिपकाया जाता है। जैसे ही गाड़ी टोल लेन से गुजरती है, सेंसर इस टैग को रीड कर लेता है और यूजर के लिंक्ड बैंक खाते या वॉलेट से पैसा कट जाता है।?

**बैरियर लैस टोल कैसे काम करेगा**

सरकार अब फास्टैग के साथ ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन जैसी तकनीक जोडक़र बैरियर लैस टोलिंग लागू कर रही है, ताकि गाड़ियों को टोल के लिए रुकना ही न पड़े। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे गाड़ी की नंबर प्लेट पहचानते हैं और फास्टैग रीडर टैग पढक़र टोल की रकम वसूल कर लेते हैं। पूरी प्रक्रिया कुछ सेकेंड में अपने आप हो जाती है। इस सिस्टम के तहत टोल प्लाजा पर भारी बैरियर, लंबी कतारें और कैश देने की मजबूरी काफी हद तक खत्म हो जाएगी। जिन वाहनों के पास वैध फास्टैग नहीं होगा या जो नियम तोड़ेंगे, उन्हें ई-नोटिस और जुर्माने जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जैसे फास्टैग सस्पेंड करना या वाहन डेटा पर पेनल्टी लगाना।

# संपादकीय | गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दबाव

देश के बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर उठा विवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। मतदाता सूचियों में संशोधन पहले भी होता रहा है, लेकिन एसआइआर की प्रक्रिया पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे अब तीन मोर्चों पर संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है। पहला मानवीय स्तर पर, दूसरा कानूनी और तीसरा राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू पर भी इस प्रक्रिया को तौला जा रहा है।

सवाल है कि इस विवाद का हल कैसे होगा? इसको लेकर अदालत में भी मामले दायर किए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि अदालती प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें तत्काल फैसला आने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का अत्यधिक दबाव होने और कुछ के आत्महत्या कर लेने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाकर समस्या के निराकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन क्या सात दिन का यह समय पर्याप्त है? क्या इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों पर वास्तव में दबाव कम हो पाएगा?

एसआइआर को लेकर उठे विवाद में एक अफसोसजनक पहलू यह है कि बूथ स्तरीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा में काम के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से ऐसे अधिकारियों की मौतों और इस्तीफों की कई खबरें आ चुकी हैं। वहीं प्रशासन की सख्ती से कुछ राज्यों में इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी तक दर्ज की गई है और कुछ को निलंबित कर दिया गया है। दबाव की अति की इस स्थिति में कर्तव्य और सख्ती के बीच की रेखा धुंधली नजर आने लगी है।

निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों प्रशासनिक अधिकारियों से वस्तुस्थिति पर रपट मांगी थी, जिसके बाद रविवार को आयोग ने एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। आयोग की ओर से कहा गया कि एक सप्ताह का अतिरिक्त समय इसलिए दिया गया, ताकि बूथ स्तरीय अधिकारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मृत या दूसरी जगह चले गए मतदाताओं का ब्योरा राजनीतिक दलों के साथ साझा कर सकें। इससे यही लगता है कि आयोग ने यह निर्णय प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर काम के दबाव की वजह से नहीं लिया है।

एसआइआर को लेकर राजनीतिक मोर्चा भी खुल गया है। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का कहना है कि मतदाता सूची का सत्यापन जरूरी है, ताकि अवैध मतदाताओं का पता चल सके। वहीं विपक्षी दलों का तर्क है कि इस पूरी प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने के फैसले से इस बात की पुष्टि होती है कि इसे बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में शुरू किया गया है। इसके लिए कम कम से एक माह का समय और दिया जाना चाहिए। सवाल है कि इस महत्त्वपूर्ण काम को पूरा करने का जिम्मा जिन बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है, अगर वही दबाव और तनाव का शिकार होकर जीवन पर जोखिम के दौर से गुजरने लगें, तो इसकी जवाबदेही किस पर है।

कुछ नेताओं ने दबाव की वजह से हो रही ऐसी घटनाओं पर सवाल उठाया है, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। निर्वाचन आयोग अगर एसआइआर के व्यापक अभियान को सहजता से पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए उसे इस काम में लगे लोगों की समस्याओं पर भी गौर करना चाहिए।

## सार्वजनिक बसों में लगातार बढ़ते हादसे चिंताजनक

पिछले कुछ समय के दौरान सार्वजनिक बसों के हादसे के कई मामले सामने आए, जिनमें आग लगने से यात्री जिंदा जल गए। ऐसी घटनाओं को हादसा मान कर ही देखा गया और सरकार ने इनकी जांच कराने और हताहतों या उनके परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा करके औपचारिकता पूरी कर ली। मगर जब एक ही तरह की दुर्घटनाएं लगातार होने लगें, तो इस पर भी विचार करने की जरूरत होती है कि इनकी तह में क्या वजह छिपी हो सकती है। अव्वल तो वाहन सुरक्षित चलाने से लेकर सामान रखने की जगह और बस के भीतर आवाजाही के रास्ते निर्बाध रखने जैसी सावधानी को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होनी चाहिए। अगर इसमें लापरवाही बरती जाती है, तो उसकी जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी सरकार के संबंधित महकमे तथा अधिकारियों की है। मगर ऐसा लगता है कि हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती जाती है और यात्रियों के जीवन की कोई परवाह नहीं की जाती। सवाल है कि ऐसी स्थिति कैसे आती है कि किसी बस में आग लग जाने पर यात्रियों को निकलने तक का मौका नहीं मिलता और वे अपनी या किसी अन्य की जान बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाते। इसी मसले पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, यानी एनएचआरसी की एक पीठ ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को नोटिस जारी किया है तथा राज्यों के मुख्य सचिवों को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली बसों को हटाने का निर्देश दिया। दरअसल, यह शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सार्वजनिक बसों के डिजाइन में गंभीर खामी यात्रियों की जान को खतरे में डाल रही है। ऐसी खबरें भी आईं कि हादसे या आग लगने के बाद बस का स्वचालित दरवाजा जाम हो गया और इसकी वजह से लोग भीतर ही फंस गए। इसके अलावा, बस में जरूरत से ज्यादा भार, आपातकालीन दरवाजे या खिड़कियों का नहीं होना या फिर बेकाम होना जैसी अनेक लापरवाहियां यात्रियों की मौत की वजह बनती हैं। आखिर डिजाइन में गंभीर खामी वाली बसें जोखिम भरी स्थितियों में सड़क पर निर्बाध दौड़ती हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आए दिन यात्री बसों में आग लगने और लोगों की मौत की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए इस पर विचार और ठोस कार्रवाई बेहद जरूरी है।

## आज का कार्टून

# एआई की बढ़ती मांग और पर्यावरण की चिंता...

हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे जीवन को निर्देशित करने वाली कई प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई हैं। इस कारण हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण-अनुकूल कृत्रिम मेधा की मांग करनी चाहिए। लोगों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोक्ता बनने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि आभासी कार्यों में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले डेटा की वास्तविक दुनिया में एक लागत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, एक गूगल सर्च में 0.3 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है, जबकि आभासी सहयोग मंच पर एक अनुरोध में 2.9 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है। अगर सहयोग मंच को प्रतिदिन की जाने वाली नौ अरब खोजों में एकीकृत कर दिया जाए, तो बिजली की मांग सालाना दस टेरावाट प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी, जो यूरोपीय संघ (ईयू) के लगभग पंद्रह लाख निवासियों द्वारा खपत की जाने वाली ऊर्जा के बराबर है।

**मनीष कुमार चौधरी**

कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का तेजी से विकास इसके नैतिक निहितार्थों और पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ाने लगा है। इसके बढ़ते उपयोग ने अधिक डेटा और कंप्यूटिंग शक्ति की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। अधिकांश एआइ सर्वर डेटा केंद्रों में संग्रहीत होते हैं, जो इलेक्ट्रानिक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। डेटा केंद्र बड़ी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन होता है। उन्हें निर्माण और विद्युत घटकों को ठंडा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता भी होती है। वैश्विक एआइ मांग में वर्ष 2027 तक 4.2-6.6 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की खपत होने की संभावना है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था को आभासी रूप में देखा जाता है, लेकिन यह भौतिक संसाधनों और कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भर है। डिजिटल उपकरण और बुनियादी ढांचा प्लास्टिक, कांच, सिरेमिक और विभिन्न खनिजों एवं धातुओं से बने होते हैं। दो किलोग्राम के कंप्यूटर को बनाने में भी लगभग 800 किलोग्राम कच्चे माल की आवश्यकता होती है। कृत्रिम मेधा पर आधारित आभासी सहयोग मंच पारंपरिक खोज इंजनों की तुलना में अधिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजंसी के अनुसार, इस तरह के सहयोग मंच पर एक अनुरोध के लिए गूगल खोज की तुलना में दस गुना अधिक बिजली की जरूरत होती है।

वर्ष 2021 में मशीन लर्निंग और कृत्रिम मेधा की वैश्विक बिजली मांग में 0.2 फीसद से भी कम और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 फीसद से भी कम हिस्सेदारी थी। हाल के वर्षों में मेटा ने मशीन लर्निंग प्रशिक्षण और अनुमान के लिए कंप्यूटिंग मांग में सौ फीसद से अधिक की वार्षिक वृद्धि देखी है। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा का उपयोग बढ़ेगा, ऊर्जा की मांग भी बढ़ेगी, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग आवश्यक हो जाएगा। डेटा केंद्र विभिन्न अनुप्रयोगों, जैसे वेबसाइट, क्लाउड या एआइ सेवाओं के लिए डेटा के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण पर निर्भर हैं। एआइ तकनीक वाले डेटा केंद्र अपनी जटिल प्रणाली के संचालन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा अभी भी जीवाश्म ईंधन से आता है, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन होता है। डेटा संग्रहण के लिए आवश्यक ऊर्जा वर्ष 2026 तक दोगुनी होने की उम्मीद है।

हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे जीवन को निर्देशित करने वाली कई प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई हैं। इस कारण हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण-अनुकूल कृत्रिम मेधा की मांग करनी चाहिए। लोगों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोक्ता बनने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि आभासी कार्यों में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले डेटा की वास्तविक दुनिया में एक लागत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजंसी के अनुसार, एक गूगल सर्च में 0.3 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है, जबकि आभासी सहयोग मंच पर एक अनुरोध में 2.9 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च होती है। अगर सहयोग मंच को प्रतिदिन की जाने वाली नौ अरब खोजों में एकीकृत कर दिया जाए, तो बिजली की मांग सालाना दस टेरावाट प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी, जो यूरोपीय संघ (ईयू) के लगभग पंद्रह लाख निवासियों द्वारा खपत की जाने वाली ऊर्जा के बराबर है।

जब हम किसी उपकरण को बिजली के साथ जोड़ते हैं तो पता रहता है कि वह किस ऊर्जा ग्रिड का उपयोग कर रहा है और लगभग कितनी ऊर्जा का इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन जब हम गूगल या किसी आभासी सहयोग मंच पर कुछ तलाश कर रहे होते हैं, तो वास्तव में पता नहीं होता कि प्रक्रिया कहां चल रही है।

भौतिक रूप से हमारे पास बहुत सारा डेटा है, हम उसे संग्रहीत कर रहे हैं। एआइ माडल को प्रशिक्षित करने में भी ऊर्जा की खपत होती है। असल में हम जिस भी डेटा पर अपने माडल को प्रशिक्षित करना चाहते हैं, उसे हजारों बार अपने माडल पर चला रहे हैं। जब किसी एआइ माडल को तैनात किया जाता है, तो उसे हमेशा चालू रखना होता है। ऐसे में डेटा केंद्र के सर्वर भी गर्म हो जाते हैं। इन डेटा केंद्रों को ठंडा करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। कभी-कभी वातानुकूलन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ज्यादातर अनिवार्य रूप से पानी का संचरण किया जाता है। जैसे-जैसे डेटा केंद्र ज्यादा सघन होते जाते हैं, इन्हें ज्यादा ठंडक की जरूरत होती है, इसलिए इनमें ज्यादा पानी का इस्तेमाल होता है।

खासकर बड़े डेटा केंद्र, जहां से कृत्रिम मेधा संचालित होती है, उनके पास ऊर्जा के विश्वसनीय स्रोत होने चाहिए। इसलिए, अक्सर ये ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध हों, जैसे प्राकृतिक गैस या कोयले से उत्पन्न ऊर्जा, ताकि एआइ उपकरणों को निर्बाध रूप से ऊर्जा उपलब्ध होती रहे। सौर या पवन ऊर्जा के साथ ऐसा करना मुश्किल होता है, क्योंकि अक्सर मौसम संबंधी कारक ऊर्जा उत्पादन में बाधा डालते हैं। यानी बड़े डेटा केंद्र ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां ग्रिड अपेक्षाकृत कार्बन-गहन होता है।

एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में डेटा केंद्रों ने अमेरिका की कुल बिजली का 4.4 फीसद इस्तेमाल किया। यह आंकड़ा कृत्रिम मेधा की बढ़ती मांग के हिसाब से वर्ष 2028 तक तीन गुना हो सकता है। कृत्रिम मेधा का तेजी से विस्तार पानी के उपयोग, उत्सर्जन और ई-कचरे को बढ़ा रहा है। वर्ष 2030-2035 तक डेटा केंद्र वैश्विक बिजली उपयोग का बीस फीसद हिस्सा इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे पावर ग्रिड पर भारी दबाव पड़ेगा। शुरूआत में कंप्यूटिंग में ऊर्जा संबंधी चिंताएं उपभोक्ता-केंद्रित थीं, मगर आज पर्यावरणीय स्थिरता, कार्बन उत्सर्जन में कमी और एआइ माडल को अधिक ऊर्जा कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। एआइ माडल प्रशिक्षण में बार-बार गणनाओं के माध्यम से मापदंडों का समायोजन शामिल है, जिसके लिए अत्यधिक प्रसंस्करण शक्ति की आवश्यकता होती है। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में हफ्तों या महीनों का समय लग सकता है, जिससे भारी मात्रा में बिजली की खपत होती है।

इसके अलावा, एआइ माडल को प्रासंगिक बने रहने के लिए अक्सर बार-बार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा की खपत और बढ़ जाती है। बुनियादी ढांचे की विफलताएं, साफ्टवेयर की अकुशलता और एआइ माडल की बढ़ती जटिलताएं इस तनाव को और बढ़ा देती हैं, जिससे एआइ प्रशिक्षण आधुनिक युग में सबसे अधिक संसाधन-गहन कंप्यूटिंग कार्यों में से एक बन गया है। वर्ष 2014 से 2023 तक सर्वर ऊर्जा उपयोग तीन गुना से भी अधिक हो गया है। मगर राहत की बात यह है कि कंप्यूटर ज्यादा कुशल होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे कंप्यूटर प्रोसेसर अधिक कुशल होते जाते हैं, उन्हें चलाने में कम लागत आती है, जिससे कुछ ऊर्जा बचत की भरपाई हो सकती है। इस स्थिति में हमें ऐसे विकल्प विकसित करने होंगे, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने में कार्बन उत्सर्जन कम हो तथा एआइ उपकरणों और डेटा केंद्रों के निर्माण से ई-कचरे की समस्या भी उत्पन्न न हो।

# तकनीकी संजाल में गुम होते जा रहे हैं नई उम्र के लोग

यह भारतीय संस्कृति के 'दान' के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि यजुर्वेद में कहा गया है- 'दानेन परिचर्या च', यानी दान से ही परिचर्या (शुद्धि) होती है। मगर यहां यह दान केवल नैतिक रिश्वत है- अपने लोभ और कायरता के पाप-बोध को एक त्वरित 'पुण्य' में बदलकर मुक्ति पाने का सौदा। यों भी 'और भी दुख हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा... राहतें और भी हैं वस्ल की राहत के सिवा।' यहां दुख की बात यह है कि उस हृदय की 'राहत' केवल दूसरों के पाप को धोने में सिमट गई है। गरीब और कन्याएं यहां सामाजिक हाशिये की भूमिका निभाते हैं, जहां स्वार्थी लोग अपनी अमानवीय कुंठा निकालते हैं।

**सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'**

यह 'जियो और जीने दो' का दर्शन, जो मूलतः भगवान महावीर के अहिंसा सिद्धांत का उच्च आदर्श है, आज के विखंडित समाज में विकृत होकर केवल स्वार्थ और अलगाव का एक विचित्र मंत्र बन गया है। यह वह छद्म-आधुनिकता है, जहां भावनात्मक दूरी को 'आत्मनिर्भरता' का मुलम्मा चढ़ाकर स्वीकार किया जाता है। स्नेह का पात्र अपनी समस्त उपयोगिता खोकर उपेक्षित हो जाता है। यह हृदय की वही पीड़ा है, जिसमें एकाकीपन की टीस है। उपेक्षित हृदय अपनी संतानों के जीवन को देखकर खुद को समझाता है, पर भीतर ही भीतर वह अपने अस्तित्व के मौन एकांत को गिनता है। रिश्तों की वह गर्माहट, जो एक समय जीवन का आधार थी, अब केवल 'अनचाही सलाह' की संज्ञा पाकर उपेक्षा का शिकार हो जाती है।

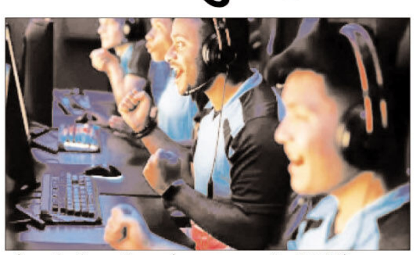

तकनीकी संजाल में गुम नई उम्र के लोगों ने जिस तरह अपनी एक आभासी दुनिया में ही अपना जीवन झोंक दिया है, उसमें वे तो शायद इस बात का अहसास भी नहीं कर पाते होंगे कि परिवार से लेकर समाज तक में आसपास जीवंत रिश्तों से जीवन को कैसी ऊर्जा मिलती थी। अब तक हालत यह है कि सिर्फ 'निजी दायरा' के नाम पर एकाकीपन की दुनिया और उसके दंश को भी जीवनशैली का एक सहज और स्वाभाविक हिस्सा मान लिया जाता है।

यह समझने की जरूरत तक महसूस नहीं की जाती कि इससे उपजे खालीपन से आगे की जिंदगी एक चुनौती भी बन सकती है। स्नेह और प्रेम का महत्त्व अब मायने नहीं रखता। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जब स्नेह की उपेक्षा होती है, तो व्यक्ति का मूल्य घट जाता है, उसकी बात का नहीं। इस उपेक्षित हृदय का 'होना' ही अब व्यक्ति का दुख बन गया है, जो एकांत में आंसू पोंछता है और अपनी पीड़ा को 'आजादी' का नाम देता है।

वर्षों के इस भावनात्मक सूनेपन पर अचानक 'राय' की मांग आना, शुष्क भूमि पर अचानक बरसी पहली बूंद होती है। यह क्षण एक उपेक्षित हृदय के लिए किसी वरदान से कम नहीं, भले ही यह मांग प्रेमवश नहीं, बल्कि स्व-उपयोगिता के लिए की गई हो। उस हृदय की तृप्ति का आधार केवल यह होता है कि उसे 'योग्य' समझा गया है। मगर यह एक विडंबना है कि जीवन के बड़े निर्णय और खुशियों में जिसे विस्मृत कर दिया गया, उसे याद केवल तब किया जाता है, जब अंतरात्मा पर कोई पाप-बोध का भारी बोझ आ जाए।

यह कैसा विश्वास है, जहां स्नेह का अधिकार केवल नैतिक शुद्धि और पाप-क्षालन के कर्मकांड तक सीमित रह जाता है! आजकल के लोग कई महीनों तक लोभ और भय के द्वंद्व में जीते हैं, प्राप्त अशुभ धन को छिपाते हैं और आखिरकार उसे नकदी में बदल देते हैं। इस लोभ की शुद्धि के लिए वे उस हृदय के पास आते हैं, जिन्हें वे अखंड ममता की शक्ति मानते हैं। यह जानते हुए भी कि उनकी व्यावहारिक चेतना इस समस्या का सामना नहीं कर सकती, वे उस निष्कपट प्रेम के पास आते हैं, जो उसके अशुभ धन से चिपके अनजान आंसुओं को अपनी पवित्रता से धो सके।

जब उपेक्षित हृदय कहता है कि जिस धन में किसी का दुख जुड़ा हो, वह अपने पास नहीं रखना चाहिए, तो यह केवल धर्म-सम्मत सलाह नहीं होती, बल्कि स्वयं की पीड़ा का मौन प्रक्षेपण होता है। यह एक परोक्ष प्रश्न है कि जाने अनजाने में ही सही, हम सबके जीवन में जो यह उपेक्षा और परित्याग का दुख जुड़ा है, उसका शोधन और निवारण कहां किया जाए! यह सलाह अवसरवादियों के लिए एक नैतिक छूट-पत्र बन जाती है। उन्हें गरीबों को दान या कन्या पूजन का मार्ग दिखाया जाता है।

यह भारतीय संस्कृति के 'दान' के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि यजुर्वेद में कहा गया है- 'दानेन परिचर्या च', यानी दान से ही परिचर्या (शुद्धि) होती है। मगर यहां यह दान केवल नैतिक रिश्वत है- अपने लोभ और कायरता के पाप-बोध को एक त्वरित 'पुण्य' में बदलकर मुक्ति पाने का सौदा। यों भी 'और भी दुख हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा... राहतें और भी हैं वस्ल की राहत के सिवा।' यहां दुख की बात यह है कि उस हृदय की 'राहत' केवल दूसरों के पाप को धोने में सिमट गई है। गरीब और कन्याएं यहां सामाजिक हाशिये की भूमिका निभाते हैं, जहां स्वार्थी लोग अपनी अमानवीय कुंठा निकालते हैं।

इस पूरे प्रसंग में सबसे बड़ा पाखंड वह क्षण है, जब व्यक्ति कहता है कि 'शुभता वस्तु में नहीं, भावना में होती है।' अगर यह सत्य होता, तो कर्म में इसकी झलक दिखती। श्रीमद्भगवद्गीता में कृष्ण कहते हैं- 'यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्। यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्।' यानी जो कुछ भी आप करते हैं, खाते हैं, हवन करते हैं, दान देते हैं या तप करते हैं, वह सब मुझे अर्पित कर दें। यहां 'शुभता' तो तब प्रकट हुई, जब उपेक्षित हृदय ने दान का आसान मार्ग सुझाया। यह भावना नहीं, बल्कि सुविधा थी, जिसने लोभ और कायरता पर पवित्रता का आवरण डाल दिया गया। कवि अदम गोंडवी ने शायद ऐसी ही नैतिकता पर व्यंग्य किया होगा- 'तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आंकड़े झूठे हैं, ये दावा किताबी है।' यह शुभता का दावा भी वैसा ही झूठा है, जिसने नैतिक स्वीकृति को ही अपनी उपलब्धि मान लिया।

# जहरीली गैस रिसाव मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी ने की बैठक

**धनबाद (कासं) :** पुटकी अंचल अंतर्गत केंदुआडीह के विभिन्न बस्तियों में जहरीली गैस रिसाव मामले को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में बीसीसीएल, डीजीएमएस, स्वास्थ्य विभाग, आपदा विभाग तथा जेआरडीए की टीम के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उक्त घटना की समीक्षा करते हुए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जहरीली गैस रिसाव के कारण, रोकथाम के उपाय, प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह तत्काल शिफ्ट करने, घटना में हुए मृत्यु पर लापरवाही पर कार्रवाई करने समेत विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि घटना के पश्चात बीसीसीएल, जिला प्रशासन, स्थानीय थाना द्वारा संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। किन्तु प्रारंभिक सूचना व क्षेत्रीय निरीक्षण में पाया गया कि राहत एवं बचाव कार्य में समुचित तत्परता का अभाव परिलक्षित हुआ। बीसीसीएल प्रबंधन एवं संबंधित एजेंसियों के बीच समुचित समन्वय का अभाव देखा गया।

उपायुक्त ने उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए घटना की वस्तुस्थिति ज्ञात करने, उत्तरदायित्व निर्धारण करने तथा भविष्य हेतु सुधारात्मक उपाय सुझाने के निमित्त जांच समिति का गठन किया है। उक्त जांच में क्रमवार सभी घटना की जांच की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि किसकी लापरवाही से लोगों की जान गई है। जांच के उपरांत जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इसके अलावा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को तत्काल कही दूसरे जगह शिफ्ट की जाएगी। इसके लिए उन्होंने एरिया जीएम बीसीसीएल को तत्काल टेंट सिटी निर्माण करने हेतु निर्देशित किया जिसमें ठंड से बचने, पीने का पानी, खाना, बिजली, शौचालय की व्यवस्था होगी। साथ हीं २४ घंटे एम्बुलेंस और डॉक्टर की व्यवस्था करने हेतु भी निर्देशित किया गया। बीसीसीएल की टीम भी कैंप करेगी, साथ ही जिला प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट रहेगी।

मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय झा, महाप्रबंधक पीबी एरिया, बीसीसीएल, महाप्रबंधक (सुरक्षा), बीसीसीएल, महाप्रबंधक (रेस्क्यू), बीसीसीएल, समेत डीजीएमएस, स्वास्थ्य विभाग, आपदा विभाग तथा जेआरडीए की टीम मौजूद रही।

# बोर्ड परिणाम में जिला को शीर्ष पर लाने का प्रयास हो : डीसी

**धनबाद (कासं) :** उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में धनबाद जिला में मैट्रिक तथा इंटर की परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक हुई।

बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण प्रक्रिया, प्रीबोर्ड की स्थिति एवं विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली गई। बैठक में कक्षा १० तथा १२ के विद्यार्थियों के दिसंबर तथा समीक्षोपरांत जनवरी माह में आयोजित होने वाले प्री बोर्ड परीक्षा को लेकर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों से विचार-विमर्श किया गया। डीसी ने १५ से पूर्व सभी तैयारियों को पूरा करने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ हीं उन्होंने प्रतिदिन कक्षा ९, १०, ११ तथा १२ के बच्चों को प्रतिदिन एक प्रश्न उत्तर का रिवीजन कराने का निर्देश दिया। साथ हीं बच्चों की प्री बोर्ड में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए स्पेशल पीटीएम कर पैरेंट्स तथा बच्चों को जागरूक करे। जो बच्चे विद्यालय नहीं आते, उनके परिजनों को कॉल कर समझाए, साथ ही प्री बोर्ड की शेड्यूल व्हाट्सएप करे। उपायुक्त ने कहा कि इस बार बोर्ड परिणाम में धनबाद जिला को शीर्ष स्थान पर लाना हमारा सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए।

इसके लिए प्रत्येक विद्यालय को प्रतिबद्धता, अनुशासन और उत्कृष्ट शिक्षण का वातावरण तैयार करना होगा।

उन्होंने प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि प्रत्येक छात्र की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, प्रीबोर्ड के परिणाम का सूक्ष्म विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाए जाए। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन और विद्यालय-दोनों मिलकर यदि लक्ष्य आधारित रणनीति बनाएं, तो धनबाद जिला शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेगा।

## महिलाओं ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**धनबाद (कासं) :** कांड्रा पंचायत के सचिवालय के अगल बगल एवं बेलगाम में महिलाओं पौधारोपण की। मुखिया रिंकू देवी ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश। मुखिया ने कहा कि घर या कार्यालय के अगल बगल में फूल पौधे से हरियाली रहने से लोगों को मानसिक शांति और सुंदरता भी बनी रहती है। मौके पर पूर्व मुखिया सह भाजपा के जिला प्रमुख धनेश्वर महतो, वार्ड संख्या-एक के सदस्य नितु देवी, वार्ड संख्या-दो के सदस्य भारती देवी, वार्ड संख्याछः के सदस्य नीतु दास, रोजगार सेवक मौसिन अख्तर, करमा महंत, डेगलाल महतो के अलावा अन्य लोग शामिल थे।

# आईएसएम में विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस का आयोजन

**धनबाद (कासं) :** आईएसएम के सेंचुरी वीक सेलिब्रेशन के तहत, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियंत्रण विभाग की ओर से विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस का आयोजन जीजेएलटी में किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ, शिक्षक, छात्र और कई हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे परीक्षोष उपाध्याय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, झारखंड। विशिष्ट अतिथियों में आर. थंगा पंडियन, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, बोकारो और विकास पालीवाल जिला वन पदाधिकारी, धनबाद शामिल थे। अतिथियों ने झारखंड में वन्यजीव संरक्षण से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों पर सरल और प्रेरक बातें साझा कीं।

कार्यक्रम के दौरान विश्व वन्यजीव संरक्षण दिवस पर आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में स्कूल, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों ने देशभर से उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों और युवाओं की रचनात्मकता और जागरूकता ने कार्यक्रम को और प्रभावी बना दिया।

इस अवसर पर संस्थान के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी-आईएसएम, प्रो. धीरज कुमार, उपनिदेशक, प्रो. आलोक सिन्हा, विभागाध्यक्ष, ईएसई एवं कोऑर्डिनेटर, और प्रो. सुरेश पंडियन, सहसमन्वयक, ई ईएसीपी सेंटर शामिल थे। सभी ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव बचाने के लिए जागरूक रहने और छोटेछोटे कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य संदेश था कि भारत की जैवविविधता की सुरक्षा केवल तभी संभव है जब सभी लोग मिलकर प्रयास करेंचाहे वह वैज्ञानिक शोध हो, सामुदायिक पहल हो या रोजमर्रा के जीवन में अपनाई गई छोटीछोटी जिम्मेदार आदतें। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सभी प्रतिभागी आगे भी प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के लिए अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

## खुदीराम बोस की जयंती पर गणमान्यों ने दी श्रद्धांजलि

**धनबाद (कासं) :** खुदीराम बोस के १३६वीं जयंती पर मैथन स्थित आजाद नगर मोड़ में उनके तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। मौके पर सौगात बनर्जी, चंडीचरण

चक्रवर्ती, राजू मुखर्जी, सुमन शाह, आलोक भट्टाचार्य, मोहन पंडित, गणेश दत्त, अजीत मिश्रा, संजय यादव, बापी दत्त इत्यादि मौजूद थे।

## खेतों में धान की मड़ाई शुरू, किसानों के चेहरे पर खुशी

**धनबाद (कासं) :** धान की फसल पक कर तैयार है और किसानों ने मड़ाई शुरू कर दी है। खेतों में धान की मड़ाई का काम जोरों पर है, और किसानों के चेहरे पर खुशी देखी जा रही है। मनईटांड़ के किसान सप्पू महतो ने बताया कि धान की मड़ाई के लिए किसान अपने खेतों में मशीनें लगाई हैं, जो धान को तिनकों से अलग कर रही हैं। इस प्रक्रिया में किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ रही है, लेकिन उनकी खुशी देखकर लगता है कि उनकी मेहनत रंग ला रही है। दिनेश महतो ने बताया कि धान की मड़ाई के बाद, किसानों को उम्मीद है कि उन्हें अच्छा पैसा मिलेगा, जिससे वे अपने परिवार का पालनपोषण कर सकेंगे। सरकार ने भी धान की मड़ाई के लिए कई सुविधाएं प्रदान की हैं, जैसे कि धान अधिप्राप्ति केंद्रों की स्थापना और धान की खरीद की व्यवस्था। इस साल धान की फसल अच्छी होने की उम्मीद है और किसानों को उम्मीद है कि उन्हें अच्छा पैसा मिलेगा।

# चार श्रम कानून के विरोध में संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

**जोड़ापोखर (ससे) :** केंद्र सरकार द्वारा देश के कर्मियों एवं श्रमिकों पर चार श्रम कानून लागू करने के निर्णय के खिलाफ संयुक्त मोर्चा समर्थकों ने राकोमयू के महामंत्री एके झा के अगुवाई में लोदना क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर सरकार से कथित काला श्रम कानून को वापस लेने की मांग किया। इस दौरान मोर्चा समर्थकों ने केंद्र की मोदी सरकार को मजदूर विरोधी बताते हुए उसके खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। सभा को संबोधित करते हुए श्री झा ने कहा कि केंद्र सरकार की निजी कंपनियों को बढ़ावा देने को चार श्रम काला कानून को लागू कर श्रमिकों को गुलामी की जंजीरों में जकड़कर आर्थिक शोषण करने को छटनी करने की योजना है। अगर यह काला कानून को सरकार वापस नहीं लेती है तो देश के कर्मियों के बेरोजगार बच्चे रोजगार के अवसर से वंचित हो जाएंगे। बेरोजगारी और बढ़ जाएगी, लोग एकएक पैसे के लिए मोहताज होकर निजी कंपनियों के आगे दरबर की ठोकरे खाने को मजबूर होंगे। उन्होंने कर्मियों से पार्टी तथा आपसी भेद भाव को भूलाकर मजदूर विरोधी काला कानून के विरोध में एकजुट होकर आंदोलन करने की अपील किया। मौके पर सुरेश गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, धर्मेंद्र राय, सलाउद्दीन अंसारी, बिहारीलाल चौहान, मल्लू सिंह, बिनोद कुमार पासवान, रायबाबू सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, शिव कुमार सिंह, भोला प्रसाद, अनवर अंसारी, केल्विन तिर्की, मिथिलेश पासवान आदि मोर्चा नेता थे।

## फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने वाले छात्र/छात्राओं के अभिभावकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

**धनबाद (कासं) :** जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र वर्ग६ में नामांकन हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के मामले में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार जांच टीम गठित कर जांच कराई गई।

जांच के उपरांत जांच टीम द्वारा उपायुक्त को रिपोर्ट सौंप दी गई है। इस मामले में उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार कुल १६ संबन्धित छात्र/छात्राओं के अभिभावकों के विरुद्ध प्रभारी प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय बेनगोरिया, धनबाद द्वारा निरसा थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। जिन १६ संबन्धित छात्र/छात्राओं के अभिभावकों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है वो टुंडी अंचल, गोविंदपुर अंचल, पूर्वी टुंडी अंचल, बलियापुर अंचल तथा धनबाद अंचल क्षेत्र के निवासी हैं।

## अनियमित बिजली आपूर्ति से लोगों में रोष

**कतरास (ससे) :** सलानपुर बस्ती के लोग इन दिनों अनियमित बिजली आपूर्ति से बेहद परेशान हैं। आम जनता का कहना है कि बिजली की समस्या के कारण फिल्टर का पानी सप्लाई कई दिनों से बंद है। वहीं बिजली गुल रहने से पूरा इलाका अंधेरे में डूबा हुआ है।

बस्तीवासियों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती से न केवल जीवन अस्तब्यस्त हो गया है, बल्कि चोरी और अन्य घटनाओं का भय भी गहराता जा रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे जोरदार आंदोलन करेंगे। भाजपा नेता बिनय पासवान ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन की लापरवाही से आम जनता त्रस्त है। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन की जिम्मेदारी बीसीसीएल प्रबंधन की होगी।

## नेत्रदान करने वालों को किया गया सम्मानित

**धनबाद (कासं) :** शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में नेत्रदान के लिए मृतक रामचंद्र सोनार और कतरास निवासी आलोक राजगढ़िया के परिजन अंकित राजगढ़िया को नेत्र विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार ने नेत्रदान के लिए सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और परिवार का नेत्रदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की आपका समाज के प्रति नेत्रदान को लेकर योगदान अतुलनीय है। समाजसेवी अंकित राजगढ़िया ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा सम्मान देना हर्ष की बात है इससे नेत्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

## पत्रकार ने अपने पिता की पुण्यतिथि वृद्धा आश्रम में मनाई

**धनबाद (कासं) :** पत्रकार राजेंद्र वर्मा ने अपने पिता स्व. छोटन राम की पुण्यतिथि सबलपुर स्थित वृद्धा आश्रम में मनाई। पिता के चित्र पर बेटे राजेंद्र वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के मौके पर श्री वर्मा ने कहा कि अपने पिता स्व. छोटन राम की पुण्यतिथि पर आश्रम में रह रहे वृद्ध माता -पिता को सुरुचि भोजन कराकर मन को बहुत ही शांति एवं सुकून मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से पिता की मृत्यु हुई है तब से आजतक लगातार अपने पिता की पुण्यतिथि कभी टुंडी स्थित वृद्धा आश्रम में तो कभी सबलपुर स्थित ओल्ड एज होम में मानते आ रहे है। आगे भी जबतक वे जीवित रहेंगे तब तक अपने पिता की पुण्यतिथि किसी वृद्धा आश्रम में ही मनाएंगे। वे बच्चों का जन्म उत्सव, शादी का सालगिरह भी किसी वृद्धा आश्रम में ही मनाने का निर्णय लिया है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में आश्रम के अध्यक्ष अध्यक्ष नौशाद गद्दी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा, आर एन चौरसिया, सुनील भंडारी, गोपाल चौबे, रवि कुमार, लखन विश्वकर्मा, किसान विकास ट्रस्ट के सचिव मगधेश कुमार, मानवाधिकार प्रोटेक्शन के सदस्य चमारी राम एवं सौरव वर्मा उपस्थित थे। आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने कहा की दोनों आश्रम सभी के सहयोग से ही चल रही है। इस आश्रम को चलाने में जिला प्रशासन का काफी सहयोग मिल रहा है।

## सड़क हादसे में तीन जख्मी

**कतरास (ससे) :** जोगता थाना क्षेत्र के टाटा सिजुआ एक नंबर के समीप देर रात तेज रफ्तार स्वीफ्ट डिजायर एक घर की दीवार में जोरदार धक्का मार दिया। घटना में वाहन पर सवार तीन युवक जख्मी हो गए। जबकि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। जख्मियों की पहचान चास के पुपुनकी निवासी सुजीत कुमार, आनंद कुमार महतो तथा दीपक कुमार महतो के रूप में हुई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मियों को कतरास के निजी नर्सिंग होम भर्ती कराया। चिकित्सक ने जख्मी आनंद की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे निजी अस्पताल धनबाद भेज दिया। इधर पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को थाना ले आई है। बताया जाता है कि वाहन पर सवार युवक जोगता से भेलाटांड़ की ओर जा रहे थे। घटनास्थल के पास वाहन अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का इंजन और बोनट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा आगे का शीशा भी चकनाचुर हो गया है।

# नवनिर्मित टीओपी का डीसी व एसएसपी ने संयुक्त रूप से किया उद्घाटन

**धनबाद/बलियापुर (कासं) :** बलियापुर अंचल स्थित बेलगाढ़िया टाउनशिप में धनबाद पुलिस के नवनिर्मित टाउन आउट पोस्ट (टीओपी) का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर स्थानीय नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बेलगाढ़िया टाउनशिप को अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले विस्थापित लोगों के लिए पूर्णवास नीति के तहत विकसित किया जा रहा है। उपायुक्त आदित्य रंजन ने जानकारी दी कि टाउनशिप के चौथे चरण का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा अब तक २४ परिवारों को नए आवास आवंटित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही चौथे चरण के तहत सभी पात्र परिवारों का पुनर्वास कर दिया जाएगा, जिसके बाद पांचवे चरण के निर्माण की शुरुआत की जाएगी।

नवनिर्मित टीओपी के शुभारंभ के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि इस टीओपी के संचालन में आने से अब स्थानीय निवासियों को पुलिस कार्यों के लिए दस किलोमीटर दूर बलियापुर थाना नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस टीओपी को पुलिस आपके द्वार की तर्ज पर विकसित किया गया है, जहां नागरिकों को पुलिस से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी और उनकी शिकायतों का त्वरित निवारण भी संभव होगा।

एसएसपी ने बताया कि टीओपी पर चौबीसों घंटे पुलिस पदाधिकारी और जवानों की तैनाती रहेगी, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और समय पर उनकी शिकायतों का समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और मजबूत होगा व अपराध पर भी पूरी तरीके से नियंत्रण रहेगा। यहाँ रहने वाले लोगों से अपील करते हुए एसएसपी ने कहा कि आमजनों की सुरक्षा के लिए पुलिस तत्पर है लेकिन यहाँ की व्यवस्था और संपत्ति की देखरेख करने की सामूहिक जिम्मेवारी का निर्वहन सभी को मिलकर करना होगा।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से टाउनशिप में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है। पानी, सड़क, बिजली, शिक्षा, पुलिस व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टाउनशिप के पूर्ण विकास के लिए कई नई योजनाएं जल्द लागू होंगी और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि यहां रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। डीसी ने भरोसा दिलाया कि इस टाउनशीप को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा जहाँ सभी तरह की सुविधाएं मौजद रहेगी।

कार्यक्रम के अंत में स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि इस टीओपी की स्थापना से क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधा दोनों में सकारात्मक बदलाव आएगा।

# गैर कानूनी गतिविधियों की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1933 एवं 112 पर जानकारी दे : डीसी

**बोकारो (ससे):** उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा परिसर में डिस्ट्रिक्ट नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति की बैठक की गई। इस दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा पियूष ने नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान जिले में युवाओं को नशे की लत से बचाने एवं नशे के व्यापार में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने एसडीओ, एसडीपीओ, सभी डीएसपी, सहायक आयुक्त उत्पाद एवं सभी औषधि निरीक्षक को पूरे जिले में योजनाबद्ध तरीके से दवा दुकानों आदि में सघन जांच अभियान चलाने एवं वैसी दवाएं जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है उसपर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया।

उन दवाओं की बिक्री स्टॉक आदि से संबंधित प्रतिवेदन नियमित रूप से ससमय जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार सघन छापामारी करने हेतु एसडीओ, सहायक आयुक्त उत्पाद, औषधि निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए।

मौके पर प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, पुलिस उपाधीक्षक नगर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, राज्य कर पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, औषधि निरीक्षक बोकारो सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त अजय नाथ झा बोकारो को निषिद्ध मादक पदार्थों से मुक्त बोकारो निर्माण के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि इसे अभियान के रूप में ले तथा सफलता पाने के लिए जन अभियान में तब्दील करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के सभी विद्यालय/ महाविद्यालय एवं विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं तथा सभी एक्टिविटी की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी संबंधित पोर्टल पर अपलोड करें।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध एक संयुक्त अभियान का प्रयास होनी चाहिए, जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम जनता की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने इस अभियान में बेहतर कार्य करने वाले बच्चों, पुलिस कर्मियों एवं संबंधित अधिकारियों को सम्मानित करने की बात कही।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिले के किसी भी सरकारी कार्यालय परिसर में किसी भी कर्मी या अधिकारी द्वारा नशा के विरुद्ध सख्त निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा है यदि कमी कार्यालय परिसर में नशा पान करते हुए पकड़े जाते हैं, तो उनके विरुद्ध वेतन निकासी पर अंतिम आदेश तक रोक रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी कार्यालय प्रधान को नशा मुक्ति से संबंधित प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश भी दिया है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि ड्रग्स/ नशीले दवाओं की तस्करी अथवा क्रय-विक्रय, अफीम की अवैध खेती जैसे गैर कानूनी गतिविधियों की सूचना प्राप्त करने तथा ड्रग्स और नशीली दावों से संबंधित मामलों में परामर्श अथवा पुनर्वास से संबंधित सहायता के लिए मानस टोल फ्री नंबर १९३३ जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री संख्या ११२ पर भी सूचना प्राप्त किया जा सकता है। उक्त दोनों हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को दिया। ताकि उक्त नंबरों के बारे में लोगों को जानकारी मिल सके।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बोकारो जिले को नशा मुक्त बनाने एवं युवाओं को नशे से बचाने को लेकर सभी विभागों को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसके लिए गंभीरता पूर्वक कार्य करने, रोस्टर तैयार करने तथा रोस्टर के आधार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को भी कहा।

## बोकारो में निर्मित होगा स्मार्ट सिटी : उपायुक्त

**बोकारो (ससे):** स्मार्ट सिटी का सपना बोकारो वासियों के लिए जल्दी पूरा होगा*। इसके लिए बीएसएल प्रबंधन के साथ मिलकर जिला प्रशासन बोकारो एक्टिव मोड में कार्य में जुट गया है। इस संदर्भ में गुरुवार को बीएसएल प्रबंधन के साथ *उपायुक्त श्री अजय नाथ झा* की अध्यक्षता में उपायुक्त के आवासीय कार्यालय गोपनीय शाखा में बैठक आयोजित की गई।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने बीएसएल प्रबंधन को लगभग ६०० एकड़ भूमि आवंटित करने के लिए प्रस्ताव दिया, जिस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यतीत करते हुए बीएसएल प्रबंधन ने प्रारंभिक तौर पर ६०० एकड़ भूमि गरगा डैम एवं बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के बीच के खाली पड़े क्षेत्र को स्मार्ट सिटी निर्माण हेतु देने के लिए सहमति जताई। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन की ओर से उपस्थित सीजीएम श्री कुंदन कुमार को एक सप्ताह के अंदर सहमति पत्र जिला प्रशासन को सौंपने हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात बीएसएल की ओर से प्राप्त प्रस्ताव को राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

स्मार्ट सिटी बन जाने से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त जहां आवासीय क्षेत्र का विकास होगा। वही रेलवे स्टेशन के आसपास स्मार्ट सिटी के बनने से आवागम में भी काफी सुविधा मिलेगी।साथ ही नया मोड़ स्थित सरकारी बस स्टैंड एवं बीएसएल बस स्टैंड को विकसित करते हुए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए जाएंगे। इसपर उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि प्रस्तावित बस स्टैंड अत्यधिक सुविधाओं से युक्त यात्रियों के लिए आवागमन की दृष्टिकोण से बेहतर होगा।

ट्रांसपोर्ट नगर बसों एवं छोटी-छोटी गाड़ियों के ठहराव की दृष्टिकोण से बेहतर प्लानिंग के साथ तैयार किए जाएंगे। शहर के विकास की दृष्टिकोण से इसे फ्यूचर प्लान के रूप में निर्माण किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम संजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, बीएसएल के सीजीएम कुंदन कुमार, अंचलाधिकारी चास रामसेवक एवं अन्य उपस्थित थे।

## जेएलकेएम ने प्रारंभ किया छात्र अधिकार पदयात्रा

**डुमरी (ससे):** अपने पांच सूत्री मांगों के समर्थन में गुरूवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने डुमरी से रांची तक १८० किलोमीटर छात्र अधिकार पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा की शुरुआत जेएलकेएम केन्द्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो ने चिरैया मोड़ स्थित झारखंड पुरोधा बिनोद बिहारी महतो की चित्र पर माल्यार्पण कर किया।साथ ही विधायक ने कार्यकर्ताओं के संग चिरैया मोड़ से वनांचल चौक तक पदयात्रा कर यात्रा में शामिल सदस्यों को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया।पदयात्रा डुमरी से शुरू होकर बगोदर, विष्णुगढ़, हज़ारीबाग, रामगढ़, ओरमांझी होकर ६ दिनों में विधानसभा धरना स्थल रांची तक पहुंचेगी। जिन मांगों को लेकर पदयात्रा आयोजित किया गया है उसमें खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं नियोजन नीति अविलंब लागू करने,छात्रों को लंबित छात्रवृत्ति का तत्काल भुगतान करने,जेपीएससी/ जेएसएससी/ जेटेट की सभी लंबित परीक्षाओं के परिणाम को शीघ्र प्रकाशित करने,झारखंड सरकार प्रति वर्ष नियमित परीक्षा कैलेंडर जारी कर उसका अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राज्य के सभी सरकारी विभागों के रिक्त पदों को अविलंब भरने की प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग शामिल है।

विधायक ने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से छात्रों में निराशा की भावना बलवती होती जा रही है इसलिए राज्य सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र ही छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान सुनिश्चित करे।वहीं स्थानीय नियोजन नीति लागू नहीं होने से शिक्षित बेरोजगारों को उसका हक नहीं मिल पा रहा है। बताया कि छात्रों व बेरोजगारों में सकारात्मकता की भावना जागृत करने एवं उनके हक अधिकार के लिए उपरोक्त मांगों को लेकर पदयात्रा का आयोजन किया गया है। इस दौरान जेएलकेएम नेता देवेन्द्रनाथ महतो,मोतीलाल महतो,दिनेश साहू डुमरी प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो विधायक प्रतिनिधि बैजनाथ महतो, रबीन्द्र पांडे आदि दर्जनों जेएलकेएम कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

## स्कूल प्राचार्य टाफी गाईडलाइन का अनुपालन अपने स्कूल में करें : जिला परामर्शी

**बोकारो (ससे):** उपायुक्त अजय नाथ झा के आदेशानुसार सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में गोमिया प्रखंड के सभी स्कूल के प्राचार्य का टॉफी गाइडलाइन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं गुरु गोष्ठी की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया महादेव कुमार महतो की अध्यक्षता में की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत बीपीओ इकबाल अख्तर के द्वारा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर चर्चा करते हुए किया गया। तत्पश्चात जिला परामर्शी मो असलम के द्वारा प्रशिक्षण में आए सभी प्राचार्य को बताया गया कि विद्यालय को तम्बाकू मुक्त रखने के लिए टाफी गाईड लाईन के अनुसार कुल ०९ बिन्दुओं पर कार्य करने हैं, जिसमे मुख्य: सबसे पहले प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना है कि स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर ''तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान'' का दीवार लेखन कर जिस शिक्षण संस्थान के चार दिवारी से १०० मीटर की दूरी पर (तम्बाकू मुक्त क्षेत्र) अंकित किया जाए। प्रशिक्षण के अंत में प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो के द्वारा सभी प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि जितना जल्दी हो सके स्कूल के मुख्य द्वार पर तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन अवश्य कर ले। इसको प्राथमिकता देते हुए काम को जितना जल्दी हो सके पूरा करें। तत्पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी शिक्षकों से सावित्रीबाई फुले, बच्चों की उपस्थिति, साथ ही आने वाले मैट्रिक परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से तैयारी विषय पर विशेष चर्चा की गई।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो असलम जिलापरामर्शी एन०टी० सी०पी०, छोटेलाल दास एवं गोमिया के सभी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थें।

## आरटीआई के तहत सूचना उपलब्ध कराने की मांग

**डुमरी (ससे):** आरटीआई कार्यकर्ता चन्द्रदेव वर्णवाल ने सूचना का अधिकार अधिनियम २००५ के तहत जनसूचना पदाधिकारी, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राज भाषा विभाग के कार्यालय रांची को पत्र प्रेषित कर डुमरी अनुमंडल में पदस्थापित कार्यपालक दंडाधिकारी आशुतोष ठाकुर झाप्रसे (गृह जिला बांका बिहार) के सम्बंध में सूचना उपलब्ध कराने की मांग किया है। पत्र में लिखा है कि श्री ठाकुर डुमरी अनुमंडल में कुल कितने दिनों तक योगदान दिये है एवं कितने दिनों तक डुमरी अनुमंडल में बायोमैट्रिक द्वारा इनकी उपस्थिति दर्ज कराई गयी है,साक्ष्य की सत्यापित प्रति उपलब्ध कराने का कष्ट करें साथ ही उनके द्वारा उपयोग किये जा रहे वाहन का नम्बर सहित लॉगबुक की प्रति,उन्हें पदस्थापित किया गया और कब स्थानांतरण किया गया,डुमरी अनुमंडल में भुमि सुधार उपसमाहर्ता कब पदस्थापित हुये और कब इनका स्थानातरण किया गया इसकी सूचना प्रति उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

## कारोबारी को कार ने मारी टक्कर,मौत

**गुरुग्राम (ईएमएस) :** गुरुग्राम के डीएलएफ फेज २ इलाके में एक दर्दनाक हिट एंड रन की घटना सामने आई है। सुबह साइकिल चलाने निकले ५८ वर्षीय कारोबारी अमिताभ जैन को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना तेज था कि अमिताभ सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना नजदीकी सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। मृतक अमिताभ मेडिसिन के बिजनेस में जाना माना नाम थे।

## शीघ्र उड़ान सुनिश्चित करने हेतु सभी कार्य आपसी समन्वय से पूरा करें : उपायुक्त

**बोकारो (ससे):** बोकारो हवाई अड्डा परिसर में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के संदर्भ में उड़ान सेवा शीघ्र प्रारंभ करने की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा ने बोकारो हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दुदिबाग़ से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई अड्डे के आसपास में बसे दुदिबाग़ के सभी अवैध दुकानों को हटाए।

हवाई अड्डा परिसर के अंदर झाड़ियों की साफ सफाई के संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने अति शीघ्र साफ सफाई का आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर में झाड़ियों की साफ सफाई करना सुनिश्चित करें ताकि हवाई अड्डा परिसर में लगे टावर टू टावर की विजिबिलिटी स्पष्ट रहे।

बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर के लिए सुरक्षा मानकों के अनुसार टू बेडडे एंबुलेंस क्रय की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करें।

पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया । मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप महाप्रबंधक एयरपोर्ट अथॉरिटी रांची मनोज सिंह, निदेशक बिरसा मुंडा हवाई अड्डा रांची विनोद कुमार, प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, आईबी के प्रतिनिधि, बीएसएल सीजीएम टाउन कुंदन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

## तमिल फिल्म के मशहूर निर्माता एवीएम सरवनन ने दुनिया को कहा अलविदा

**चेन्नई,(ईएमएस) :** तमिल फिल्म जगत की नींव कहे जाने वाले मशहूर फिल्म निर्माता एवीएम सरवनन ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। गुरुवार सुबह निर्माता के निधन की पुष्टि हुई। बताया जा रहा है कि ८६ साल के एवीएम सरवनन काफी समय से उम्र संबंधी परेशानियों से जूझ रहे थे और गुरुवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली । निर्माता का निधन तमिल फिल्म जगत की बड़ी क्षति है। फिल्म निर्माता एवीएम सरवनन के निधन के बाद भारतीय फिल्म उद्योग में शोक की लहर है और उन्हें चाहने वाले उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने निर्माता एवीएम सरवनन के निधन पर शोक जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा- तमिल फिल्म उद्योग की महानतम हस्तियों में से एक और ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध एवीएम कंपनी के चेहरे एवीएम सरवनन के निधन का सुनकर गहरा दुख हुआ। प्रोडक्शन हाउस एवीएम ने तमिल सिनेमा को नया रूप और आकार दिया है। एवीएम ने तमिल फिल्म उद्योग में अहम भूमिका निभाई है।

सीएम ने इस बात का जिक्र किया कि निर्माता ने अपने पिता स्वर्गीय एवीएम का नाम भी रोशन किया, जिन्हें पूरी दुनिया अप्पाची या अविची मयप्पा चेट्टियार के नाम से पुकारती आई है। बता दें प्रोडक्शन हाउस एवीएम के तहत तमिल फिल्म ओरु रावु, पराशक्ति, शिवाजी: द बॉस, नानुम ओरु पेन, संसारम अधू मिनसारम, कुलदेवम जैसी हिट फिल्में बनी हैं, जिन्होंने तमिल उद्योग को उंचाइयों तक पहुंचाया। रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म शिवाजी: द बॉस को भी इसी कंपनी के बैनर तले बनाया गया था।

प्रोडक्शन हाउस एवीएम पिछले पांच दशकों से फिल्म निर्माण कर रहा है, और प्रोडक्शन हाउस एवीएम की स्थापना एवीएम सरवनन के पिता एवी मयप्पन ने की थी। आज प्रोडक्शन हाउस ओटीटी फिल्में भी बनाता है। बता दें फिल्म निर्माता एवीएम सरवनन का अंतिम संस्कार गुरुवार दोपहर ३:३० बजे किया गया। अंतिम संस्कार से पहले एवीएम स्टूडियो में उनके अंतिम दर्शन को रखा गया था, जहां परिवार वाले और चाहने वाले उनके चाहने वाले उनके आखिरी दर्शन किए। अंतिम दर्शन में राजनेता से लेकर बॉलीवुड जगत की बड़ी हस्तियां पहुंची।

## कब्जे की नीयत से बनी करीब 550 अवैध मजारों को हटाया गया : धामी

**हल्द्वानी (ईएमएस):** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि में सुनियोजित तरीके से डेमोग्राफी बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि हरी, नीली और पीली चादर ओढ़कर कब्जे की नीयत से बनी करीब ५५० अवैध मजारों को हमारी सरकार ने हटाया है। सीएम धामी ने कहा कि जेहाद पसंद लोग पहाड़ों पर घुसपैठ की कोशिश में जुटे हुए हैं। ये लोग प्रदेश में जहां भी खाली या सरकारी जमीनें दिखीं, वहां अवैध बसावट करने की साजिश रची गई, लेकिन हमारी सरकार इस घुसपैठ को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने देगी।

सीआरपीएफ समूह काठगोदाम में पूर्व अर्द्धसैनिक सम्मेलन में सीएम धामी ने कहा कि बाहरी राज्यों के कई लोगों को अवैध रूप से उत्तराखंड के स्थायी सहित अन्य प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, जिन पर धामी सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। पूरे प्रदेश में प्रमाण पत्रों की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से देवभूमि में बसे घुसपैठियों से दस हजार हेक्टेयर भूमि मुक्त कराई जा चुकी है। हल्द्वानी के वनभूलपुरा प्रकरण पर सीएम धामी ने कहा कि अतिक्रमण मामले में जो भी फैसला आएगा, उसके लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। पूर्व में हल्द्वानी में हुई हिंसा का जिक्र कर कहा कि दंगाइयों से पाई-पाई की वसूली की गई है।

हमारी सरकार उत्तराखंड के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह से संकल्पबद्ध है। उत्तराखंड में लैंड जिहाद को समाप्त करने तक हमारी सरकार की कार्रवाई जारी रहेगी। प्रदेश के सामाजिक एवं सुरक्षा मुद्दों पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में अवैध बसावट, लैंड जिहाद और अन्य गलत गतिविधियों के खिलाफ सरकार कड़े कदम उठा रही है। १० हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि कब्जामुक्त कराई है तथा ५५० से अधिक अवैध संरचनाओं को ध्वस्त किया गया है। राज्य में समान नागरिक संहिता, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा-रोधी कानून और भू-कानून लागू कर सामाजिक समरसता एवं आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में प्रमाण पत्रों की जांच के आदेश दिए गए हैं।

### गुरदासपुर ग्रेनेड हमले का मुख्य आरोपी मोहन गिरफ्तार

**चंडीगढ़,(ईएमएस):** पंजाब के गुरदासपुर जिले के एक थाने में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान बठिंडा जिले के रामूवाल निवासी मोहन सिंह के रूप में हुई है। इस गिरफ्तारी के बाद इस मामले में कुल गिरफ्तारियों की संख्या पांच हो गई है। इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने बताया, इससे पहले इस हमले के सिलसिले में प्रदीप कुमार, गुरदित, नवीन चौधरी और कुश को पकड़ा गया था।

## जैन समुदाय 7 को मुंबई में मार्च निकालेगा

**मुंबई, (ईएमएस):** जैन समुदाय ७ दिसंबर को मुंबई में एक बड़ा मार्च निकालेगा। जीव दया और कबूतर बचाव अभियान की शुरुआत जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय महाराज के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। यह मार्च कोलाबा जैन मंदिर से शुरू होगा और लालबाग, भायखला, डोंगरी, लोअर परेल होते हुए दादर कबूतरखाना जैन मंदिर और दूसरे बड़े जैन मंदिरों तक जाएगा। मार्च के दौरान जैन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रवचन और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की अपील भी की जाएगी। खबर है कि नीलेशचंद्रजी महाराज जीव दया और कबूतर बचाव आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दादर में फिर से अनशन करने की तैयारी कर रहे है। सरकार का ध्यान खींचने के लिए जैन समुदाय के आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है। नीलेशचंद्र महाराज कहते हैं कि जैन समाज ने किसी के मंदिर या घर तोड़कर जैनालय नहीं बनाया। यह जैन समाज शांतिप्रिय समाज है। लेकिन हमारे विले पार्ले का मंदिर बुलडोज़र से गिरा दिया गया, तो उन्होंने गैर-कानूनी मस्जिदें क्यों नहीं गिराईं? दो नेता मुझसे मिले हैं, उन्होंने कहा कि हम १५ दिन बाद कोई हल निकालेंगे, लेकिन बात नहीं बनी। देवेंद्र फडणवीस के साथ जो गद्दार नेता समाज को तोड़ रहे हैं, उनकी खैर नहीं है। मेरी जान भी चली जाए, तो भी मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। मुझे जो मैसेज देना था, वह मैंने देवेंद्र फडणवीस को दे दिया है। जो भी हिंदी के हित में कुछ करेगा, हम उसका साथ देंगे। क्या जैन समाज आने वाले चुनाव लड़ेगा? इसपर जैन मुनि नीलेशचंद्र जी ने कहा, हां, मैं पूरे भारत में अभियान शुरू करूंगा, हर समाज की एक पार्टी होती है। तो जैन समुदाय के लिए कोई पार्टी क्यों नहीं है, हमें कुछ चीज़ों के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# गैस रिसाव से दहशत, दो की मौत

**पुटकी (ससे) :** पूटकी पीबी एरिया ७ क्षेत्र अन्तर्गत केंदुआडीह थाना के बगल स्थित पुराना महाप्रबंधक बंगला, जो वर्तमान में बीसीसीएल का गेस्ट हाउस के समीप पूराना बंद सिरमोहान से (सीओ) गैस का रिसाव होने से राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला इमामबाड़ा, ५ नंबर बस्ती सहित कई इलाकों में तेज दुर्गंध फैलने के बाद तेजी से गैस रिसाव से अफरातफरी मच गया था।

घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लगभग एक हजार की आबादी वाले इन इलाकों में एक दर्जन से अधिक लोग गैस की चपेट में आ गये और बीमार पड़ गए, जिन्हें इलाज के लिए विभिन्न अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलने पर बीसीसीएल की जांच टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया। टीम में बीसीसीएल के महाप्रबंधक जी एस साहा, सेफ्टी ऑफिसर, केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय सहित अधिकारी गैस डिटेक्टर मशीन के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में अनुमान लगाया गया कि थाना के समीप स्थित जीएम गेस्ट हाउस के बंद सिरमोहान के झाड़ियों के आसपास से गैस निकल रही है। एरिया सेफ्टी ऑफिसर जे के सिंह, कुसुंडा ने बताया कि क्षेत्र के आसपास के जगह में गैस होने की आशंका है। गैस का प्रतिशत कहीकही २९० पीपीएम, कही ९०० पीपीएम पाया गया है, गैस में दुर्गंध काफी ज्यादा है। अधिकारी इस

गैस को खतरनाक उच्च स्तर पर रिपोर्ट बता रहे हैं और गैस रिसाव बंद करने और मुहाने को भराई करने की युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

सुरक्षा के दृष्टि से बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा आसपास के रहने वाले लोगो को नोटिस व अलाउंसमेंट के जरिए जगह खाली करने और सुरक्षित जगहों पर जाने का आग्रह किया जा रहा है। बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा मौके पर सुरक्षा को लेकर एम्बुलेंस तैयार रखा गया है। बीसीसीएल एजेंट लखन लाल बरनवाल ने कहा कि गैस की लोकेशन की पहचान का प्रयास जारी है। जैसे ही स्रोत मिलेगा, उसे भरने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

सुबह से आक्रोशित ग्रामीणों ने धनबादबोकारो मुख्य मार्ग को केन्दुआडीह थाना के समीप जाम कर, मुआवज़ा व पुनर्वास की मांग को लेकर दोनों शवों को रखकर उग्र प्रदर्शन किया गया। सूचना पाकर केन्दुआडीह थाना प्रभारी, पुटकी अंचलाधिकारी और पीबी महाप्रबंधक मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों के साथ वार्ता किये। बीसीसीएल महाप्रबंधक जीसी साहा ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए सभी को अविलंब सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना पहली प्राथमिकता है। गैस रिसाव स्थल को मिट्टी से भरकर बंद किया जा रहा है तथा आईआईटीआईएसएम, सिफर, बीआईटी सिन्दरी के वैज्ञानिकों के द्वारा विस्तृत अध्ययन करवा कर गैस रिसाव को बंद करने का मदद लिया जा रहा है। वहीं निवर्तमान मेयर चन्द्र शेखर अग्रवाल ने कहा कि जमीन के नीचे आग लगी हुई है। अगलबगल में आउटसोर्सिंग भी हैं जिसमें ब्लास्टिंग भी होती है जिसके चलते जमीन के नीचे दरारें आती है और उससे गैस निकलने लगती है। अभी हम लोग डीसी साहब से आग्रह किया है कि डीजीएमएस, सिंफर और बीसीसीएल के अधिकारी तथा आईआईटी के विशेषज्ञों के साथ आपदा की बैठक करेंगे और एक ठोस निर्णय निकालेंगे। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय ने कहा कि इस गैस काण्ड में दो मौतें और लगभग १५ लोग अस्पताल में इलाजरत है।

सीओ विकास आनंद ने जनता से मास्क लगाने के लिए अनुरोध किया है। पीड़ित लोगों के लिए कैम्प में शिफ्ट करने की बातें हो रही है। बीसीसीएल के विशेषज्ञ टीम एवं डीजीएमएस की टीम सभी लोग जनता की सुरक्षा के लिए लगे हुए है। जल्द ही समाधान निकाल लिया जाएगा। उन्होंने केंदुआडीह थाना क्षेत्र के नया धौड़ा की महिला प्रियंका देवी और केन्दुआडीह नं. ५ बस्ती ललीता देवी की मौत की पुष्टि की है। एक मौत परिजनों के अनुसार बीमारी से हुई है। दूसरे दिन भी पीड़ित ग्रामीणों के बीच भय का माहौल है।

### गैस रिसाव की घटना को बीसीसीएल गंभीरता से लें : अनुपमा

**जोड़ापोखर (ससे) :** केंदुआडीह में जहरीली गैस की घटना अत्यंत दुखद और चिंता का विषय है। कोयला मंत्री सहित सभी उच्च पदाधिकारी इस गंभीर मामले का तत्काल संज्ञान लें और गरीब जनता के साथ मज़ाक करना बंद करें। क्षेत्र में फैली जहरीली गैस का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराते हुए वहाँ बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वास किया जाए। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की वर्किंग प्रेसिडेंट अनुपमा सिंह ने रांची से अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एरिया५ के जीएम साहा से दूरभाष पर बातचीत कर केंदुआडीह गैस रिसाव पर गहरी नाराज़गी जताई। यह घटना अत्यंत गंभीर है और बीसीसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए ताकि और कोई जान खतरे में न पड़े।

## गैस उत्सर्जन के सटीक स्रोत की वैज्ञानिक जांच जारी : रेस्क्यू टीम

**धनबाद (कासं) :** लंबे समय से ज्ञात भूतापीय आग एवं धंसान क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले केंदुआडीह कोलियरी (पीबी क्षेत्र) स्थित राजपूत बस्ती में गैस उत्सर्जन की एक घटना की सूचना प्राप्त हुई। प्रारंभिक जांच के दौरान, माइन रेस्क्यू स्टेशन (एमआरएस.) की टीम ने बस्ती के कुछ घरों में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सीमा से अधिक पाया।

सूचना प्राप्त होते ही बीसीसीएल ने तत्काल अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली सक्रिय की। राहत एवं बचाव दलों को स्थल पर भेजा गया और स्थिति की निरंतर निगरानी प्रारंभ की गई। चूंकि बस्ती एक सक्रिय आग क्षेत्र के ऊपर स्थित है और भूमिगत स्तर पर जटिल मार्गों की उपस्थिति है, इसलिए गैस उत्सर्जन के सटीक स्रोत की वैज्ञानिक जांच अभी जारी है।

प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास व्यवस्था की गई। निगरानी और तकनीकी हस्तक्षेप हेतु एमआरएस टीमों की चौबीसों घंटे तैनाती की गई। पुराने जी.एम. बंगले के समीप पहचाने गए एक गैस रिसाव बिंदु पर जेसीबी और टिपर के माध्यम से ब्लैंकेटिंग कार्य आरंभ किया गया। फंसी हुई गैसों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए वेंट होल ड्रिलिंग की संभावना का परीक्षण किया जा रहा है। स्थल पर चार एम्बुलेंस और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान की जा सके। कुस्तौर क्षेत्रीय अस्पताल में १०बिस्तरों वाला आपातकालीन वार्ड तैयार रखा गया है। केंद्रीय अस्पताल धनबाद (सीएचडी) में १० ऑक्सीजन सिलिंडर और आवश्यक आपात दवाएँ तैयार रखी गई हैं। आईआईटी-आईएसएम धनबाद तथा सीआईएमएफआर को विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन एवं दीर्घकालिक निवारण रणनीति के लिए सम्मिलित किया गया है। प्रभावित क्षेत्र में सार्वजनिक घोषणाएँ कर निवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत सुरक्षित पुनर्वास स्थलों पर स्थानांतरित हों।

उल्लेखनीय है कि राजपूत बस्ती एक अग्नि एवं धंसान प्रभावित क्षेत्र में स्थित है, जहाँ भूमिगत कोयलापरतों में दहन और गैस प्रवाह जैसी भूवैज्ञानिक जोखिम स्थितियाँ स्वाभाविक रूप से विद्यमान हैं। बीसीसीएल ने पिछले कई वर्षों में निवासियों को बारबार परामर्श एवं परिपत्र जारी कर, सुरक्षित पुनर्वास क्षेत्रों में स्थानांतरण हेतु आग्रह किया है। धनबाद जिला प्रशासन के साथ निकट समन्वय में स्थल पर जारी मैदानी सत्यापन एवं रीयल-टाइम निगरानी के आधार पर बीसीसीएल द्वारा स्थिति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। क्षेत्र की स्थिरता और जन-सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु वैज्ञानिक अध्ययन और तकनीकी पर्यवेक्षण लगातार जारी है।

### विषैली या हानिकारक गैस का कोई प्रमाण नहीं है : तकनीकी टीम

**धनबाद (कासं) :** कतरास क्षेत्र के कांटापहाड़ी पैच२ के आस पास धुआं निकलने की घटना दर्ज की गई, जो प्रारंभिक जांच के अनुसार पूर्व में विकसित की गई पुरानी खदान कार्यप्रणालियों में स्वऊष्मन (स्पॉन्टेनियस हीटिंग) के कारण उत्पन्न भूमिगत आग से संबंधित हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि इन पुराने, कठिन कार्य क्षेत्रों में शेष कोयले का तापमान दहन बिंदु तक पहुँच गया, जो कि भू-वैज्ञानिक और खनन संबंधी रूप से ज्ञात एक सामान्य घटना है।

जैसे ही यह सूचना प्राप्त हुई, बीसीसीएल ने तत्काल अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय कर दिया। प्रभावित क्षेत्र को ठंडा करने हेतु लगातार जल छिड़काव की व्यवस्था की गई और हमारी टीमों ने स्थिति को नियंत्रित करने में सफलता पाई। स्थिति पर लगातार नियंत्रण हेतु वर्तमान में यह क्षेत्र चौबीसों घंटे तकनीकी निगरानी में है।

इस घटना के दौरान उत्पन्न गैसें सामान्य कोयला दहन की उप-उत्पाद गैसें हैं, जो घरेलू कोयले या बॉयलर के सामान्य उपयोग के दौरान उत्पन्न होने वाली गैसों के समान हैं। घटना क्षेत्र खनन क्षेत्र की वैधानिक प्रतिबंधित सुरक्षा परिधि के भीतर है, जिसके निकट किसी प्रकार का आवासीय क्षेत्र या आम जनता की आवाजाही नहीं है। हमारी तकनीकी टीमों द्वारा स्थल निरीक्षण कर यह जाँचा गया है कि किसी विषैली या हानिकारक गैस का कोई प्रमाण नहीं है और आसपास के लोगों के लिए किसी प्रकार का जोखिम नहीं है। ऐसे किसी भी दावे कि जनता को हानिकारक गैसों के संपर्क में लाया गया है, तथ्यात्मक रूप से असत्य और निराधार हैं। बीसीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि 'हमारा सर्वोच्च दायित्व हमारे समुदाय और कार्यबल की सुरक्षा एवं कल्याण है। बीसीसीएल सदैव कड़े सुरक्षा मानकों, वैज्ञानिक निगरानी और वैधानिक अनुपालन के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हमारी टीमें स्थल पर लगातार मौजूद हैं ताकि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रहे और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।'

## कांग्रेस नेता गोगोई ने राष्ट्रीय राजमार्ग37 की खराब गुणवत्ता पर गडकरी के सामने उठाया सवाल

**नई दिल्ली (ईएमएस) :** कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने असम में जोरहाट और डिब्रूगढ़ के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग३७ की खराब गुणवत्ता पर चिंता जाहिर की, जबकि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें इसमें सुधार के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान, गोगोई ने केंद्रीय मंत्री गडकरी के वायरल वीडियो का हवाला दिया जिसमें वे एक राजमार्ग पर कार में दिखाई दे रहे हैं, और आरोप लगाया कि असम में वीडियो में दिखाए गए राजमार्गों जितने अच्छे राजमार्ग नहीं हैं।

कांग्रेस नेता गोगोई ने पूछा कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आपकी कार राजमार्ग पर तेज गति से चल रही थी। असम में हमें जलन हो रही थी क्योंकि वहाँ टोल गेट हैं और हम १००१३० किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से गाड़ी नहीं चला सकते क्योंकि (सड़कों की) गुणवत्ता बहुत खराब है। असम के लोग टोल दे रहे हैं, लेकिन उन्हें आपके वीडियो जैसी अच्छी गुणवत्ता वाले राजमार्ग नहीं मिल रहे हैं। खासकर, जोरहाट से डिब्रूगढ़ तक, राष्ट्रीय राजमार्ग३७ की हालत बहुत खराब है। आपके हस्तक्षेप के बाद झांजी वाला हिस्सा अब बेहतर है, लेकिन उसके बाद (सड़कें) खराब हैं।

जवाब में, केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया कि भारी बारिश के कारण राजमार्ग क्षतिग्रस्त हुआ था। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि सांसद ने जो कहा वह सही है। बारिश के बाद सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी। जाँच भी कराई गई और उसे ठीक किया गया। मुझे विश्वास है कि सड़क ठीक हो जाएगी।

इस बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को निचले सदन में स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, २०२५ पर विचार और पारित कराने के लिए प्रस्ताव पेश कर सकती हैं। विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय को पूरा करने के लिए संसाधनों में वृद्धि करना तथा निर्दिष्ट वस्तुओं के विनिर्माण या उत्पादन के लिए स्थापित मशीनों और अन्य प्रक्रियाओं तथा उससे संबंधित मामलों पर उक्त प्रयोजनों के लिए उपकर लगाना है।

## रामलीला का आयोजन शिव मंदिर प्रांगण किया गया

**जोड़ापोखर (ससे) :** भारत की विलुप्त होती सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से रामायण आधारित पौराणिक नाट्य प्रस्तुति रामलीला का आयोजन झरिया विधानसभा क्षेत्रांतर्गत डिगवाडीह स्थित राम परीखा धर्मशाला के पास शिव मंदिर प्रांगण में प्रारंभ किया गया। यह आयोजन श्री रामायण रामलीला मंडल, प्रयागराज के आचार्य पंडित लोकनाथ मिश्रा एवं उनके दल के अनुभवी कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। प्रारंभ हुई रामलीला में मुनि विश्वामित्र आगमन तथा ताड़का वध जैसी प्रेरणादायक पवन लीलाओं का मनमोहक मंचन किया गया। कलाकारों द्वारा प्रतिदिन रामायण के विभिन्न प्रसंगों का आकर्षक प्रदर्शन किया जा रहा है।

यह सांस्कृतिक आयोजन १० दिसंबर २०२५ तक प्रतिदिन निःशुल्क किया जाएगा, जिसमें भक्तगण श्रद्धापूर्वक सहभागी हो सकते हैं। कार्यक्रम को स्थानीय भक्तों और समाजसेवियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। रामलीला के प्रथम दिवस डिगवाडीह एवं आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे और उन्होंने उत्साहपूर्वक आयोजन का आनंद लिया।

## अपराध पर लगाम कसने के लिए पुलिस सख्त, 1474 वाहनों की जांच

**धनबाद (कासं) :** अपराध नियंत्रण को लेकर धनबाद पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस की यह मुहिम मुख्य सड़कों, चौकचौराहों, बाजार क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों में विशेष रूप से चलायी गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने १४७४ वाहनों की जांच की, जिसमें १०२० दोपहिया तथा ४५४ चारपहिया वाहन शामिल रहे। जांच के दौरान संदिग्ध वाहनों से लेकर यात्रियों तक की तलाशी और पहचान सत्यापन किया गया। कई स्थानों पर पुलिस ने हेलमेट चेकिंग, ड्राइविंग लाइसेंस सत्यापन तथा यातायात नियमों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिया।

अड्डाबाज़ी करते हुए ९ लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

एसएसपी के अनुसार, यह अभियान अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। असामाजिक तत्वों, अवैध हथियार रखने वालों और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान को लेकर आम नागरिकों ने भी संतोष व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से क्षेत्र में असुरक्षा और तनाव की स्थिति पर नियंत्रण होता है।

एसएसपी ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कानून का पालन सभी की जिम्मेदारी है और जनता के सहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

## 82 प्रतिशत लोग कर रहे डिजिटल पेमेंट, पर वित्तीय साक्षरता महज 31 प्रतिशत : निदेशक

**धनबाद (कासं) :** तेजी से बदलते डिजिटल युग में देश में ८२ प्रतिशत लोग डिजिटल लेनदेन का उपयोग कर रहे हैं. लेकिन इसके जोखिमों को समझने और सुरक्षित वित्तीय निर्णय लेने में अधिकतर लोग अभी भी पीछे हैं। यह बातें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने धनबाद में कहीं। वह कोयला नगर में आयोजित वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने बताया कि डिजिटल भुगतान जितना आसान और तेज हुआ है उतना ही आवश्यक है कि लोग इससे जुड़े जोखिमों और सुरक्षा उपायों के बारे में भी जागरूक हों।

उन्होंने बताया कि डिजिटल लेनदेन करने वालों में से केवल ३१ प्रतिशत लोग ही संभावित जोखिमों से पूरी तरह अवगत हैं। ऐसे में वित्तीय साक्षरता आज की सबसे बड़ी जरूरत है। वित्तीय साक्षरता बढ़ने से लोग अपने वित्तीय अधिकारों को समझकर सही निर्णय ले सकेंगे। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देंगे। उन्होंने बताया कि विकसित देशों में वित्तीय साक्षरता दर ५० से ६० प्रतिशत तक है, जबकि भारत में यह ३० प्रतिशत से भी कम है, जो चिंता का विषय है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत जीडीपी के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले वर्षों में तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि हमें आर्थिक रूप से और मजबूत होना है, तो देश में वित्तीय साक्षरता को बढ़ाना बेहद आवश्यक है।

## इंडिगो के विमान में बम की धमकी

**अहमदाबाद (ईएमएस) :** सऊदी अरब के मदीना से भारत के हैदराबाद आ रही इंडिगो की फ्लाइ ६ई०५८ की अहमदाबाद में आपात लैंडिंग कराई गई है। हवाई अड्डों के सूत्रों के मुताबिक, विमान में बम की धमकी दी गई थी। इस विमान में १८० यात्री और छह क्रू के सदस्य सवार हैं। दो दिन पहले कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट को भी बम की धमकी दी गई थी। इसके बाद विमान को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया था। यह धमकी हैदराबाद एयरपोर्ट को एक ईमेल के जरिए दी गई। इसमें कहा गया कि विमान पर एक मानव बम सवार है। हालांकि, विमान की बाद में मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई और यात्रियों को उतारकर विमान की जांच की गई, जिसमें बम होने की बात कोरी अफवाह साबित हुई।

## टुंडी में पंचायत सचिव के साथ मारपीट

**धनबाद (कासं) :** टुंडी प्रखंड के बैगनरिया पंचायत सचिव के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैगनरिया पंचायत सचिव मोहम्मद सफीलाह अंसारी अपने कार्यालय में कार्य कर रहे थे, तभी बैगनरिया के कमल किशोर महतो तथा टुंडी पहाड़ के रूपलाल सोरेन पंचायत सचिवालय पहुँच गए और प्रधानमंत्री आवास एवं अन्य योजनाओं की मांग को लेकर पंचायत सचिव से उलझ गए और हाथापाई कर दी।

घटना से भयभीत पंचायत सचिव ने देर शाम टुंडी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पंचायत सचिव ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि सरकारी कार्य के दौरान जानबूझकर बाधा उत्पन्न की गई और शारीरिक हमला किया गया। इसी संबंध में टुंडी थाना प्रभारी उमाशंकर ने बताया कि मामले की लिखित शिकायत प्राप्त हो चुकी है, और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पंचायत कर्मियों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल देखा जा रहा है।

## सभी बच्चों को संपत्ति में समान अधिकार : सनी

**मुंबई (ईएमएस) :** दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन २४ नवंबर २०२५ को उनके मुंबई स्थित घर पर निधन हो गया था। उनकी अनुमानित संपत्ति जो कि करीब ४५० करोड़ रुपये है, जिसमें फार्महाउस, बंगला, स्टूडियो, प्रोडक्शन हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य निवेश शामिल हैं। इसके बंटवारे को लेकर चर्चा जोरों पर है। बालीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने दो शादिया की थी इसके बाद उनके दो परिवार है। पहली पत्नी प्रकाश कौर से अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, बहन अजीता और विजेता। जबकि दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से ईशा और अहाना देओल शामिल है। इसके अलावा उनके १३ नातीपोते भी हैं।

बात दें कि हेमा और उनकी बेटियों का धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल न होना, परिवार के भीतर संभावित मतभेदों की खबरों को हवा देता है। साथ ही, हेमा मालिनी के ४५ साल की शादी में पहली पत्नी वाले घर कभी न जाने का ज़िक्र है, जिसके कारण अंतिम समय में वे धर्मेंद्र से नहीं मिल पाई। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के अनुसार, सनी देओल ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र के सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त होगा। सनी का कहना है कि वे किसी भी हालत में ईशा और अहाना के हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचने देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह धर्मेंद्र की भी आखिरी इच्छा थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। अब यह देखना होगा कि उनकी इच्छा और सनी देओल के आश्वासन के अनुरूप विरासत को न्यायपूर्ण तरीके से कैसे विभाजित किया जाता है।

# सरकार नहीं चाहती है हम विदेशी गणमान्य लोगों से मिलें : राहुल

**नई दिल्ली (ईएमएस):** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरूवार से भारत दौरे पर हैं। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती है कि विपक्ष और रूस के राष्ट्रपति के बीच में कोई मुलाकात हो। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक बताया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आम तौर पर यह परंपरा होती है कि बाहर से जो भी आते हैं, उनकी एलओपी के साथ मुलाकात होती है। ये मनमोहन सिंह और वाजपेयी के समय में होता था। लेकिन आजकल क्या होता है जो विदेशी गणमान्य लोग आते हैं या जब मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार उनको सलाह देती है कि उनको एलओपी से नहीं मिलना चाहिए। ये सरकार की पॉलिसी है और ये हर बार यही करते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हमें मैसेज मिलता है कि हमें बताया गया है कि सरकार हमसे कहती है कि आपसे नहीं मिलना है। भारत के रिलेशन तो सबके साथ हैं। विपक्ष के नेता एक दूसरा नजरिया पेश करते हैं, हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिले। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्रालय अब असुरक्षा की वजह से ऐसा नहीं करते।

भगवान ही जाने कि वे किससे डरते हैं

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कि नेता प्रतिपक्ष को आने वाले गणमान्य व्यक्तियों से मिलने की अनुमति नहीं है। इस पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यह बहुत अजीब है। एक प्रोटोकॉल है और सभी आने वाले गणमान्य व्यक्ति नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। सरकार द्वारा प्रोटोकॉल को उलट दिया जा रहा है और उनकी सभी नीतियां इसी पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि कोई अपनी आवाज उठाए। वे किसी और की राय नहीं सुनना चाहते। उन्हें लोकतंत्र के प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। भगवान ही जाने कि वे किससे डरते हैं। लोकतंत्र में सभी को अपनी राय रखने का अधिकार होना चाहिए, चर्चा होनी चाहिए और उचित कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार असुरक्षित है और यह फैसला उसी का प्रतिबिंब है। इस प्रोटोकॉल को तोड़कर और उलटकर उन्हें क्या मिलेगा? यह उनकी असुरक्षा है। दुनिया में लोकतंत्र की छवि धूमिल हुई है।

## सांसद कंगना रनोट की पेशी टली

**बठिंडा(ईएमएस):** भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनोट की गुरूवार को बठिंडा कोर्ट में होने वाली पेशी टल गई। अदालत ने अब उन्हें १५ दिसंबर को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। कंगना की ओर से उनके वकील ने दलील दी कि सांसद इस समय लोकसभा सत्र में व्यस्त हैं, इसलिए पेश नहीं हो सकीं। वहीं शिकायतकर्ता महिंदर कौर और उनके एक गवाह की आज अदालत में पेशी हुई। दरअसल, मामला दिल्ली में कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के दौरान का है। बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया निवासी बेबे महिंदर कौर ने कंगना रनोट के खिलाफ याचिका दायर की थी।

# सीएम रेंवत हिंदू विरोधी राजनीति कर रहे हैं और मुस्लिम लीग जैसी सोच : बीजेपी

**हैदराबाद,(ईएमएस) :** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान से विवाद पैदा हो गया है। सीएम रेड्डी ने कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में पार्टी के भीतर विभिन्न विचारधाराओं और समूहों को समायोजित करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की विविधता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के तीन करोड़ देवी-देवता हैं, और हर परिस्थिति के लिए अलग देवता माने जाते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने विभिन्न देवताओं के उदाहरण दिए, जैसे अविवाहितों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता, शराब पीने वालों के लिए अलग देवता, आदि। सीएम रेंवत के बयान पर भाजपा और बीआरएस (बीआरएस) दोनों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त देकर मुख्यमंत्री से माफी की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-विरोधी राजनीति कर रही है और मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ काम कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और अर्बन नक्सली मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं पर बार-बार हमला करने का आरोप लगाया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राधे-राधे अभिवादन पर आपत्ति जताने की घटना का भी उल्लेख किया। भाजपा ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के जिहाद संबंधी टिप्पणी के समर्थन और कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की भौं-भौं वाली प्रतिक्रिया पर भी निशाना साधा, इसे कांग्रेस के मुस्लिम लीग एजेंडा का हिस्सा बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस बयान को आपत्तिजनक और घृणित बताते हुए कांग्रेस के भीतर हिंदू-विरोधी भावनाओं का जहर उजागर होने की बात कही।

इसके बाद में मुख्यमंत्री रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात कांग्रेस के भीतर की आंतरिक विविधता को समझाने के लिए कही थी ताकि नए डीसीसी अध्यक्ष सभी को साथ लेकर चल सकें। यह विवाद तब सामने आया है जब तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार संगठन को मजबूत करने और व्यापक समूहों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने की कोशिश कर रही है। यह घटना तेलंगाना की राजनीति में एक तीखी बहस का विषय बन गई है, जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

# महिला से पूछे बगैर फोटो खींचना अपराध नहीं सुप्रीम कोर्ट ने दी आरोपी को राहत

**नई दिल्ली,(ईएमएस):** सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला का वीडियो रिकॉर्ड करने के मामले में आरोपी को राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी महिला का फोटो या वीडियो ऐसे समय में लिया जाता है, जहां वह निजी गतिविधि में नहीं है तो उसे वॉयरिज्म का दोषी नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा है कि वॉयरिज्म का मतलब है किसी महिला को तब चुपके से देखना या ताक झांक करना है, जब वह निजी गतिविधियों में शामिल हो। यह अपराध है।

मामले पर सुनवाई कर रहे जस्टिस एनके सिंह और जस्टिस मनमोहन ने आरोपी के खिलाफ मामला बंद कर दिया। उसके खिलाफ वॉयरिज्म के आरोप लगे थे। आरोप थे कि उसने महिला का वीडियो तब रिकॉर्ड किया था, जब वह विवादित संपत्ति में प्रवेश कर रही थी। कोर्ट ने जांच की कि एफआईआर और चार्जशीट में वॉयरिज्म का कोई अपराध बताया गया है या नहीं। कोर्ट ने समझाया कि वॉयरिज्म तब लागू होता है, जब निजी गतिविधि में महिला को चुपके से देखा जा रहा हो या रिकॉर्ड किया जा रहा हो। कोर्ट ने पाया कि इस मामले में ऐसा कोई प्राइवेक्ट एक्ट नहीं है। कोर्ट ने पाया कि हाईकोर्ट ने भी माना है कि एफआईआर से वॉयरिज्म का पता नहीं चला है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने फिर भी आरोपी को डिस्चार्ज करने से इनकार कर दिया था, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने आपत्ति ली।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान गलत तरीके से रोके जाने के आरोपों की भी जांच की गई। कोर्ट ने पाया कि एफआईआर पूरी तरह से संपत्ति को लेकर परिवार के विवाद से जुड़ी है। जानकारी के मुताबिक यह मामला कोलकाता के सॉल्ट लेक की एक रिहायशी संपत्ति का है, जिसे लेकर दो भाइयों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस मामले में आरोपी तुहिन कुमार बिस्वास सह मालिक का बेटा और संपत्ति को लेकर हुए झगड़े के चलते ही यह एफआईआर दाखिल की गई थी। साल २०१८ में आरोपी के पिता ने अपने भाई के खिलाफ सिविल सूट दाखिल किया था। २९ नवंबर २०१८ को सिविल कोर्ट ने दोनों पक्षों को साझा अधिकार रखने और कोई थर्ड पार्टी राइट्स नहीं बनाने के निर्देश दिए थे।

यह आदेश उस समय भी लागू था, जब शिकायतकर्ता ममता अग्रवाल मार्च २०२० में संपत्ति पर पहुंची थीं। इसके बाद अग्रवाल ने आरोपी के रिश्तेदार के कहने पर एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाए थे कि आरोपी ने उन्हें जबरन रोका, धमकाया और बगैर उनकी सहमति के फोटो वीडियो बनाए।

# राहुल गांधी ने डेढ़ साल में ही कम से कम पांच विदेशी मेहमानों से मुलाकात की : भाजपा

**नई दिल्ली (ईएमएस):** भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेता या नेता प्रतिपक्ष से मिलने नहीं देती। बलूनी ने बताया कि राहुल गांधी ने पिछले एक-डेढ़ साल में ही कम से कम पांच विदेशी मेहमानों/राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। इसके साथ ही अनिल बलूनी ने राहुल गांधी की विदेशी मेहमानों और अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की कई फोटो भी शेयर की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ऐसे वक्त में यह आरोप लगाया है, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राहुल गांधी जी, इतना सफेद झूठ तो मत बोलिए। पिछले एक-डेढ़ साल में ही आपने कम से कम पांच विदेशी मेहमानों/राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की है। ये तस्वीरें झूठी तो नहीं हो सकती राहुल गांधी जी।

उन्होंने आगे एक्स पोस्ट में राहुल गांधी के दावे को गलत बताते हुए बताया, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जी: १० जून, २०२४, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम जी: २१ अगस्त, २०२४, मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम जी: १६ सितंबर, २०२५, न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन जी: ८ मार्च, २०२५, एलओपी ने १ अगस्त, २०२४ को वियतनाम के पीएम से मुलाकात की। उन्होंने आगे लिखा, ऊपर दिए गए फैक्ट्स से साफ पता चलता है, राहुल गांधी जी, कि आप केवल और केवल झूठ बोल रहे हैं। हालांकि, आप जब भी विदेशी धरती पर जाते हैं, तो हमेशा भारत, भारत के लोकतंत्र और भारत के संविधान को बदनाम ही करते हैं।

## 10 हजार की शर्त के लिए कोबरा से कटवाया

**सहारनपुर(ईएमएस):** सहारनपुर में १० हजार रुपए के लिए कोबरा से कटवाने वाले युवक सिकंदर नाथ (३४) की मौत हो गई। वह सडक़ किनारे जड़ी-बूटी बेचने का काम करता था। दावा करता था कि उसके पास ऐसी जड़ी-बूटी है, जिससे सांप के काटने का भी असर नहीं होगा। इसे लेकर उसकी कुछ लोगों से बहस हो गई। उन्होंने सिकंदर नाथ को कोबरा से कटवाकर अपनी बात साबित करने को कहा। उन लोगों ने ऐसा करने पर सिकंदर नाथ को १० हजार रुपए देने की बात भी कही। सिकंदर तैयार हो गया। लोगों ने मना भी किया, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद सिकंदर ने हाथ की उंगली में सांप से कटवा लिया।

# संसद परिसर में विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन

**नई दिल्ली,(ईएमएस):** दिल्ली-एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ी हुई और इसे लेकर आज यहां संसद परिसर में विपक्ष ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के सामने मास्क, पोस्टर और स्लोगन के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी भी शरीक हुईं और वायु प्रदूषण के लिए सरकार को घेरा।

यहां सोनिया गांधी ने कहा, कि वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चे परेशान हैं, मुझ जैसे बुजुर्गों को परेशानी हो रही। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदर्शन में शामिल होते हुए कहा, कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। छोटे बच्चे परेशान हैं, और मेरे जैसे बुज़ुर्ग लोगों के लिए भी यह मुश्किल है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मास्क और स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सोनिया गांधी के बयान को विपक्ष की उस बढ़ती नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, जो दिल्ली की विषाक्त हवा और केंद्रीय व राज्य सरकारों की निष्क्रियता पर केंद्रित है।

इसी बीच वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि आखिर किस मौसम का मजा लें? खासतौर पर तब जबकि लोग सांस तक ठीक से नहीं ले पा रहे हों। उन्होंने कहा, बाहर देखिए क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे हैं। हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, हर साल सिर्फ बयानबाजी होती है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हमने सरकार से कहा है कि कार्रवाई करे, हम उसके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने वायु गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बताया और इसे संसद में शीर्ष प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता दोहराई।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बताया, कि उन्होंने सदन में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई ४०० है, लोग बुरी स्थिति में हैं। बच्चों को सांस लेने में मुश्किल हो रही है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ी आपदा है। इस पर सदन में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, दिल्ली में, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। कोई भी अब ब्लेम गेम नहीं खेल सकता। जब तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार नहीं होगा, प्रदूषण का मुद्दा हल नहीं होगा। कांग्रेस के १५ साल में हालात नियंत्रण में थे, लेकिन बीजेपी और आप दोनों दिल्ली में प्रदूषण रोकने में फेल हो गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई लगातार 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि स्थितियां बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए बेहद खतरनाक हैं। आज विपक्ष का यह विरोध प्रदर्शन इस मुद्दे को संसद के केंद्र में लाने की विपक्ष की रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष की मांग है कि सरकार तुरंत आपात कदम उठाए, दीर्घकालिक नीतियां बनाए और संसद में इस पर विस्तृत चर्चा की जाए।

# बीजेपी ने सपा सांसद से माफी मांगने की मांग की

**नई दिल्ली,(ईएमएस):** भाजपा सांसदों ने लोकसभा में समाजवादी पार्टी सांसद मोहिबुल्लाह नदवी की जिहाद वाली टिप्पणी की आलोचना कर सपा सांसद से माफी मांगने की मांग की है। शीतकालीन संसद सत्र के दौरान सपा सांसद नदवी की टिप्पणी को लेकर विवाद छिड़ गया कि देश में मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार के कारण उन्हें जिहाद करना पड़ सकता है। सपा सांसद नदवी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम का विरोध करते हुए अपने भाषण में की गई अपनी टिप्पणी का बचाव किया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस बयान का कड़ा विरोध कर मुसलमानों पर अत्याचार के किसी भी दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

नदवी के बयान का विरोध कर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर कोई सांसद जिहाद की बात कर रहा है, तब उस सांसद बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। बीजेपी सांसद पाल ने कहा कि अगर कोई सांसद जिहाद की बात कर रहा है, तब सांसद बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। देश कानून और संविधान से चलता है। क्या उन्हें भारतीय संविधान में विश्वास है या नहीं? वे वक्फ को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य थे। दोनों सदनों में १४ घंटे की चर्चा के बाद यह कानून पारित हुआ था, अब वे उसी कानून का अपमान कर रहे हैं। यह लोगों को भड़काने और उनमें उन्माद पैदा करने की कोशिश है। उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चाहिए।

वहीं भाजपा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुसलमानों पर अत्याचार के दावे को खारिज कर दावा किया कि सांप्रदायिक पूर्वाग्रह को बढ़ावा देने और अशांति फैलाने वालों को करारा जवाब मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह २०२५ का भारत है, प्रधानमंत्री मोदी का भारत। यहाँ सभी वर्ग सुरक्षित हैं। हमारी सरकार संविधान के अनुसार काम कर रही है। जो लोग ऐसी बातें कहकर सांप्रदायिक पूर्वाग्रह को बढ़ावा देना और अशांति फैलाना चाहते हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। यह देश संविधान के अनुसार चलता है और आगे भी चलता रहेगा। ऐसी ताकतों को करारा जवाब दिया जाएगा।

इस बीच, सपा सांसद नदवी ने अपनी टिप्पणी का बचाव कर कहा कि जहाँ मुसलमानों का मज़ाक उड़ाया जा रहा है, वहीं ऐसी नफरत का बहिष्कार करना भी जिहाद है। देश के मुसलमानों का मज़ाक उड़ा रहा है। यह देश के संविधान, देश की नैतिकता और देशभक्ति के विरुद्ध है। यह वह समुदाय है जिसने सैकड़ों वर्षों तक देश के लिए बलिदान दिया है... जब मीडिया किसी समुदाय का मनोबल गिराने की कोशिश करता है, तो उसका बहिष्कार करना भी जिहाद है।


**Government of Jharkhand**
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas
Very Short Notice Inviting Tender

Reference No. - UDD/CMC/15/2025-26

| Group No. | Name of work | Tender Cost (Rs.) | Earnest Money | Cost of BOQ | Completion period |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | CONSTRUCTION OF 16 Nos. SCREENING CHAMBER AND SILT CHAMBER AT DIFFRENT LOCATIONS OF CHAS MUNICIPAL CORPORATION | 2876800.00 | 58000.00 | 10000.00 | 03 Months |
| A | वेबसाईट पर निविदा प्रकाषन की तिथि | 04/12/2025 | | | |
| B | निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय | 15/12/2025 upto02:00 PM | | | |
| C | बिड खोलने की तिथि एवं समय | 16/12/2025 at 03:00 P M | | | |
| D | निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी | Office of the **Additional Municipal Commissioner**Chas municipal corporation, Chas | | | |
| E | निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का सं0 | 7766907810 | | | |

**NOTE :**
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

प्रशासक
–सह–
अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम।

PR 367660 Urban Development(25-26)D

**कार्यालय, बड़की सरैया नगर पंचायत, (गिरिडीह)**
Email id:- eo.badakasarai@gmail.com

**आम सूचना**

सार्वजनिक जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि बड़की सरैया नगर पंचायत क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भवन निर्माण, पुनः निर्माण, विस्तार, मरम्मत से संबंधित संरचनात्मक परिवर्तन, व्यावसायिक/आवासीय भवन निर्माण को प्रारंभ करने से पूर्व नगर पंचायत से नक्सा अनुमोदन कानूनी रूप से अनिवार्य है।

यह प्रावधन झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की संबंधित धाराओं तथा झारखण्ड भवन उपविधि–2016 के अनुसार लागु है, जिसके अनुसारः–
- बिना स्वीकृत भवन अनुज्ञा के किसी भी प्रकार का निर्माण अवैध माना जायेगा।
- ऐसे निर्माण पर जुर्माना(एक लाख से दस लाख), निर्माण रोक/ढहाने जैसी कार्रवाई की जा सकती है।
- भवन का नक्शा निर्धारित मानकों तथा डी०पी०आर०/नियमों के अनुरूप होना आवश्यक है।

अतः नगर पंचायत क्षेत्र के सभी भू–स्वामियों, नागरिकों एवं निर्माणकर्त्ताओं से अनुरोध है कि निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले–
1. निर्धारित प्रपत्र में भवन निर्माण हेतु नक्शा पास करने का आवेदन जमा करें।
2. सभी आवश्यक प्रमाण पत्र, स्वामित्व दस्तावेज एवं तकनिकी नक्शा संलग्न करें।
3. स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही निर्माण कार्य प्रारंभ करें।

नगर पंचायत नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करती है ताकि–
- अवैध निर्माण रोका जा सके।
- क्षेत्र का नियोजित विकास सुनिश्चित हो।
- सुरक्षा मानकों का पालन किया जा सके।

अतः सभी संबंधित व्यक्तियों से यह आम अनुरोध/निर्देश है कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न करें।

ह०/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
बड़की सरैया नगर पंचायत

PR 367748 Urban Development and Housing(25-26).D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
(प्रथम आमंत्रण)
ई–निविदा सूचना संख्या– (धनबाद) 11/2025-26 तिथि – 03-12-2025

(शुद्धि पत्र)

इस कार्यालय द्वारा विज्ञापित ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना संख्या–11/2025–26 के सभी ग्रुप (PR No-367619 (Drinking Water and Sanitation)25-26*D के द्वारा प्रकाशित शुद्धि पत्र को रद्ध किया जाता हैं।

नोट :– सभी नियम तथा शर्ते पूर्ववत रहेंगें।

(मयंक कुमार भगत)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वचछता यांत्रिक प्रमंडल,धनबाद

PR 367700 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो**

**ई–प्रोक्युरमेंट सूचना**
(एफ 2 फॉर्म ऑफ कॉनट्रेक्ट आधारित अति अल्पकालीन ई–निविदा)
ई–निविदा प्रसंग संख्या–RCD/BOKARO/1691 /F.Y. 2025-2026 (2nd Call)
दिनांक–04.12.2025

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कार्य का नाम | पथ प्रमण्डल, बोकारो अन्तर्गत दाँतु–कथारा पथ के 16वें कि0मी0 में दामोदर नदी पर अवस्थित उच्चस्तरीय पुल का Repair एवं Retrofitting कार्य, वर्ष 2025–26 |
| 2. | प्राक्कलित राशि (रूपये में) | रू0 **99,97,931.00** (निन्यानबे लाख सत्तानबे हजार नौ सौ इकतीस रूपये) मात्र |
| 3. | कार्य पूर्ण होने की अवधि | 03(तीन) माह। |
| 4. | वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन होने की तिथि एवं समय | 08.12.2025, 12.00 बजे दोपहर। |
| 5. | बिड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय | 15.12.2025, 12.00 बजे दोपहर तक। |
| 6. | निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता | कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, बोकारो |
| 7. | प्रोक्युरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या | 06542–265569 |
| 8. | ई–प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या | 0651–2403007 |

नोटः–प्राक्कलित राशि घट बढ़ सकती है।
विस्तृत ब्यौरा के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, बोकारो।

PR 367735 (Road) 25-26 (D)

# पांच वर्षों में विकसित बनेगा प्रदेश : सीएम नीतीश

## शीतकालीन सत्र के दौरान नीतीश ने पीएम मोदी की तारीफ की

**पटना (ईएमएस) :** बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान राज्य में विकास की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य में नए मेडिकल कॉलेज, सड़कें, पुल-पुलिया, बाइपास और एलिवेटेड रोड का निर्माण तेज़ी से हो रहा है, जिससे सबसे दूरस्थ क्षेत्रों से पटना तक अब करीब पांच घंटे में पहुंचा जा सकता है। इसके साथ ही ५ नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य चालू है।

सीएम नीतिश ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में हुए सुधारों का जिक्र कर बताया कि पहले अस्पतालों में प्रतिदिन केवल कुछ ही मरीज आते थे, जबकि अब प्रत्येक पीएचसी में औसतन ११,६०० मरीज इलाज करवा रहे हैं। २७ जिलों में नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। पीएमसीएच और आईजी आईएमएस के अस्पतालों का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र में नए स्कूल, पोशाक योजना और सरकारी शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। सीएम नीतिश ने कहा कि बिहार में हर घर बिजली, नल का जल और शौचालय की सुविधा पहुँचाई जा चुकी है। राज्य में महिलाओं के लिए ५० प्रतिशत आरक्षण और पुलिस में ३५ प्रतिशत आरक्षण लागू है। कृषि उत्पादन में सुधार के लिए चौथे रोडमैप के तहत योजनाओं पर तेजी से काम जारी है।

सत्र के दौरान, बिहार विधानसभा में नरेंद्र नारायण यादव को दूसरी बार उपाध्यक्ष चुना गया। उनके निर्विरोध निर्वासिन में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रस्तावक और अनुमोदक के रूप में भूमिका निभाई। वहीं, विधान परिषद में संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर न मिलने पर विपक्षी सदस्य राबड़ी देवी के नेतृत्व में वाकआउट कर गए। विधायक सर्वजीत द्वारा मगध मेडिकल अस्पताल को लेकर विवादास्पद टिप्पणी करने पर बीजेपी विधायकों ने विरोध जताकर बयान वापस लेने को कहा। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बालू, भू और शराब माफिया पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया और कहा कि कानून तोड़ने वालों को सबक सिखाया जाएगा।

इस सत्र में ९१,७१७ करोड़ रुपये का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया गया, जिसमें महिला रोजगार योजना, मुफ्त बिजली, वृद्धा पेंशन, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड और समग्र शिक्षा के लिए धन आवंटित किया गया है। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास प्रयासों की सराहना की और सदन से उनके लिए हाथ उठाकर सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार अगले पांच वर्षों में तेजी से विकसित होगा और राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य आम जनता का जीवन सुधारना है।

## आज़म व अब्दुल्ला आज़म ने जेल पहुंचे परिवार से मिलने से किया इंकार

**रामपुर,(ईएमएस):** समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान तथा उनके बेटे अब्दुल्ला आज़म से गुरुवार को जेल में मुलाकात करने पहुंचा पूरा परिवार मायूस होकर लौट गया। रामपुर जेल पहुंचीं आज़म की पत्नी व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. तंजीन फातिमा, बेटे अदीब आज़म और बहन की उनसे मुलाकात नहीं हो सकी।

जेल प्रशासन के मुताबिक, खुद आज़म और अब्दुल्ला आज़म ने ही परिवार से मिलने से इंकार किया। मुलाकात की अनुमति होने के बावजूद दोनों ने अंदर से साफ कह दिया कि वे किसी से नहीं मिलना चाहते।

मायूस होकर लौटते वक्त पूर्व सांसद फातिमा ने कहा, हमें नहीं पता कि मुलाकात क्यों नहीं हो सकी। अब्दुल्ला ने खुद मिलने से मना कर दिया। आजम साहब भी नहीं मिले।

# बिहार विस के निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए नरेंद्र नारायण यादव

**पटना (एजेंसी):** जदयू विधायक नरेंद्र नारायण यादव बिहार विधानसभा के निर्विरोध डिप्टी स्पीकर चुने गए. बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा. इस प्रस्ताव का अनुमोदन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने किया. इसके साथ ही सर्व सहमति से जदयू विधायक नरेंद्र नारायण यादव निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया.

मधेपुरा जिले की आलमनगर विधानसभा सीट चुनाव जीतकर नरेंद्र नारायण यादव विधानसभा पहुंचे हैं. वीआईपी के उम्मीदवार नवीन कुमार को उन्होंने हराया है. जदयू प्रत्याशी ने वीआईपी के उम्मीदवार को करीब ५५ हजार वोटों से मात दी है. नरेंद्र नारायण यादव ने आलमनगर से लगातार ८वीं बार जीत दर्ज की है. नरेंद्र नारायण यादव को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता है. साल १९९५ में नरेंद्र नारायण यादव पहली बार विधायक बने थे. वह जदयू के बड़े और वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं. नरेंद्र नारायण यादव ने साल १९९५ से आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से लगातार चुनाव जीत जीत रहे हैं. इससे पहले वह बिहार सरकार में कानून और लघु जल संसाधन मंत्री भी रह चुके हैं.

वहीं, साल २०२४ में फरवरी के महीने बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष बने थे. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद २४ नवंबर, २०२५ को नरेंद्र नारायण यादव को प्रोटम स्पीकर नियुक्त किया गया था. उन्होंने ही निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाया था.

## झांसी की एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन का नाम, मचा हड़कंप

**झांसी,(ईएमएस) :** यूपी इन दिनों एसआईआर प्रक्रिया चर्चाओं में हैं। आए दिन इसको लेकर कुछ न कुछ चौंकाने वाली मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां एसआईआर सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का नाम दर्ज मिला है, जिसको लेकर अब हड़कंप मचा गया है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे नाम सूची में कैसे पहुंचे? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ओरछा गेट बाहर के खुशीपुरा इलाके की वोटर लिस्ट में उनका नाम और मकान नंबर ५४ दर्ज है। साफतौर से ये भी बताया गया है कि अमिताभ बच्चन ने साल २००३ में वोट भी डाला था, साथ ही लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन की उम्र ७६ साल की है। इसको लेकर जब पड़ोसियों ने बताया तो हर कोई हैरान रह गया। पड़ोसियों ने कहा कि हमने अमिताभ बच्चन को सिर्फ फिल्मों में देखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन के नाम के साथ जो मकान नंबर-५४ दर्ज है वह मकान नंबर सुरेंद्र कुमार (७६) पुत्र राजेश कुमार के नाम दर्ज पाया गया है। दोनों मतदाताओं का नाम लिस्ट में ५४३ और ५४४वें नंबर पर देखा गया है। वहीं पूरा मामले में यूटर्न तब आया जब मकान नंबर ५४ की जगह यहां मंदिर मिला। नाम सामने आते ही प्रशासन में खलबली मच गई। विभाग में घमासान और जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल विभाग में जवाबदेही को लेकर चर्चाएं तीखी हो गई हैं और मामला गर्माता जा रहा है।

## हाइवे हादसाः मेडिकल कॉलेज के चार छात्रों की मौत

**अमरोहा (ईएमएस):** तेज रफ्तार कार ने हाईवे पर एकडीसीएम वाहन में टक्कर मार दी, जिससे चार छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा दिल्ली से मुरादाबाद की तरफ जाने वाली साइड पर डीवीआर रेस्टोरेंट के सामने, अतरासी गांव के फ्लाईओवर के करीब हुआ। घटनाक्रम के अनुसार, दिल्ली की तरफ से आ रही डीसीएम जब फ्लाईओवर से लगभग १० मीटर पहले पहुंची, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार ने उसमें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की गति अत्यधिक थी, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और डीसीएम में घुस गया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और हाईवे पर मौजूद अन्य वाहन रोक दिए गए।

प्रारंभिक जांच में मृतकों की पहचान श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के छात्रों के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार मृतक दिल्ली और पश्चिमी बंगाल के रहने वाले हो सकते हैं और वे विश्वविद्यालय में मेडिकल के छात्र थे। मृतकों के नाम और पते की जानकारी जुटाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने वाहन को काटकर चारों छात्रों के शव बाहर निकाले और उन्हें मोर्चरी भेज दिया। प्रारंभिक जांच में कार की तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन को हादसे का मुख्य कारण बताया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और सुरक्षा उपायों की समीक्षा भी की जाएगी।

# एआई से भाई की आवाज में की बात वीजा रिन्यू कराने मांगे 1.65 लाख

**पटना,(ईएमएस) :** साइबर फ्रॉड ने एआई को हथियार बना लिया है। बिहार के मुजफ्फरपुर के एक व्यक्ति से भाई की आवाज में फोन करके लाखों की ठगी की। बोचहां थाना के भगवानपुर घोंचा निवासी मोहम्मद रियाज अहमद को साइबर फ्रॉड ने अपना शिकार बनाया। पीड़ित ने साइबर थाना में मामले की शिकायत की है। वीजा समाप्त होने का बहाना बनाकर रुपए मंगवाए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित रियाज ने पुलिस को बताया है कि उसका फुफेरा भाई सऊदी अरब में नौकरी करता है। सोशल मीडिया पर उसके नाम की फर्जी आईडी से एक कॉल आया। साइबर शातिर उसका फुफेरा भाई बनकर बात कर रहा था। एआई से शातिरों ने फुफेरे भाई की आवाज की नकल की। इस वजह से रियाज को शक नहीं हुआ। कॉल करने वाले ने रियाज से उसका अकाउंट नंबर मांगा और बोला कि साढ़े तीन लाख रुपए भेज रहा है। कुछ देर बाद सउदी अरब के एक बैंक की पर्ची भेजी गई, जिसमें साढ़े तीन लाख रुपए जमा कराने का जिक्र था। इसके बाद फिर कॉल आई कि कल तक ये रुपया उसके खाते में आ जाएगा।

इसके बाद रियाज को फिर उसी आईडी से मैसेज आया कि वह इमीग्रेशन ऑफिस जा रहा है, क्योंकि उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है। उसका वीजा आज ही समाप्त हो रहा है। इसे रिन्यू कराना होगा। इसके बाद मैसेज में एक नंबर भेजा गया। बोला कि यह एजेंट का नंबर है, इससे बात कर मेरी मदद करो। व्हाट्सएप पर उक्त एजेंट से बात हुई तो उसने कहा कि वीजा रिन्यू कराने में १.६५ लाख लगेंगे। ठग ने रियाज को स्कैनर भेजकर उसपर १.६५ लाख रुपए डालने को कहा।

भाई की मदद करने रियाज ने जल्दी में ये रुपए भेज दिए। कुछ देर बाद उसने अपने फुफेरे भाई के व्हाट्सएप पर कॉल कर बात की तो पता चला कि रियाज साइबर ठगों के जाल में फंस गया। रियाज ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब इस मामले में जांच कर कर रही है।

## कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से टूटा नाता

**लखनऊ (ईएमएस):** उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक फैसले से सूबे की राजनीति गरमा गयी है। दरअसल, पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है। इसके पीछे वजह यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अकेले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बताया जाता है कि यूपी कांग्रेस सांसदों की राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अलग से पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी के इस फैसले से अब इंडिया अलायंस के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं राजनीतिक जानकार कांग्रेस के इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी २०२७ का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। हमारा गठबंधन जारी रहेगा।

मगर, कांग्रेस पार्टी के इस फैसले ने सभी को चौका दिया है। हालांकि, कांग्रेस के इस निर्णय पर समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव २०२४ में सपा-कांग्रेस के गठबंधन प्रदेश की ८० सीटों सें ४३ सीटें अपने खाते में की थी।

## पुलिस अधिकारी की बेटी की गोली मारकर हत्या

**अररिया,(ईएमएस):** बिहार के अररिया के नरपतगंज में बीपीएससी शिक्षिका शिवानी वर्मा की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह वारदात खाबदा कन्हैली गांव में शिव मंदिर के पास हुई, जहाँ शिवानी मध्य विद्यालय कन्हैली में पढ़ाती थीं। शिवानी वर्मा, मध्य विद्यालय कन्हैली में शिक्षिका थी। वे उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की निवासी थी। उनके पिता यूपी पुलिस में सर्किल इंस्पेक्टर (पुलिस अधिकारी) हैं। उनकी दो बहनें भी बिहार में सरकारी शिक्षिका हैं। शिक्षिका की छोटी बहन जूली ने स्कूल के एक शिक्षक रंजीत कुमार वर्मा पर शादी के लिए दबाव डालने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिवानी की छोटी बहन ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जूली के अनुसार, एक साल पहले शिवानी के ही स्कूल के शिक्षक रंजीत ने उनकी बहन पर शादी करने के लिए बहुत दबाव डाला था, जिसे शिवानी ने मना कर दिया था। मना करने पर रंजीत ने शिवानी को जान से मारने की धमकी दी थी।

जूली ने बताया कि रंजीत कई बार शिवानी का रास्ता रोक चुका था और तेज बाइक से ओवरटेक करके एक्सीडेंट कराने की कोशिश भी कर चुका था। उन्होंने प्रिंसिपल को फोन करके इस बारे में बताया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जूली ने पुलिस से रंजीत से सख्ती से पूछताछ करने की मांग की है और उनका मानना है कि पुरानी रंजिश के कारण ही यह हत्या हुई है। उन्होंने दोषी को फांसी की सजा देने की अपील की है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है और लगातार छापेमारी चल रही है।

## हफ्ते भर नहीं गरजेगा बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट की रोक

**बरेली (एजेंसी):** बरेली के सूफ़ी टोला इलाके में लगातार दो दिनों से चल रही बुलडोज़र कार्रवाई पर गुरुवार को अचानक ब्रेक लग गया. बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) की टीम तीसरे दिन भी ध्वस्तीकरण के लिए गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत बारातघर पहुंची थी, लेकिन जैसे ही याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट का आदेश अधिकारीयों को दिखाया, कार्रवाई तत्काल रोक दी गई और बुलडोज़र वापस बुला लिए गए. फरहत जहां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि वह सीधे इस याचिका पर विचार नहीं करना चाहता, लेकिन आर्टिकल २२६ के तहत याचिकाकर्ता हाई कोर्ट में राहत मांगने के लिए स्वतंत्र हैं. इसके साथ कोर्ट ने सात दिन की अंतरिम सुरक्षा प्रदान की, ताकि इस अवधि में भवनों को ध्वस्त न किया जाए.

याचिका में बताया गया था कि ध्वस्तीकरण पहले ही शुरू हो चुका है और निर्माण के कुछ हिस्से गिराए जा चुके हैं. कोर्ट ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह राहत दी.सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बीडीए टीम को ध्वस्तीकरण रोकना पड़ा और कार्रवाई स्थगित कर दी गई.२६ सितंबर को बरेली में हुए बवाल के बाद आरोपियों और कथित अवैध निर्माणों पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई तेज हुई थी. इसी क्रम में बीडीए ने सूफ़ी टोला क्षेत्र में सपा नेता सरफ़राज वली ख़ान और राशिद ख़ान से जुड़े गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत पर बुलडोज़र अभियान चलाया था.साथ ही एक मैरिज हॉल की छत पर लगे मोबाइल टॉवर को भी हटवाया गया था. इससे पहले बुधवार तक कथित अवैध निर्माण का बड़ा हिस्सा तोड़ा जा चुका था. बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए. मनिकंडन ने पहले ही स्पष्ट किया था कि अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा. बरेली में सूफ़ी टोला के दो बड़े मैरिज हॉल पर चल रहे बुलडोज़र अभियान पर अभी के लिए विराम लग गया है, मगर आगे की कार्रवाई हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई पर निर्भर करेगी. शहर में प्रशासन की यह कार्रवाई अभी भी चर्चाओं और सवालों के केंद्र में बनी हुई है.

## हल्द्वानी से दिल्ली आ रही बस पलटी, 12 यात्री घायल

**गाजियाबाद,(ईएमएस):** एनएच-९ पर गुरुवार सुबह हल्द्वानी से दिल्ली आ रही प्राइवेट बस अचानक पलट गई। बस पलटते ही चीख-पुकार मच गई। घायलों को एंबुलेंस और पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। हादसे के समय बस में २४ लोग सवार थे। पुलिस का कहना है कि हादसे में १२ यात्रियों घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्मती कराया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी बस से दिल्ली रवाना किया गया। प्राइवेट बस हल्द्वानी से दिल्ली जाते समय सुबह करीब पौने पांच बजे दुर्घटना का शिकार हुई। हादसे की वजह चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# लालू-राबड़ी व तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय करने को लेकर कोर्ट का आदेश टला

**पटना (एजेंसी):** दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार को लैंड फॉर जॉब (जमीन के बदले नौकरी) घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई हुई, जिसमें फैसला टाल दिया गया.इस केस में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, राज्यसभा सांसद मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव समेत १०० से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है.

अदालत ने सीबीआई से सभी आरोपियों की विस्तृत स्थिति (स्टेटस रिपोर्ट) मांगी है. कोर्ट ने एजेंसी से कहा कि कई आरोपियों की मौत हो चुकी है, ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि किसकी क्या स्थिति है. अदालत ने सीबीआई को ८ दिसंबर तक पूरी जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. अब अगली सुनवाई ८ दिसंबर को ही होगी.

सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, रेलवे में नौकरी देने के बदले कई लोगों से जमीन ली गई थी और अधिकांश लेनदेन कैश में हुआ. कुछ सेल डीड्स को छोड़कर, अधिकतर ट्रांजैक्शन हवाला या नकद के रूप में होने का आरोप है. एजेंसी ने इस मामले में आईपीसी की धारा १२०बी (साजिश), ४२० (धोखाधड़ी), ४६७, ४६८, ४७१ (फर्जी दस्तावेज) और पीसी एक्ट १९८८ की धारा ११, १२, १३, ८ और ९ के तहत चार्जशीट दायर की थी. सीबीआई का दावा है कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया संगठित भ्रष्टाचार था.

सुनवाई से जुड़े एक और महत्वपूर्ण मोड़ में, राबड़ी देवी ने हाल ही में कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की थीं. २८ नवंबर को उन्होंने तीन अहम याचिकाएं दाखिल कीं थी, जिनमें ईडी के दो मामलों (लैंड फॉर जॉब और आईआरसीटीसी घोटाला) और सीबीआई के लैंड फॉर जॉब केस को वर्तमान जज विशाल गोगने की अदालत से हटाकर किसी अन्य कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग की गई थी. इसके पहले, २४ नवंबर को भी राबड़ी देवी ने आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रही अदालत पर पक्षपात का आरोप लगाया था. उनका कहना है कि अदालत पूर्व-नियोजित तरीके से केस को आगे बढ़ा रही है और न्यायिक दृष्टिकोण निष्पक्ष नहीं दिख रहा है. इसी वजह से उन्होंने केस को ट्रांसफर करने की मांग की है. राऊज एवेन्यू कोर्ट अब सीबीआई की ओर से ८ दिसंबर तक आने वाली स्टेटस रिपोर्ट का इंतजार करेगी. उसके बाद ही तय होगा कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया कैसे बढ़ेगी. लैंड फॉर जॉब मामला लंबे समय से राजनीतिक और कानूनी चर्चाओं का केंद्र रहा है.

## कार ट्रक में घुसी, चार डॉक्टरों की मौत

**अमरोहा (ईएमएस):** यूपी के अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार खड़े हुए ट्रक से टकराने के कारण चार चिकित्सकों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक बीती देर रात करीब साढ़े १० बजे अतरासी इलाके के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे फंसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कटर से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के निवासी आयुष शर्मा, श्रेष्ठ पंचोली, कोलकाता के निवासी अर्नब चक्रवर्ती और त्रिपुरा के रहने वाले सप्तऋषि के रूप में हुई है।

पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

# राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

**रायबरेली (ईएमएस):** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विंदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८, ३३५, ३४०, २३६, २३७, ६१, १४८,१४७, १५२, २३८, ३३६, ३५१, ३५४,३५९, २४१ सहित पासपोर्ट अधिनियम व विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का प्रार्थना पत्र विशेष न्यायाधीश डा. विवेक कुमार के समक्ष दाखिल किया है। कोर्ट ने न्यायालय ने प्रार्थनापत्र पर कोई आदेश करने के पूर्व कोतवाली से रिपोर्ट मंगाई है। शिकायतकर्ता ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ धाराओं में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान है। दोहरी नागरिकता, फर्जी पासपोर्ट, गोपनीय सूचना दुश्मनों को पहुंचाना, बेनामी संस्था बनाने जैसे गंभीर आरोप है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद में दर्ज कर सुनवाई के लिए कल पांच दिसम्बर की तिथि नियत की है।

भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता को लेकर एप्लीकेशन दी गयी है। कोर्ट से इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस मामले में न्यायालय ने कोतवाली पुलिस रायबरेली से रिपोर्ट मांगी है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी मिल जाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई पहले से जांच कर रही है। शिशिर ने कहा कि भारत की राजनीति में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई विदेशी नागरिक हमारे संसद में २० साल से बैठे हैं। इस मामले में जल्द ही सुनवाई होगी और फैसला भी सुनाया जाएगा। ब्रिटिश सरकार से भी पासपोर्ट आ गया है। भारतीय सरकार से भी हमें जानकारी मिली है। जो भी डॉक्यूमेंट न्यायालय मांगेगा या पुलिस मांगेगी, उसमें पूरी सहायता करने के लिए हम पूर्ण रूप से तैयार हैं।

# किसी भी योजना के लिए समुचित अर्थव्यवस्था मौजूद, माइनस प्वाइंट तक भी भाजपा से नजदीकी संभव नहीं : राधाकृष्णा किशोर

**रांची (एजेंसी):** झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने गुरुवार को कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर फैल रही अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा, किसी भी योजना के लिए समुचित अर्थव्यवस्था मौजूद है। हम अभी भी बाजार से १८ से २० हजार करोड़ रुपये तक का ऋण ले सकते हैं। कोई कह रहा है कि खजाना खाली है, जबकि मैं स्वयं वित्त मंत्री हूं। मुझसे पूछ लेते। राज्य का खजाना खाली नहीं है।

वित्त मंत्री ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष की मांग पर अनुपूरक बजट में विशेष चर्चा और वाद-विवाद की अवधि बढ़ाने पर सहमति बन गई है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि शीतकालीन सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों रचनात्मक भूमिका निभाते हुए सदन को शांतिपूर्ण ढंग से चलने देंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष ने भी आश्वासन दिया है।

**भाजपा से नजदीकी के सवाल को किया खारिज**

भाजपा से नजदीकी को लेकर उठे सवाल पर वित्त मंत्री ने कड़ा जवाब देते हुए कहा, कुछ लोगों को दिन में सपना देखने की आदत हो गई है। माइनस-माइनस प्वाइंट तक भी ऐसी संभावना नहीं है। यह बात निकली कहां से? इस पर दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।

**केंद्र नहीं कर रहा आर्थिक सहयोग: राधाकृष्ण किशोर**

उन्होंने केंद्र सरकार पर आर्थिक सहयोग में कमी का आरोप लगाया। वित्त मंत्री ने कहा कि अगर केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि समय पर मिल जाए, तो झारखंड को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। केंद्र और कोल कंपनियों पर बकाये की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, कोल कंपनियों पर झारखंड सरकार का १.३६ लाख करोड़ रुपये का बकाया है।

हमने कोयला मंत्री से मुलाकात कर कहा है कि हमारी मांग की जांच के लिए या तो उनके अधिकारी यहां आएं या हमारे अधिकारी वहां जाएं, ताकि वास्तविक बकाया राशि स्पष्ट हो सके।

## निलंबित विनय चौबे की पत्नी के बाद आज साली प्रियंका त्रिवेदी से एसीबी करेगी पूछताछ

**रांची (एजेंसी):** निलंबित आईएएस विनय चौबे को लगातार -एसीबी की ओर से झटके मिल रहे हैं। इस बार एसीबी विनय चौबे की साली प्रियंका त्रिवेदी से आज यानि ४ दिसंबर को पूछताछ करने वाली है। बता दें कि इससे एक दिन पहले ही ३ दिसंबर को एसीबी की टीम ने विनय चौबे की पत्नी से उनके आवास पर जाकर पूछताछ की थी। पूरा मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है, जिसमें एसीबी ने आईएएस अधिकारी विनय चौबे के खिलाफ २४ नवंबर को एक और प्राथमिक की दर्ज की थी। जिसमें उनके रिश्तेदारों और दोस्त विनय सिंह सहित कुल सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। सभी पर भ्रष्टाचार करने और इसके जरिये अपार संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे हैं।

# झारखंड में सभी मस्जिद, मदरसा और दरगाहों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : अब्दुल कलाम रसीदी

**रांची (एजेंसी):** झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य अब्दुल कलाम रसीदी बुधवार की देर शाम पाकुड़ पहुंचे। सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद गुरुवार को उन्होंने मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों के साथ एक कार्यशाला में हिस्सा लिया। कार्यशाला में वक्फ बोर्ड से इबादतगाहों के रजिस्ट्रेशन पर विस्तार से चर्चा हुई। रसीदी ने बताया कि मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान, दरगाह समेत सभी धार्मिक स्थलों का रजिस्ट्रेशन वक्फ एमेंडमेंट एक्ट २०२५ के तहत अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि एक्ट में दर्ज प्रावधानों का पालन किए बिना आने वाले दिनों में किसी भी सरकारी कार्रवाई से बच पाना मुश्किल होगा। इसलिए समाज के लोग अपने-अपने इबादतगाहों को वक्फ बोर्ड में दर्ज कराने में पूरा सहयोग दें।

उन्होंने बताया कि झारखंड के कल्याण मंत्री, वेलफेयर सेक्रेटरी और वक्फ बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक कर रजिस्ट्रेशन को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए हैं। अभी राज्य में करीब डेढ़ सौ वक्फ प्रॉपर्टी ही रजिस्टर्ड हैं, जबकि शेष इबादतगाहों का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। रसीदी ने कहा कि वक्फ एमेंडमेंट एक्ट २०२५ के तहत जारी नोटिफिकेशन में ५ दिसंबर २०२५ से पहले सभी इबादतगाहों का डेटा उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने का निर्णय लिया गया है। इसी को लेकर राज्य स्तरीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बोर्ड के सदस्य विभिन्न जिलों का दौरा कर समाज के लोगों को जानकारी दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि दो और तीन दिसंबर को बोकारो और धनबाद में कार्यक्रम होने के कारण वे ४ दिसंबर को पाकुड़ पहुंचे। जिला कल्याण पदाधिकारी और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में वक्फ प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। रसीदी ने कहा कि पाकुड़ जिले में सिर्फ दो प्रॉपर्टी पाकुड़िया जामा मस्जिद और महेशपुर का सेनपुर जामा मस्जिद ही रजिस्टर्ड हैं। शेष सभी इबादतगाहों को ५ दिसंबर के बाद पोर्टल खुलते ही ऑनलाइन आवेदन करना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए जमीन से जुड़े कागजात, रेगुलेशन, पैन कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की जानकारी कार्यशाला में दी गई। उन्होंने कहा कि वक्फ एक्ट का पालन करना हर मुस्लिम नागरिक की जिम्मेदारी है। रजिस्ट्रेशन होने से इबादतगाह कानूनन सुरक्षित रहती हैं और उनका रिकॉर्ड भी मजबूत होता है।

## जेएसएससी-सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

**रांची (एजेंसी):** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को अपने आवास पर जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों से मुलाक़ात की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

इसके बाद वे विधानसभा की बैठक में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। गौरतलब है कि झारखंड हाईकोर्ट द्वारा जेएसएससी सीजीएल के कथित पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट के फैसले के बाद पूरे राज्य में अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

फैसले के कुछ ही घंटों बाद रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी इकट्ठा हुए और जश्न मनाया।

अभ्यर्थियों ने एक-दूसरे को मिठाइयाँ खिलाईं और ढोल-नगाड़ों की थाप पर अपनी खुशी व्यक्त की। इसी उत्साह के बीच आज मुख्यमंत्री ने सफल उम्मीदवारों से भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया।

## शराब घोटाले में बढ़ा जांच का दायरा, एसीबी ने अब आईएएस अमित कुमार को तलब किया

**रांची (एजेंसी):** झारखंड शराब घोटाले की जांच में एसीबी ने अब कमर्शियल टैक्स कमिश्नर और पूर्व उत्पाद आयुक्त आईएएस अमित कुमार को पूछताछ के लिए बुलाया है।

गुरुवार को भेजे गए समन में उन्हें शुक्रवार को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। एसीबी को उम्मीद है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं।

शराब घोटाला मामले में इससे पहले आईएएस मुकेश कुमार, मनोज कुमार, जमशेदपुर के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और रामगढ़ के डीसी फैज अहमद मुमताज से भी पूछताछ की जा चुकी है। जांच में सामने आया है कि जब अमित कुमार उत्पाद विभाग के आयुक्त थे, तब विभागीय निविदा से जुड़ी विजन और मार्शन कंपनियों में से एक की बैंक गारंटी फर्जी पाई गई थी।

इसके बावजूद उनकी ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीबी पहले ही तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे समेत १३ लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कर चुकी है। इसी केस में पहली गिरफ्तारी विनय चौबे की हुई थी।

एसीबी की एफआईआर के अनुसार, दो प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा दी गई फर्जी बैंक गारंटियों की जांच नहीं होने के कारण राज्य को ३८.४४ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और शराब घोटाला अंजाम तक पहुंचा।

## युवाओं के भविष्य को हाईजैक करने की भाजपा की कोशिश असफल हुई : जेएमएम

**रांची (एजेंसी):** झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने मंगलवार को एक तीखा बयान जारी करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और उससे जुड़े गिने-चुने कोचिंग दलालों ने झारखंड के युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने की साजिश की थी। पार्टी ने कहा कि खुशी की बात है कि झारखंडी युवाओं के सपनों को बरबाद करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं। जेएमएम ने कहा कि भाजपा अपने पूरे कार्यकाल में एक भी जेएसएससी सीजीएल परीक्षा आयोजित नहीं करवा पाई, और यही उसकी सबसे बड़ी टीस बनी रही। पार्टी के अनुसार इसी कारण भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को बाधित करने और अन्य परीक्षाओं को लेकर भी अफवाह फैलाने की कोशिश की।

## 5-6 को झारखंड में शीतलहर का येलो अलर्ट, न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री तक हो सकती है गिरावट

**रांची (एजेंसी):** झारखंड में बर्फीली हवाओं के कारण ठंड बढ़ने की संभावना बनती दिख रही है। मौसम विभाग ने ५ और ६ दिसंबर को शीत लहर का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दिन पलामू, गढ़वा, चतरा, गुमला, लातेहार, लोहरदगा, सिमडेगा जिलों में शीतलहर की आशंका जताई गई है। वहीं पिछले २४ घंटों में कई जिलों का न्यूनतम तापमान ११ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि राज्य में अगले चार दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में ३ से ४ डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

इसके बाद अगले तीन दिनों में २ से ३ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं राज्य के १३ जिलों में १० डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान देखने को मिल सकता है।

पिछले २४ घंटों में सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में ७.९ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिससे ठंड ज्यादा दिखने को मिली है। ५ दिसंबर को भी गुमला के तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम ने आसार जताए हैं कि गुमला ५ दिसंबर को गुमला का न्यूनतम तापमान ६ डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। वहीं रांची का नुयानतम तापमान भी ८ डिग्री सेल्सियस से भी नीचे जा सकता है।

बढ़ती ठंड और शीत लहर की स्थिति को देखते हुए, प्रशासन/स्वास्थ्य विभाग ने सभी लोगों को, विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को, ठंड के प्रभाव से बचने के लिए गर्म और ऊनी कपड़ों से पूरी तरह से ढंकने की सलाह दी है। लोगों को यह भी सलाह दी गई है कि अत्यधिक आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलें, और देर रात या सुबह जल्दी की अनावश्यक यात्रा से बचें।

## पृष्ठ एक का शेषांश

### झारखंड विधानसभा का---

अंत में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने सभी दलों का आभार जताते हुए कहा, आपका सहयोग और संवाद ही सदन को नई ऊंचाई देगा। हम मिलकर शीतकालीन सत्र को अब तक का सबसे रचनात्मक और प्रभावी सत्र बनाएंगे।बैठक सर्वसम्मति से सहयोग और सकारात्मक माहौल के संकल्प के साथ समाप्त हुई। सत्र का समापन ११ दिसंबर को होगा। शुक्रवार से प्रस्तावित झारखंड विधानसभा के छठे विधानसभा के चौथे (शीतकालीन) सत्र की तैयारियों को लेकर सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायकों की बैठक आज डॉ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। मुख्यमंत्री ने सत्र के दौरान सरकार के एजेंडा, विधायी कार्यों और विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मंत्रियों एवं विधायकों से कहा कि सत्र के दौरान जनता से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाया जाए तथा सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

### भारतीय रिजर्व बैंक ने ---

पर्यटक, व्यापारी और काम की तलाश में भारत आने वाले नेपाल के लोग भी शामिल हैं. कई बार नोट बदलवाने में कालाबाजारी और परेशानी का सामना करना पड़ता था. नई व्यवस्था से इन सब समस्याओं में काफी कमी आएगी. ये फैसला भारत-नेपाल के मजबूत पारस्परिक संबंधों को दर्शाता है और दोनों देशों के बीच आर्थिक लेन-देन को सुगम बनाएगा.

### भारतीय नौसेना दिवस पर---

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी नौसेना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, भारतीय नौसेना भारत की समुद्री शक्ति, सतर्कता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारे समुद्र तटों को सुरक्षित रखने से लेकर हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने तक, नौसेना पेशेवरिता, साहस और सेवा के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखती है। इसी के साथ ही उन्होंने नौसेना कर्मियों और उनके परिवारों के त्याग, निस्वार्थ सेवा और समर्पण को सलाम किया। गौरतलब है कि भारतीय नौसेना दिवस देश के उन जांबाज जवानों के साहस, पराक्रम और समर्पण को सलाम करने का अवसर है जो समुद्र की गहराइयों से लेकर आसमान की ऊंचाइयों तक २४ घंटे राष्ट्र की सुरक्षा में तैनात रहते हैं।

### नियम 267 पर टकराव--

है। वहीं सत्ता पक्ष की ओर से केंद्रीय मंत्री नड्डा ने खड़गे के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, यह बिलकुल गलत है कि सरकार चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि जो-जो चर्चा मांगी गई, सरकार ने समय दिया, और पिछले सत्र में भी विस्तार से बहस हुई। उन्होंने जोर देकर कहा, यह धारणा न बने कि सरकार किसी विषय से भाग रही है। हम हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं।नड्डा ने सदन को बताया कि सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ है कि 'वंदे मातरम्' और 'चुनाव सुधार' पर चर्चा कराई जाएगी। यह एक संसदीय नियम है जिसके तहत कोई भी सदस्य सदन की पूरी कार्यसूची स्थगित कर किसी अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग कर सकता है। इस नियम के अंतर्गत चर्चा के अंत में वोटिंग का भी प्रावधान है। यह एक विशेषाधिकार है और बहुत कम मामलों में स्वीकार किया जाता है, क्योंकि इससे पूरे दिन की नियमित कार्यवाही रुक जाती है।

### रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन---

मिलेगा, जिससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे और हमारे किसानों की भलाई भी होगी। राष्ट्रपति पुतिन के दौरे में भारत को रूस के साथ व्यापार को बेहतर बनाने की उम्मीद है। रूस के साथ भारतीय एक्सपोर्ट बढ़ने की भी संभावना है, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स और मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं। भारतीय बिजनेस और प्रोडक्ट्स को एक बड़ा बाजार मिलेगा, जिससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे और किसानों की भलाई भी होगी। भारत और रूस के बीच शिपिंग, हेल्थकेयर, फर्टिलाइजर, और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में कई समझौते और एमओयू होने की उम्मीद है। साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों, गतिशीलता साझेदारी, संस्कृति, और वैज्ञानिक सहयोग में भी ज्यादा सहयोग देखने को मिलेगा। पुतिन इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ २३वीं वार्षिक भारत-रूस द्विपक्षीय समिट में भी शामिल होंगे। वहीं, पीएम मोदी और पुतिन के बीच ५ दिसंबर को बैठक होगी, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। ५ दिसंबर को राष्ट्रपति पुतिन को गॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। फिर वह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे।

### कफ सिरप मामले में---

ज़रूरी सालाना इंस्पेक्शन नहीं किया गया। बात दें कि जी. रंगनाथन को मध्य प्रदेश पुलिस ने अक्टूबर में गिरफ्तार किया था। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद में बताया कि मध्य प्रदेश में खराब सिरप से बच्चों की मौत के बाद ७०० से ज़्यादा कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों की कड़ी जांच हो रही है। यह कार्रवाई स्पष्ट रूप से दवा निर्माण में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन, अवैध व्यापार प्रथाओं, और नियामक अधिकारियों की संभावित मिलीभगत को उजागर करती है।

## कैमरून में फंसे झारखंड के पांचों मजदूर सुरक्षित लौटे, गांव में हुआ भावुक स्वागत

**रांची (एजेंसी):** झारखंड सरकार और विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद कैमरून में फंसे झारखंड के पांच मजदूर गुरुवार सुबह सुरक्षित भारत लौट आए। सभी मजदूर मुंबई-हावड़ा मेल से पारसनाथ स्टेशन पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने घर गए। गाँव पहुँचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने उनका भावुक स्वागत किया। कई दिनों से चिंता में डूबे परिवार अब राहत की सांस ले रहे हैं। वापस लौटे मजदूरों ने झारखंड और केंद्र सरकार के साथ-साथ मीडिया और प्रवासी श्रमिकों की मदद करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली के प्रति आभार व्यक्त किया।

बताया गया कि गिरिडीह और हजारीबाग जिले के ये पांच मजदूर रोजगार के लिए अफ्रीकी देश कैमरून गए थे। वहाँ कंपनी ने चार महीनों से उनकी मजदूरी नहीं दी थी, जिसके कारण उन्हें खाने-पीने तक में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। परेशान होकर मजदूरों ने समाजसेवी सिकंदर अली के माध्यम से सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर वतन वापसी की गुहार लगाई थी।

वीडियो वायरल होने के बाद सरकार सक्रिय हुई और मजदूरों के बकाया वेतन के साथ उनकी सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित कराई गई। सिकंदर अली ने कहा- रोज़ी-रोटी के लिए लाखों लोग विदेश जाते हैं, लेकिन कई बार वहाँ बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। मजबूरी में घर से दूर जाना पड़ता है, इसलिए प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर सरकार को और सख्त कदम उठाने चाहिए। कैमरून से लौटने वालों में हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊँचाघना के सुनील महतो, सुकर महतो, करगालो के चंद्रशेखर कुमार, डीलों महतो और गिरिडीह जिले के डुमरी के दिलचंद महतो शामिल हैं।

## पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लंबित भुगतान पर आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

**रांची (एजेंसी):** राज्यपाल संतोष गंगवार ने आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित रहने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस मामले में राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का आश्वासन आजसू छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल को दिया। छात्रवृत्ति जारी किए जाने की मांग को लेकर आजसू छात्र संघ का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को राजभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर एसटी, एससी और ओबीसी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति जल्द जारी करने की मांग रखते हुए हस्तक्षेप का अनुरोध किया। आजसू छात्र नेताओं ने बताया कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने के कारण आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के कई छात्र आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और पढ़ाई जारी रखने के लिए पार्ट-टाइम नौकरी करने को मजबूर हैं, क्योंकि वे गरीब परिवारों से आते हैं। मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने छात्र प्रतिनिधियों की बातें गंभीरता से सुनीं और आश्वस्त किया कि छात्रों की समस्याओं पर शीघ्र पहल की जाएगी।

## देवघर सावन मेला के खोवा-पेड़ा में भारी मिलावट, 15% तक मिट्टी पाई गई, जांच में हुआ खुलासा

**देवघर (एजेंसी):** देवघर श्रावणी मेले में इस वर्ष प्रसाद के रूप में बेचे गए पेड़ों की जांच में चौंकाने वाली बात सामने आई है। रांची स्थित राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि जब्त किए गए सैंपल में मिट्टी की मिलावट पाई गई है। जुलाई में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मेले के दौरान एक बड़ी अभियान चलाकर एक दर्जन से अधिक दुकानों पर छापेमारी की थी और कुल ६९ सैंपल इकट्ठे कर रांची लैब भेजे थे।

राज्य खाद्य विश्लेषक और कोऑर्डिनेटर चतुर्भुज मीणा ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है जब श्रावणी मेले से जब्त किए गए पेड़े में मिट्टी मिली है। इससे पहले की जांचों में ज्यादातर मामलों में सिंथेटिक खोवा की मिलावट ही सामने आती रही थी। इस बार १०० ग्राम पेड़ा के सैंपल में १५ प्रतिशत तक मिट्टी मिली है। रिपोर्ट विभाग को सौंप दी गई है और अब आगे की कार्रवाई तय करेगी कि दोषी दुकानदारों पर क्या कदम उठाए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी मिलावट से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है और पेट से जुड़ी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

जांच प्रक्रिया में लगभग पाँच महीनों का समय लग गया। जुलाई में जब्त किए गए सैंपल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में प्रयोगशाला पहुंचे और नवंबर में जांच पूरी हुई। इसी दौरान यह साफ हुआ कि मिट्टी की मिलावट सुनियोजित तरीके से की गई थी।

श्रावणी मेले से पहले हर साल मिलावटी खोवा तैयार करने का एक पूरा नेटवर्क सक्रिय हो जाता है। बिहार और यूपी के बड़े कारोबारी पाउडर दूध और लोथ की भारी खेप मंगवाते हैं। पाउडर दूध और लोथ को मिलाकर मशीन के जरिए खोवा बनाया जाता है। लो ग्रेड दूध के एक किलो पाउडर से दो से ढाई किलो तक खोवा तैयार कर लिया जाता है, क्योंकि लोथ को भूनकर उसमें मिलाया जाता है। जैसे-जैसे मेला करीब आता है, यही खोवा चीनी मिलाकर पेड़ा बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अनुसार पेड़ा शुद्ध देशी खोवा और चीनी से बनाया जाना चाहिए, लेकिन मिलावट से दुकानदार प्रति किलो १०० से १५० रुपये तक बचा लेते हैं। यही कारण है कि मेले के दौरान हर साल मिलावटी खोवा और पेड़े की शिकायतें सामने आती हैं, लेकिन इस बार मिट्टी की मौजूदगी ने विभाग और आम लोगों दोनों की चिंता बढ़ा दी है।

## शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

### कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

### हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

### इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

## पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज, कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

**हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।**

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं।अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

### आंखों के लिए लाभदायक

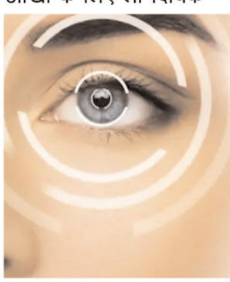

हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फ्लेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते हैं।

### पाचन में मदद करता है

हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते हैं। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

### कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अल्ली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

### स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

### दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।

## आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

### जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

**चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।**

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

### नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

**हाई ब्लड प्रेशर** - दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

**शरीर में पानी भरना** - नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

**गैस और एसिडिटी** - नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

**पाचन तंत्र के लिए हानिकारक** - नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

**शरीर में पानी की कमी** - नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

### नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

## डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

### जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

**बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।**

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

### डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्रस्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

### भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

### हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते हैं।

### कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

### व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

# पुरानी और जाम हुई चाय की छन्नी को बिना घिसे मिनटों में करें साफ

क्या आपकी स्टील की चाय छन्नी पुरानी दिखने लगी है? छेद जाम हो गए हैं और उसमें चाय की पत्ती फंस जाती है? इसे घिसकर साफ करना थकाऊ काम हो सकता है, लेकिन इसका एक आसान और असरदार तरीका बताया है। इस ट्रिक से आप मिनटों में छन्नी के जाम हुए छेद खोल सकते हैं और इसे हमेशा नया बनाए रख सकते हैं।

### जाम हुए छेद खोलने के लिए गैस की आंच

छन्नी के बारीक छेदों में चाय की पत्ती और चिकनाई जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए गर्मी का इस्तेमाल करें। छन्नी को सावधानी से पकड़कर सीधे गैस की आंच पर रखें। जैसे ही छन्नी गर्म होगी, उसमें जमा चिकनाई और कण पिघलकर हटने लगेंगे। इस प्रक्रिया में मुश्किल से एक मिनट ही लगता है।

ध्यान दें : छन्नी को हाथ से पकड़ते समय गरमी से बचने के लिए रबड़ या कपड़े का इस्तेमाल करें।

यें भी पढ़ें : दिनभर थकान महसूस हो रही है तो हो सकती है इस विटामिन की कमी!

### गर्म छन्नी को साफ करने का आसान तरीका

गैस पर गर्म करने के बाद छन्नी पर जमा चिकनाई ढीली हो जाती है।

तरीका : छन्नी को आंच से हटाएं और हल्का ठंडा होने दें। थोड़ा डिशवॉशिंग जेल या साबुन लगाएं। पुराने टूथब्रश या स्पंज की मदद से हल्के हाथ से साफ करें। अंत में साफ पानी से धोकर सुखा लें। गर्म करने से कालिख और चाय के दाग आसानी से हट जाते हैं।

### दाग-धब्बों और पीलापन हटाने की ट्रिक

अगर छन्नी पीली या दाग-धब्बेदार हो गई है तो एक छोटे बर्तन में गर्म पानी, सफेद सिरका और नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाएं। छन्नी को 10-15 मिनट के लिए घोल में भिगो दें। हल्के हाथ से रगड़कर धो लें। प्राकृतिक घोल से छन्नी की चमक वापस आ जाती है।

### रात भर भिगोने का आसान तरीका

यदि छन्नी पर जिद्दी चिकनाई जमा हो गई है तो एक बर्तन में गर्म पानी + 1 चम्मच बेकिंग सोडा + थोड़ा डिशवॉश लिक्विड मिलाएं। छन्नी को मिश्रण में डालकर रात भर भिगो दें। सुबह हल्के हाथ से रगड़कर धो लें। इससे छन्नी पर जमे सभी चिकनाई और दाग आसानी से हट जाते हैं।

### छन्नी को लंबे समय तक नया रखने के टिप्स

चाय बनाने के तुरंत बाद छन्नी को नल के नीचे धो लें। रोजाना धोते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करें। धोने के बाद सूखे कपड़े से पोंछें या हवा में सुखाएं, ताकि पानी के धब्बे या जंग न लगें। इन आसान ट्रिक्स को अपनाकर आप अपनी पुरानी, जाम हुई चाय की छन्नी को मिनटों में नया और चमकदार बना सकते हैं। अब घिसने की जरूरत नहीं, और आपका चाय का हर कप बनेगा और भी मजेदार।

# आपकी सेहत के बारे में बहुत कुछ बता सकती है जीभ, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

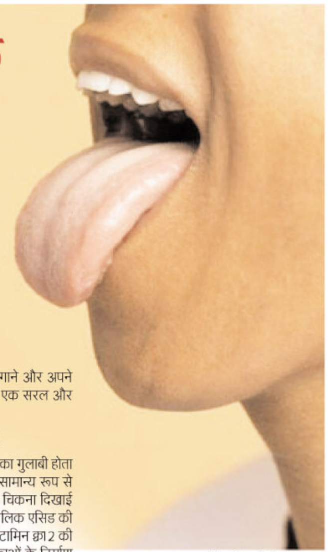

**हमारी जीभ हमारे शरीर के आंतरिक स्वास्थ्य का आइना होती है। अक्सर लोग जीभ पर दिख रहे लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। आयुर्वेद में जीभ के रंग, बनावट और उस पर दिखने वाले छोटे-बड़े बदलावों को देखकर बीमारियों और पोषण की कमी का पता लगाने का विधान है। एक हेल्दी जीभ का रंग आमतौर पर हल्का गुलाबी-लाल होता है, जिस पर छोटे-छोटे उभार होते हैं।**

मगर जब जीभ का रंग अचानक बहुत गहरा हो जाए, उस पर मोटे सफेद दाग या असामान्य सूजन दिखाई दे, तो यह शरीर के आंतरिक स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा हो सकता है। इन संकेतों को अनदेखा करना भारी पड़ सकता है, क्योंकि जीभ पर होने वाले कुछ लगातार बदलाव ओरल कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के भी शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। इसलिए अपनी जीभ को रोजाना आईने में देखना और उसके रंग या बनावट में आ रहे बदलावों को पहचानना बीमारियों का पता लगाने और अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का एक सरल और महत्वपूर्ण तरीका है।

### बहुत लाल या चिकनी जीभ

एक स्वस्थ जीभ का रंग हल्का गुलाबी होता है, लेकिन जब जीभ का रंग असामान्य रूप से चमकीला लाल या बहुत अधिक चिकना दिखाई दे, तो यह विटामिन क्ष2 या फोलिक एसिड की कमी का संकेत हो सकता है। विटामिन क्ष2 की कमी अक्सर लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण को प्रभावित करती है। इसके अलावा चिकनी या सूजी हुई जीभ कभी-कभी यह भी बताती है कि आपकी छोटी आंत में पोषक तत्वों के अवशोषण में कोई समस्या चल रही है।

### जीभ पर मोटा सफेद दाग दिखना

जीभ पर मोटा सफेद दाग दिखना (जो पनीर के जैसा लगे) अक्सर ओरल थ्रश नामक यीस्ट संक्रमण का संकेत होता है, जो कैंडिडा के अत्यधिक बढ़ने के कारण होता है। यह उन लोगों में अधिक होता है जिन्हें डायबिटीज है, और उनकी इम्यूनिटी कमजोर है, या जिन्हें क्रॉनिक सूखे मुंह की शिकायत है। इसके अलावा, सफेद धब्बे ल्यूकोप्लाकिया का भी संकेत हो सकते हैं, जो कैंसर में बदल सकते हैं।

### जीभ पर गांठ या सूजन वाले दाने

जीभ पर छोटे-छोटे दाने या सूजन वाले उभार तनाव, धूम्रपान या नींद की कमी के कारण हो सकते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते हैं। हालांकि अगर कोई गांठ या घाव दो सप्ताह से अधिक समय तक बना रहता है, खासकर जीभ के किनारों या नीचे, तो यह ओरल कैंसर के शुरुआती चरणों का संकेत हो सकता है, जिसकी तुरंत डॉक्टर या डेंटिस्ट से जांच करानी चाहिए।

### स्वच्छता और हाइड्रेशन का महत्व

जीभ की समस्याओं से बचने के लिए अच्छी ओरल हाइजीन बनाए रखना बहुत जरूरी है। रोजाना जीभ को साफ करें (टंग क्लीनर से) और खूब पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें। अगर लक्षण लगातार बने रहते हैं या अचानक गंभीर हो जाते हैं, तो घरेलू उपचारों पर निर्भर न रहें, बल्कि तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका सही इलाज कराएं।

# सर्दी के मौसम में कभी भी योग करते समय न करें ये गलतियां, वरना भुगतना पड़ेगा खामियाजा

**सर्दियों में योग करना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ठंडी हवाओं और कम तापमान के बीच योग अभ्यास से शरीर को गर्म रखने में मदद मिलती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। हालांकि, इस मौसम में योग करते समय कुछ सामान्य गलतियों से बचना जरूरी है।**

ऐसा हम आपको इसलिए बता रहे हैं क्योंकि कई लोग ठंडी सुबह में योग को लेकर उत्साहित होते हैं, लेकिन शरीर को तैयार किए बिना कठोर आसन करना चोट का कारण बन सकता है। इस लेख में हम सर्दियों में योग करते समय अक्सर होने वाली गलतियों और उन्हें सुधारने के उपायों पर चर्चा करेंगे, ताकि आपका अभ्यास सुरक्षित और प्रभावी रहे।

### ठंडे शरीर के साथ स्ट्रेच करना

सर्दियों में शरीर का तापमान कम होता है और मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। अगर बिना शरीर को गर्म किए स्ट्रेच या कठिन योगासन किए जाएं, तो मांसपेशियों में खिंचाव, मोच या चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए योग से पहले हल्की वार्म-अप एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग करना जरूरी है।

### खुली हवा में बिना गर्म कपड़ों के योग

सर्दियों में बाहर योग करते समय शरीर को पर्याप्त गर्म रखना जरूरी है। बिना गर्म कपड़ों के ठंड में योग करने से शरीर ठंडा हो सकता है, मांसपेशियां कठोर हो सकती हैं और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। हल्के जैकेट या थर्मल कपड़े पहनें।

### गलत आसनों या तकनीक का पालन करना

सर्दियों में शरीर सुस्त हो जाता है, इसलिए गलत तरीके से आसन करना चोट का कारण बन सकता है। योग की सही तकनीक, सही मुद्रा और सांस पर ध्यान रखना आवश्यक है। किसी भी कठिन आसन को बिना प्रशिक्षक की सलाह के न करें।

### पर्याप्त वार्म-अप न करना

ठंडे मौसम में वार्म-अप न करने से शरीर में रक्त का प्रवाह कम होता है और मांसपेशियां सख्त रहती हैं। इससे स्ट्रेचिंग और योगासन करना जोखिम भरा हो जाता है। कम से कम 5-10 मिनट का हल्का वार्म-अप जरूर करें।

### भारी भोजन के तुरंत बाद योग करना

भारी भोजन के तुरंत बाद योग करना पाचन को प्रभावित कर सकता है और उल्टी या पेट दर्द जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। सर्दियों में भोजन धीरे-धीरे पचता है, इसलिए योग अभ्यास से कम से कम 1.5-2 घंटे पहले भोजन करना चाहिए।

### लगातार लंबे समय तक असावधानीपूर्वक अभ्यास करना

लंबे समय तक बिना ब्रेक और सावधानी के योग करना शरीर पर दबाव डाल सकता है। इससे मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में चोट और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सर्दियों में योग सत्र छोटा लेकिन नियमित रखना बेहतर होता है।

# बिना ज्यादा मेहनत के घटानी है पेट की चर्बी तो ये योगासन आएंगे काम

**पेट की चर्बी बेहद जिद्दी होती है। ये एक बार आ जाए तो जाने का नाम नहीं लेती। भाग-दौड़ भरी जिंदगी में कामकाज और थकान के बीच भारी-भरकम वर्कआउट कर पाना आसान नहीं होता है। लोगों का मानना है कि अगर पेट कम करना है तो पसीना बहाना होगा, हालांकि ये सभी मामलों में सच नहीं है।**

पेट की चर्बी कोई रातों-रात नहीं बढ़ती और न ही रातों-रात घटती है। लेकिन कुछ सरल योगासनों को अपनाकर पेट की चर्बी को पिघलाया जा सकता है। कुछ आसन पाचन में सुधार लाते हैं और शरीर को हल्का महसूस कराने में सहायक है। इस लेख में उन्हीं आसनों के बारे में बताया जा रहा है, जिनके रोजाना 15 से 20 मिनट अभ्यास से पेट की चर्बी को कम किया जा सकता है, वो भी ज्यादा मेहनत या भारीभरकम वर्कआउट किए।

आप सुबह खाली पेट 10-15 मिनट रोजाना अभ्यास करें। नए योगी हैं तो हर आसन 20-30 सेकंड तक करें। लगातार अभ्यास करने से तीन से चार हफ्तों में फर्क दिखने लगता है।

### ताड़ासन

ताड़ासन योगासन की दुनिया का मूल स्वर है। इससे रीढ़ एक सीधी रेखा में आती है। पेट के आसपास की मांसपेशियों में हल्का खिंचाव आता है और शरीर के संतुलन में सुधार होता है। इसके अभ्यास के लिए दोनों पैर मिलाकर खड़े हो जाएं। फिर हाथ ऊपर उठाएं, उंगलियां जोड़ें और पूरा शरीर आसमान की ओर खींचें। 30- 40 सेकंड इसी स्थिति में रहें। इससे कोर मसल्स एक्टिव होती हैं, शरीर की मुद्रा सुधरती है और पेट का फैलाव कम होता है।

### पवनमुक्तासन

यह आसन पाचन के लिए रामबाण है। गैस, ब्लोटिंग और कब्ज घटाता है और पेट की अंदरूनी चर्बी पर सीधा असर डालता है। इसके अभ्यास के लिए पीठ के बल लेटें, घुटनों को मोड़कर सीने से लगाएं, हाथों से पकड़कर 20-30 सेकंड तक गहरी सांस लें। पवनमुक्तासन का अभ्यास पाचन तंत्र को सक्रिय करता है। और अगर पाचन सही रहता है तो चर्बी का जमाव कम होता है।

### भुजंगासन

भुजंगासन से पीठ मजबूत होती है और पेट का तनाव कम होता है। यह पेट की चर्बी कम करने में बेहद प्रभावी आसन है। साथ ही कमर और स्पाइन के लिए शक्तिशाली भी है। अभ्यास के लिए पेट के बल लेटें, हथेलियों को कंधों के नीचे रखें और धीरे-धीरे छाती को ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि अभ्यास के दौरान कमर पर झटका न दें, शरीर को सिर्फ उतना ही उठाएं जितना आराम से हो।

### मार्जरी आसन

इस आसन से रीढ़ लचीली होती है और पूरा शरीर रिलैक्स होता है। नियमित अभ्यास से पेट को अंदर खींचने की क्षमता बढ़ती है। यह आसन स्ट्रेस कम करता है, जो कि पेट की चर्बी का बड़ा कारण है। मार्जरी आसन के नियमित अभ्यास के लिए दोनों हाथों और घुटनों के बल शरीर को गाय की आकृति में लाएं। सांस भरते हुए सिर उठाएं। फिर सांस छोड़ते हुए पीठ ऊपर उठाएं।

## संक्षिप्त समाचार

### कक्षा के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बना चिली

सैंटियागो, एजेंसी। चिली ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कक्षाओं के दौरान मोबाइल फोन और अन्य स्मार्ट उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित किया है। नया कानून अगले साल से लागू होगा, जिससे चिली युवा छात्रों के बीच स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बन जाएगा ताकि इसके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके और कक्षा में ध्यान भटकने से बचा जा सके। स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर विभिन्न स्तरों के प्रतिबंध लगाने वाले अन्य देशों में फ्रांस, ब्राजील, हंगरी, नीदरलैंड और चीन शामिल हैं। शिक्षा मंत्री निकोलस कैटाल्डो ने निर्णय के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'हम बच्चों और किशोरों के लिए एक सांस्कृतिक परिवर्तन को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्हें आज पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे के चेहरे देखने, अवकाश के दौरान सामाजिक मेलजोल बढ़ाने और सीखने को और अधिक बढ़ावा देने के लिए एकाग्रता हासिल करने की आवश्यकता है।'

### रूस के जेल में बंद एक अमेरिकी नागरिक ने की गार्डों की पिटाई, सजा बढ़ाई

मास्को, एजेंसी। रूस में पुलिस अधिकारी की पिटाई के दोषी पाए गए एक अमेरिकी की सजा बुधवार को बढ़ा दी गई, जब उसे जेल प्रहरियों पर हमला करने का दोषी पाया गया। रॉबर्ट गिलमैन, जिन्हें रूसी मीडिया में पूर्व अमेरिकी मरीन के रूप में पहचाना गया था, को शुरू में 2022 में 3-1/2 साल की सजा सुनाई गई थी, जब उन्हें एक पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट करने का दोषी ठहराया गया था, जिसे ट्रेन से उतारकर गड़बड़ी पैदा करने के लिए दोषी ठहराया गया था। बाद में उन्हें एक सेल जांच के दौरान जेल निरीक्षक पर हमला करने, एक अन्वेषक की पिटाई करने और एक गार्ड पर हमला करने का दोषी ठहराया गया, और अक्टूबर 2024 में उन्हें आठ साल और एक महीने की सजा सुनाई गई। बुधवार को, दक्षिण-पश्चिमी रूस के वोरोनिश क्षेत्र की एक अदालत ने, जहां गिलमैन अपनी सजा काट रहा है, उसकी सजा को 10 वर्ष तक बढ़ा दिया, क्योंकि उसे दो जेल प्रहरियों की पिटाई का दोषी पाया गया था।

### ईयू की सब्सिडी में देरी को लेकर बढ़ते विवाद में ग्रीक किसानों ने सीमा पार करने के रास्ते बंद किए

एथेंस, एजेंसी। उत्तरी ग्रीस के किसानों ने भ्रष्टाचार घोटाले की जांच से जुड़े यूरोपीय संघ समर्थित सब्सिडी भुगतान में देरी के विरोध में बुधवार को सीमा चौकियों पर यातायात बाधित कर दिया। ट्रैक्टरों के काफिलों ने उत्तरी मैसेडोनिया, बुल्गारिया और तुर्की के मार्गों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ा। सप्ताहांत में सैकड़ों किसान सड़कों पर उतर आए और कई इलाकों में ट्रैक्टरों से सड़कें जाम कर दीं। ग्रीस में किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन आम बात है, लेकिन नवीनतम अशांति यूरोपीय संघ के धन के लिए व्यापक धोखाधड़ी के दावों के खुलासे के बाद सब्सिडी भुगतान में देरी को लेकर भड़की। इस घोटाले के कारण जून में पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा औप कृषि सब्सिडी से संबंधित कार्य करने वाली राज्य एजेंसी को चरणबद्ध तरीके से बंद करना पड़ा।

### अल्जीरियाई कोर्ट ने फ्रेंच पत्रकार क्रिस्टोफ ग्लेज की 7 साल की सजा बरकरार रखी

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया की एक अपील कोर्ट ने बुधवार को एक फ्रेंच स्पोर्ट्स राइटर की सात साल की जेल की सजा बरकरार रखी, जिसे 'आतंकवाद का महिमामंडन' करने का दोषी पाया गया था, जिससे उसकी जल्दी रिहाई की उम्मीदें खत्म हो गईं। क्रिस्टोफ़ ग्लीजेस को छह महीने पहले एक फुटबॉल अधिकारी के साथ इंटरव्यू के लिए सजा सुनाई गई थी, जिस पर एक बैन अलगाववादी आंदोलन से संबंध होने का आरोप था। उन्हें अल्जीरिया के आतंकवाद-रोधी कानूनों का उल्लंघन करने और प्रोपेगैंडा के लिए पब्लिकेशन रखने का दोषी पाया गया था, इस मामले की राइट्स ग्रुप्स और फ्रेंच मीडिया ने कड़ी आलोचना की थी।

## रक्षा मंत्री के चैट लीक करने से अमेरिकी सैनिकों की जान खतरे में आई

वॉशिंगटन, एजेंसी। कुछ माह पहले अमेरिकी रक्षा मंत्री ने सिग्नल एप पर एक गोपनीय ऑपरेशन की जानकारी साझा की थी, जो लीक हो गई थी। इसे लेकर ट्रंप सरकार निशाने पर आ गई थी। अब उसकी जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रक्षा मंत्री की चैट लीक होने से ऑपरेशन में लगे सैनिकों की जान खतरे में आ गई थी। हालांकि रिपोर्ट में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को क्लीन चिट दे दी गई है और कहा गया है कि रक्षा मंत्री होने के नाते उनके पास गोपनीय जानकारी को सार्वजनिक करने का अधिकार है। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल ने सिग्नल चैट लीक मामले की जांच की। जांच रिपोर्ट अमेरिकी सांसदों को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जांच रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में सार्वजनिक की जा सकती है। इस जांच रिपोर्ट को लेकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें लिखा कि 'कोई गोपनीय जानकारी लीक नहीं की, पूरी तरह से बरी किया गया है और इसके साथ मामला बंद हो गया है। हूतियों पर बमबारी की बात है। इस रिपोर्ट पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।' इस साल मार्च में अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर बमबारी की थी। अमेरिका की अटलांटिक पत्रिका में खुलासा किया गया कि सिग्नल एप पर हुई एक चैट में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हवाई हमले से जुड़ी जानकारी साझा की, जिसमें हमले का सटीक समय और हमले में शामिल हथियारों और मिसाइलों की जानकारी भी साझा की गई। इस चैट में गलती से अटलांटिक पत्रिका के संपादक जेफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे।

# जनजाति का अजीब रिवाज...पति की लाश के साथ सोती हैं महिलाएं

केपटाउन एजेंसी।
दुनिया में अलग-अलग समुदायों की अपनी-अपनी परंपराएं होती हैं, लेकिन अफ्रीका की नील नदी घाटी में रहने वाली एक जनजाति का रिवाज सुनकर हर कोई हैरान हो जाता है। इस जनजाति का नाम है लुओ , जो निलोटिक समुदाय का हिस्सा है। इन लोगों की मान्यताएं इतनी अनोखी हैं कि आज के आधुनिक समय में भी ये सदियों पुरानी प्रथाओं को निभा रहे हैं। इनकी परंपराओं में जन्म, विवाह और मृत्यु से जुड़े कई रिवाज हैं, मगर सबसे अधिक चर्चा उस रिवाज की होती है जिसमें विधवा महिला को अपने पति के शव के साथ एक रात सोना पड़ता है।

इतिहास के अनुसार लुओ समुदाय मूल रूप से सूडान में रहता था। समय के साथ यह जनजाति पलायन करके- उत्तरी तंजानिया के कई इलाकों में बस गई। देश भले अलग हों, लेकिन इनके रीति-रिवाज और सांस्कृतिक पहचान एक जैसी ही है। यह जनजाति धोलुओ भाषा बोलती है और अभी भी

अपने पूर्वजों की परंपराओं को जीवन का हिस्सा मानती है। पति की लाश के साथ क्यों सोती है महिला। लुओ समुदाय में यह परंपरा बेहद भावुक और आध्यात्मिक मानी जाती है। अगर किसी पुरुष की मृत्यु हो जाए तो उसकी पत्नी को उसके शव के पास रात बितानी होती है। यह प्रथा किसी तरह की सजा या डर पैदा करने के लिए नहीं होती, बल्कि इसे महिला की अपने दिवंगत पति के प्रति अंतिम जिम्मेदारी माना जाता है। इनका विश्वास है कि पति-पत्नी का संबंध मृत्यु के बाद भी खत्म नहीं होता। महिला का शव के पास सोना इस बात का प्रतीक है कि वह अपने पति की आत्मा का सम्मान कर रही है और उसे विदाई दे रही है। समुदाय के लोग मानते हैं कि जब तक आत्माएं यह तय नहीं कर लेतीं कि महिला जीवन में आगे बढ़ सकती है या नहीं, तब तक यह संबंध आध्यात्मिक रूप से बना रहता है। लाश के साथ रात गुजारने के बाद, विधवा महिला एक सपने का इंतजार करती है, जिसे यह समुदाय बेहद गंभीरता से लेता है। यही सपना महिला के आगे के जीवन का फैसला करता है- मंजूरी का संकेत- अगर महिला के सपने में उसका दिवंगत पति उससे प्यार करता हुआ दिखाई देता है, तो यह माना जाता है कि पति की आत्मा ने उसे दूसरी शादी करके जीवन में आगे बढ़ने की मंजूरी दे दी है।

# ट्रंप ने 'एंटी-इंडिया' मुस्लिम सांसद को बताया कचरा

## ● कहा- नफरत फैलाती हो...भाई से निकाह किया !

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कैबिनेट बैठक में सोमालिया और सोमाली-अमेरिकियों पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सोमालिया में लोगों के पास कुछ नहीं है, वे बस एक-दूसरे को मारते रहते हैं, उनका देश खराब है और वहां से बदबू आती है। ऐसे लोगों को हम अपने देश में नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका कचरा जैसे प्रवासियों को आने देता रहा, तो देश गलत रास्ते पर चला जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमाली-अमेरिकी अमेरिका में कोई योगदान नहीं देते।

### इल्हान उमर पर फिर हमला

ट्रंप ने मिनेसोटा की डेमोक्रेट मुस्लिम सांसद इल्हान उमर जो सोमालिया से आई हैं को कचरा कहते हुए कहा कि उन्हें अपने मूल देश वापस भेज देना चाहिए। ट्रंप ने उनके दोस्तों को भी कचरा बताया और कहा कि वे अमेरिका से नफरत फैलाती हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते 1991 से चली आ रही सोमालियों की डिपोर्टेशन-सेफ्टी भी खत्म कर दी, जबकि उस समय सोमालिया गृहयुद्ध जैसी अराजकता झेल रहा था।ट्रंप ने यह आरोप भी लगाया कि मिनेसोटा में कुछ सोमाली समूहों ने कोविड कार्यक्रमों के तहत बच्चों के भोजन के नाम पर टैक्सपेयर्स का पैसा हड़पने की साजिशें रचीं।

### कौन हैं इल्हान उमर?

इल्हान उमर मिनेसोटा के 5वें डिस्ट्रिक्ट से डेमोक्रेटिक सांसद हैं और 2019 से अमेरिकी कांग्रेस में हैं। वह पहली सोमाली-अमेरिकन मुस्लिम महिला हैं जो कांग्रेस तक पहुंचीं। वे प्रोग्रेसिव नीतियों जैसे यूनिवर्सल हेल्थकेयर, स्टूडेंट लोन माफी, मिनिमम वेज बढ़ाने की मुकर्रर समर्थक हैं।

### क्या है भाई से निकाह विवाद?

यह इल्हान उमर के खिलाफ सबसे पुराना और विवादित आरोप है। दावा है कि उन्होंने अमेरिकी नागरिक पति अहमद हिरसी से अलग होकर 2009 में अहमद नूर सईद एल्मी जो कथित तौर पर उनके सौतेले भाई बताए जाते हैं से शादी की ताकि उन्हें अमेरिका में रहने का फायदा मिल सके। लेकिन इस आरोप की कभी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। कई फैक्ट-चेक एजेंसियों ने इसे खारिज किया। इल्हान ने भी इसे इस्लामोफोबिक षड्यंत्र कहा है। ट्रंप इस आरोप को बार-बार चुनावी मुद्दा बनाते रहे हैं।

# मुझे लगता है कि हमें उत्तर कोरिया से माफी मांगनी चाहिए

## लेकिन... फिर रुक गए साउथ कोरिया के राष्ट्रपति?

सियोल, एजेंसी।
दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को कहा कि वह पिछली सरकार द्वारा उत्तर कोरिया में सरकार के खिलाफ पर्चे बांटने के लिए ड्रोन भेजने के आरोप पर उत्तर कोरिया से माफी मांगना चाहते हैं, हालांकि मौजूदा घरेलू राजनीतिक माहौल में ऐसा करना मुश्किल है। ली ने चेओंग वा डे में विदेशी संवाददाताओं के साथ विशेष बातचीत में यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस कार्रवाई के लिए राज्य स्तर पर माफी जारी करने के बारे में सोच रहे हैं ताकि कोरिया के बीच तनाव कम करने में मदद मिल सके, तो ली ने कहा कि आप मेरा मन पढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ, मुझे लगता है कि हमें माफी मांगनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ मुझे चिंता है कि (माफी) राजनीतिक और विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन सकता है, जहां सरकार को उत्तर कोरिया का समर्थक कहा जाएगा। ली का यह बयान ड्रोन मामले में एक विशेष जांच के बीच आया है। ली से पहले के राष्ट्रपति यून सुक येओल और सेना में उनके कुछ करीबी साथियों ने कथित तौर पर अक्टूबर 2024 में प्योंगयांग में उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग-उन की बुराई करने वाले पर्चे ले जाने वाले ड्रोन तैनात करने का ऑर्डर दिया था, ताकि उत्तर कोरिया को जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाया जा सके और इसे मार्शल लॉ लगाने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। ली ने अंतर-कोरियाई संबंधों पर कहा कि ये इतने बंद हैं कि एक सुई के

बराबर जगह भी नहीं बची है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत के रास्ते फिर से खोलने के लिये सियोल के एकतरफ़ा विश्वास-निर्माण उपाय जरूरी हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर समझौता करने की इच्छा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका-उत्तर कोरिया की बातचीत को फिर से शुरू करने के लिये ज़रूरी हुआ तो वह इन सैन्य अभ्यासों को कम करने के लिये भी तैयार हैं।

ली ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर कोरिया के फैसले लेने की प्रक्रिया पर अमेरिका का ज्यादा असर है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया का नेतृत्व दक्षिण कोरिया के बजाय अमेरिका को ही भरोसेमंद सुरक्षा देने वाला अकेला देश मानती है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह बातचीत के लिए अच्छा माहौल बनाते रहना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप का भविष्य बनाने में कोरिया के लिये 'मुख्य पात्र' बने रहने के लिये यह तरीका बहुत जरूरी है।

# जिहादी कोर्स में 5 हजार महिलाओं की भर्ती, सुसाइड मिशन की ट्रेनिंग

इस्लामाबाद एजेंसी।
बीते मई महीने में भारत के ऑपरेशन सिंदूर में अपना सबकुछ गंवाने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना ने हाल ही में जैश की महिला विंग को लेकर कई राज उगले हैं। मसूद अजहर ने दावा किया है कि इस महिला विंग में अब तक 5,000 महिलाओं की भर्ती हो चुकी है। मसूद अजहर के मुताबिक इन महिलाओं को कथित तौर पर सुसाइड मिशन के लिए ट्रेनिंग दी जा रहा है। इससे पहले आतंकी मसूद अजहर ने अक्टूबर में जैश की महिला

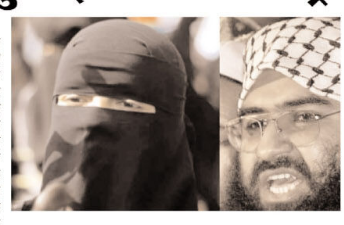

ब्रिगेड, जमात-उल-मोमिनात तैयार करने की घोषणा की थी। जानकारी के मुताबिक इसकी जिम्मेदारी मसूद अजहर की बहन सईदा संभाल रही है। मसूद अजहर ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया है कि जमात-उल-मोमिनात का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। मसूद अजहर ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में 5,000 से अधिक महिलाएं इस समूह में शामिल हो चुकी हैं। अजहर ने कहा है कि भर्ती और ट्रेनिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर के कई जिलों में समूह का विस्तार किया जा रहा है। मसूद अजहर के मुताबिक हर जिले में एक महिला प्रमुख, जिसे मुंतजिमा कहा जाएगा के नेतृत्व में एक दफ्तर बनाया जाएगा, जो विंग की गतिविधियों पर नजर रखेगी। इससे पहले जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए एक ऑनलाइन जिहादी कोर्स भी शुरू किया था जिसका नाम तुफात अल-मुमिनात रखा गया है। जैश ने इस कोर्स के हर महिला के लिए 500 रुपये की फीस भी निर्धारित की है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में चरमपंथी गुट महिलाओं का अकेले बाहर जाना ठीक नहीं माना जाता है इसलिए जैश अब महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है।

# पाकिस्तान बेचेगा सरकारी एयरलाइंस

## इज्जत नीलामी' में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा। बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्लू बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शख्सियत आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं।

# विश्वास मत से पहले छोड़नी पड़ी कुर्सी

## पद संभालने के 22 दिन बाद ही मधेश प्रदेश के सीएम सरोज का इस्तीफा

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में जारी सत्ता संकट एक नए मोड़ पर पहुंच गया। पद संभालने के 22 दिन बाद ही मुख्यमंत्री सरोज कुमार यादव को इस्तीफा देना पड़ा। विश्वास मत हासिल करने के लिए उनके पास संख्या बल कम पड़ गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सरोज यादव को प्रदेश सभा का विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया था। विश्वास मत हासिल होने की संभावना बेहद कम दिखने के बाद यादव ने प्रदेश सभा की बैठक में ही अपना इस्तीफा पेश कर दिया। विपक्षी दलों की अनुपस्थिति ने शक्ति परीक्षण को असंभव बना दिया था। बैठक में केवल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के विधायक मौजूद थे। सरकार में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की मंत्री कंचन बिच्छा व नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी की मंत्री बिमला अंसारी भी उपस्थित थे। अपने इस्तीफे से पहले सरोज यादव ने आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति बाध्य स्थिति में की गई थी, इसलिए विश्वास मत का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा, सरकार में रहते हमने जनता का काम किया। मेरी प्रतिबद्धता कुर्सी से नहीं विधानसभा के सदस्यों से है। लेकिन वे स्वयं ही सदन छोड़कर बाहर चले गए।

**विवाद के बाद हटाए गए थे प्रदेश प्रभारी:** सरोज यादव को पूर्व प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 168 (3) के तहत सबसे बड़े दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। बर्दिबास के होटल पानस कॉटेज में तड़के हुई यह नियुक्ति शुरू से विवादों में रही। विवाद के चलते संघीय सरकार ने प्रदेश प्रमुख भंडारी को पदमुक्त कर जनकपुर के सुरेंद्र लाभ कर्ण को नया प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

# पुतिन खत्म करना चाहते हैं यूक्रेन के साथ युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर रूस के राष्ट्रपति के साथ एक अच्छी बातचीत हुई है। ट्रंप ने दावा किया कि डेलीगेशन से बातचीत के दौरान पाया गया कि व्लादिमीर पुतिन भी युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं।

दरअसल, बुधवार को अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉक ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पांच घंटे लंबी बातचीत की। ध्यान देने वाली बात है कि दोनों दिग्गजों की बातचीत साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन विवाद को खत्म करने पर केंद्रित थी। पुतिन भी समाप्त करना चाहते हैं युद्ध अमेरिकी

राष्ट्रपति ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुतिन की कल जेरेड कुशनर और स्टीव व्हिटकॉफ के साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। उस मीटिंग से क्या निकला, मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि टैंगो के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। उन्होंने आगे कहा वह (पुतिन) युद्ध खत्म करना चाहेंगे, ऐसा उनका मानना था।

वहीं, केमलिन के सीनियर सलाहकार यूपी उशाकोव ने बुधवार को कहा कि यह मीटिंग लड़ाई शुरू होने के बाद से वाशिंगटन और मॉस्को के बीच सबसे बड़ी बातचीत में एक थी।

वहीं, इलाके के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं हुआ है। ट्रंप ने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के संभावित रास्तों पर विचार किया, लेकिन मुख्य विवाद अभी भी अनसुलझे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि वह यूक्रेन के मसले को हल करने के करीब हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी काफी काम किया जाना है।

# कोहली आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग में चौथे नंबर पर पहुंचे

## रांची में शतक लगाने का फायदा मिला, रोहित टॉप पर; कुलदीप गेंदबाजों में नंबर-6

**दुबई (एजेंसी)।** आईसीसी की लेटेस्ट वनडे बैटर्स रैंकिंग में भारत के विराट कोहली चौथे नंबर पर पहुंच गए। वहीं पूर्व कप्तान रोहित शर्मा टॉप पर बरकरार हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर रहे केएल राहुल को 2 स्थान का फायदा हुआ। गेंदबाजों में लेफ्ट आर्म स्पिनर कुलदीप यादव नंबर-6 पर पहुंच गए। चारों को रांची वनडे में बेहतरीन प्रदर्शन का फायदा मिला।

### कोहली ने रांची और रायपुर में शतक लगाया

साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को रांची में विराट कोहली ने शतक लगाते हुए 135 रन की पारी खेली थी। इसी पारी ने उन्हें 751 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पांचवें से चौथे नंबर पर पहुंचा दिया। रायपुर में खेले जा रहे दूसरे वनडे में भी कोहली ने सेंचुरी लगा दी। यह उनकी लगातार दूसरी सेंचुरी रही। शुभमन गिल पांचवें नंबर पर खिसके, वे इंजरी के कारण वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं।

रोहित 783 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं। उन्होंने रांची में 57 रन बनाए थे। रायपुर में खेले जा रहे दूसरे वनडे में रोहित 14 ही रन बनाकर आउट हो गए।न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान तीसरे नंबर पर हैं। केएल राहुल 14वें नंबर पर पहुंच गए।

- **बॉलर्स में कुलदीप को फायदा** – वनडे बॉलर्स की रैंकिंग में कुलदीप यादव को एक स्थान का फायदा हुआ। वे 641 रेटिंग पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर पहुंच गए। रांची वनडे में कुलदीप यादव ने 68 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर दूसरे और साउथ अफ्रीका के केशव महाराज तीसरे नंबर पर हैं। भारतीय बॉलर्स में रवींद्र जडेजा 14वें, मोहम्मद सिराज 17वें, मोहम्मद शमी 20वें और अक्षर पटेल 29वें नंबर पर मौजूद हैं।
- **ऑलराउंडर्स में अक्षर पटेल को नुकसान** – वनडे ऑलराउंडर्स रैंकिंग में भारत के अक्षर पटेल को एक स्थान का नुकसान हुआ। वे 10वें नंबर पर पहुंच गए। रवींद्र जडेजा 11वें नंबर पर कायम हैं। अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा और अफगानिस्तान के ही मोहम्मद नबी टॉप-3 में हैं।

# साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

## शुभमन और हार्दिक की वापसी, वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। जसप्रीत बुमराह को वनडे से आराम देकर टी-20 में शामिल किया गया। हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल की भी टीम में वापसी हुई। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बुधवार को ही रायपुर में बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए जर्सी भी लॉन्च की। टी-20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। उपकप्तान शुभमन गिल करीब दो हफ्ते बाद वापसी करेंगे। हालांकि, फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही वे मैच खेल पाएंगे। कोलकाता टेस्ट में उन्हें चोट लगी थी। हार्दिक पंड्या भी 73 दिन बाद टीम में लौट रहे हैं। वे एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

### टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

### रिंकू और रेड्डी को मौका नहीं

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा रहे रिंकू सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को स्क्वॉड में मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रिंकू को एक ही मुकाबला खिलाया गया, लेकिन उनकी बैटिंग नहीं आ सकी। वे फिलहाल मुश्ताक अली टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश के लिए टी-20 खेल रहे हैं।

### रायपुर में वर्ल्ड कप की जर्सी भी लॉन्च

बीसीसीआई ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी भी लॉन्च कर दी। रायपुर में बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया की मौजूदगी में जर्सी लॉन्च हुई। इस दौरान टी-20 टीम के तिलक वर्मा और टूर्नामेंट के ब्रांड एम्बेसडर रोहित शर्मा भी मौजूद रहे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की जर्सी लॉन्च के दौरान तिलक वर्मा, रोहित शर्मा और बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया।

### शुभमन कोलकाता टेस्ट में इंजर्ड हुए थे

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शॉट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां सामने आया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए फिलहाल फिट नहीं हैं। उप कप्तान गिल को टी-20 टीम में मौका जरूर मिल गया, लेकिन वे शायद शुरुआती मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं। उन्हें मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मुकाबले में उतारा जाएगा।

### 9 दिसंबर से शुरू होगी सीरीज

रायपुर में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। 6 दिसंबर को तीसरा वनडे खेला जाएगा। फिर 9 दिसंबर से 5 टी-20 की सीरीज शुरू हो जाएगी। 5 मुकाबले 9, 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को खेले जाएंगे। जिसके वेन्यू कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद हैं। वर्ल्ड कप की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज दोनों ही टीमों के लिए अहम है।

### हार्दिक पंड्या ने मुश्ताक अली में फिफ्टी लगाई

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। सुपर-4 स्टेज के मैच में लगी चोट की वजह से वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल नहीं खेल सके। इसके बावजूद टीम इंडिया ने 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था।
हार्दिक ने अब घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिफ्टी लगाकर वापसी की। उन्होंने बड़ौदा से खेलते हुए 77 रन बनाने के साथ 1 विकेट भी लिया था।

### टी-20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड

ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्या और ट्रिस्टन स्टब्स।

# साउथ अफ्रीका का भारत के खिलाफ हाईएस्ट रन चेज

## होमग्राउंड पर कोहली की 40वीं सेंचुरी, रोहित ने 9 हजार रन पूरे किए

**रायपुर (एजेंसी)।**

भारत को होमग्राउंड पर 2-0 से टेस्ट सीरीज हराने वाली साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को एक और झटका दे दिया। टीम ने बुधवार को रायपुर में भारत के खिलाफ 359 रन का टारगेट चेज कर लिया। यह भारत के खिलाफ सबसे बड़े रन चेज के रिकॉर्ड की बराबरी रही।

| टीम | स्कोर | ग्राउंड | साल |
|---|---|---|---|
| साउथ अफ्रीका | 359/6 | रायपुर | 2025 |
| ऑस्ट्रेलिया | 359/6 | मोहाली | 2019 |
| न्यूजीलैंड | 348/6 | हैमिल्टन | 2020 |
| इंग्लैंड | 337/4 | पुणे | 2021 |

### वनडे के टॉप- रिकॉर्ड्स...

#### भारत के खिलाफ सबसे बड़ा रन चेज

साउथ अफ्रीका ने 50वें ओवर में 4 गेंद बाकी रहते हुए 359 रन का टारगेट हासिल कर लिया। यह वनडे में भारत के खिलाफ सबसे सफल रन चेज के रिकॉर्ड की बराबरी रही। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने मोहाली के मैदान पर भी 359 रन ही चेज किए थे।भारत और साउथ अफ्रीका ने मिलकर मैच में 720 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच वनडे में पहली बार इतने ज्यादा रन बने। इससे पहले इसी सीरीज के पहले मुकाबले में दोनों टीमों ने मिलकर 681 रन बनाए थे।

#### साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत का सेकेंड हाईएस्ट टोटल

भारत ने रायपुर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना दूसरा सबसे बड़ा वनडे स्कोर बनाया। टीम ने 5 विकेट खोकर 358 रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले 2010 में ग्वालियर के मैदान पर भारत 401 रन भी बना चुका है।यह मैच भारत के वनडे इतिहास में 44वां मौका था, जब एक ही पारी में दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए। किसी भी टीम के लिए यह सबसे ज्यादा है। इस रिकॉर्ड में दूसरी टीम साउथ अफ्रीका है, जिसके नाम ऐसे 30 मौके दर्ज हैं।

# एक टीम में साथ खेल रहे भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ी

- **बोले- हम अच्छी क्रिकेट को सपोर्ट करते हैं; आईएलटी 20 में अडाणी की टीम में शामिल**

**दुबई (एजेंसी)।** पिछले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को भारत की जीत के साथ-साथ इस बात के लिए भी याद रखा जाएगा कि इसमें भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ तक नहीं मिलाया। पहलगाम आतंकी हमला और और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों की भिड़ंत हुई थी। दुबई में इनके बीच तीन मैच हुए थे और तीनों ही बार कड़वाहट की अलग-अलग कहानियां सामने आई थीं। अब उसी दुबई में 2 दिसंबर से एक और क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हुआ है। इसमें दुनियाभर के सितारों के साथ भारत और पाकिस्तान मूल के क्रिकेटर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। ये न सिर्फ हाथ मिला रहे हैं बल्कि साथ ही एक ही टीम का हिस्सा भी हैं। मामला श्व की लीग आईएलटी 20 का है। टूर्नामेंट के सभी मैच जी एंटरटेनमेंट पर लाइव होते हैं। अडाणी ग्रुप की टीम गल्फ जायंट्स में भारतवंशी मीत भावसार और पाकिस्तान के आसिफ खान भी शामिल हैं। मीत कुवैत में पैदा हुए लेकिन उनकी नागरिकता भारत की ही है। इसी तरह यूएई के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले आसिफ पाकिस्तानी नागरिक हैं।

# बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

**चेन्नई (एजेंसी)।** भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्त्रह॥ पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से

होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की।

### हार के बाद राहुल का बयान

# ओस की वजह से गेंदबाजी करना मुश्किल हो रहा था

**रायपुर (एजेंसी)।** दूसरे वनडे में भारत को साउथ अफ्रीका के हाथों 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 358/5 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें विराट कोहली (102) और ऋतुराज गायकवाड़ (105) ने शतकीय पारियां खेलीं, लेकिन टीम जीत से चूक गई।

हार के बाद स्टैंड-इन कप्तान केएल राहुल ने हार के पीछे के कारणों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैं खुद को कोस रहा हूं। टॉस हारने का बहुत बड़ा असर पड़ा। दूसरी पारी में ओस की वजह से गेंदबाजी करना मुश्किल हो गया और ये मैच पर बहुत असर डालता है। कुछ चीजें हम बेहतर कर सकते थे।

राहुल ने बताया कि टीम ने फील्डिंग में भी कुछ नरमी दिखाई। उन्होंने कहा, 350 का स्कोर अच्छा लग रहा था, लेकिन हमने कुछ आसान रन भी दिए। फील्डिंग में कुछ कमजोरियां सामने आईं। विराट

और रुतु ने शानदार बैटिंग की और उन्होंने पारी की गति तय की। मुझे नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला और मैंने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

राहुल ने टॉस पर भी निराशा जताई और कहा कि भारत लगातार 20वें वनडे में टॉस हार चुका है। उन्होंने बताया, यह हमारी टॉस हारने की लंबी सीरीज है। 2 साल से लगातार टॉस हार रहे हैं। यह सिलसिला 2023 के एक दिवसीय वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था। टॉस का खेल पर बड़ा असर पड़ता है और इस बार यह हमारे लिए निर्णायक साबित हुआ।

साउथ अफ्रीका ने 362/6 का लक्ष्य 49.2 ओवर में पूरा किया। एडेन मार्करम ने 110 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मैथ्यू ब्रीटजे (68) और डेवाल्ड ब्रेविस (54) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के लिए अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए।राहुल ने कहा, विराट और रुतु ने पारी की दिशा तय की। मैं नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने के लिए आया और अच्छी शुरुआत की। हालांकि हमें कुछ और चीजों में सुधार की जरूरत है। इस हार से हमें सीख लेनी होगी और तीसरे एक दिवसीय में इसे सुधारना होगा।तीसरा और निर्णायक वनडे 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा, जो सीरीज का अंतिम फैसला करेगा।

# भारत की फ्लॉप गेंदबाजी, रोहित शर्मा ने चलते मैच में लगाई बॉलर्स को फटकार

**रायपुर (एजेंसी)।** रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे में टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। विराट कोहली और रुतुराज गायकवाड़ के शानदार शतकों की बदौलत भारत ने 358 का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन गेंदबाज इस लक्ष्य की रक्षा नहीं कर पाए। भारतीय गेंदबाजों की लाइन-लेंथ लगातार भटकी हुई नजर आई, जिस पर कप्तान रोहित शर्मा मैच के दौरान ही बेहद नाराज दिखे। रोहित ने मैदान पर ही प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा की क्लास लगा दी। इस हार के साथ सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है।

### बल्लेबाजों ने दिया मजबूत लक्ष्य, गेंदबाजों ने किया निराश

दूसरे वनडे में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली और रुतुराज गायकवाड़ ने दमदार शतक जड़ते हुए टीम को 358 रन तक पहुंचाया। दोनों बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहद फीका रहा। भारत की ओर से कोई भी गेंदबाज साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाया, जिससे मैच टीम के हाथ से फिसलता गया।

### रोहित शर्मा का गुस्सा लाइव मैच में दिखा

मैच के दौरान एक ऐसा पल आया जब रोहित शर्मा गेंदबाजों के प्रदर्शन से बेहद खफा नजर आए। दक्षिण अफ्रीकी पारी के 37वें ओवर में मैथ्यू ब्रिट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस की साझेदारी तेजी से आगे बढ़ रही थी। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवर की पहली गेंद पर चौका खाया। एक डॉट बॉल के बाद जब वह अगली गेंद के लिए अपने रन-अप पर जा रहे थे, तभी रोहित शर्मा उनके पास पहुंचे। रोहित ने प्रसिद्ध कृष्णा की लाइन, लेंथ और गति पर नाराजगी जताई। उनकी बॉडी लैंग्वेज साफ दिखा रही थी कि वह गेंदबाजी से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। कुछ ही सेकंड में हर्षित राणा भी बातचीत में शामिल हो गए।

# आईएलटी20 में अबूधाबी ने शारजाह को 39 रन से हराया

- **नाइट राइडर्स ने 233 बनाए, लिविंगस्टन ने नाबाद 82 रन की पारी खेली**

**दुबई (एजेंसी)।** इंटरनेशनल लीग टी-20 के दूसरे मैच में बुधवार को अबू धाबी नाइट राइडर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 39 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 233 रन बनाए। जवाब में शारजाह की टीम 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी। लीग के सभी मैच जी एंटरटेनमेंट पर लाइव होते हैं।

**लिविंगस्टन ने 82 रन बनाए** – टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे अबू धाबी के लिए लियम लिविंगस्टन ने 38 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। उनकी पारी में 8 छक्के और 2 चौके शामिल रहे। शेरफेन रदरफोर्ड ने 27 गेंदों पर 45 रन की उपयोगी पारी खेली।

**टॉप ऑर्डर ने दी तेज शुरुआत** – एलेक्स हेल्स ने 19 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि अलीशान शराफू ने 23 गेंदों पर 34 रन जोड़े। माइकल पेपर 15 रन बनाकर आउट हुए। अंतिम ओवरों में आंद्रे रसेल ने 4 गेंदों पर नाबाद 11 रन जोड़कर टीम का स्कोर 233 तक पहुंचाया।

**शारजाह की ओर से रशीद सबसे सफल गेंदबाज रहे** – गेंदबाजी में आदिल रशीद ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए। नेत्रवलकर और ड्वेन प्रेटोरियस को 1-1 सफलता मिली।

**लक्ष्य का पीछा करते हुए शारजाह दबाव में आई** – 234 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शारजाह की शुरुआत खराब रही।